वर्ष 73 ▸ अंक 148 ▸ पृष्ठ 12+8= 20
रीवा, बुधवार 25 फरवरी, 2026
फाल्गुन शुक्ल पक्ष 08, विक्रम संवत् 2082
नगर ▸ मूल्य 5 रुपए
आज के अंक के साथ सत्यकथा

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

समय सबसे बड़ा शिक्षक है, इसे व्यर्थ न गंवाएं।
-अज्ञात

भोपाल में किसान महाचौपाल: खरगे और राहुल ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

अमेरिका से ट्रेड डील दबाव में की: राहुल

विशेष संवाददाता, भोपाल। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना कैबिनेट की सहमति के अमेरिका से ट्रेड डील की। उन्होंने एपस्टीन फाइल्स और अदाणी पर क्रिमिनल केस के दबाव के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से डील साइन करने की बात कही। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कई देशों ने डील करने से इंकार किया, लेकिन प्रधानमंत्री ने इस बारे में अब तक चुप्पी साधे रखी है। वे प्रधानमंत्री को चुनौती देते हैं कि अमेरिका-भारत की डील रद्द करके दिखाएं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को भोपाल के अटल पथ पर आयोजित किसान महाचौपाल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे की किताब का उल्लेख करते हुए कहा कि इस मामले में उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि नरवणे ने किताब में लिखा कि जब चीन की सेना भारतीय सीमा में घुस रही थी, तब प्रधानमंत्री ने उनका फोन नहीं उठाया और फिर रक्षा मंत्री को बुलाकर कह दिया कि नरवणे से बोलिए कि वे अपने दिमाग से निर्णय लें। राहुल ने कहा कि इस बारे में नरवणे ने अपनी किताब में लिखा कि उस दिन सरकार ने सेना को उसके हाल पर छोड़ दिया था।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस संबंध में जब वे लोकसभा में बोलने लगे, तो उन्हें बोलने नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री भी बहाना बनाते हुए लोकसभा में नहीं आए और उसी शाम उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को फोन कर कह दिया कि वे जिस तरह की डील चाहते हैं, वे उस पर हस्ताक्षर करने को तैयार हैं। इस बारे में ट्रंप ने भी अपने ट्वीट में पुष्टि की है। राहुल ने सवाल उठाया कि किसानों व अन्य विषयों को लेकर जो डील पिछले चार माह से रुकी पड़ी थी, उस पर प्रधानमंत्री ने अचानक सहमति कैसे प्रदान कर दी। उन्होंने कहा कि इसके पीछे दरअसल दो कारण थे। पहला, अमेरिका में एपस्टीन की 30 लाख फाइल हैं, जिसमें कई राज छिपे हुए हैं। दवाब बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के बारे में जानकारी रिलीज कर साफ कह दिया गया कि यदि उनकी बातें नहीं मानी गईं तो फाइल्स में बहुत कुछ उनके पास है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, दूसरा, अडाणी समूह पर अमेरिका में आपराधिक मामले चल रहे हैं। जिसकी वजह से दवाब में आकर प्रधानमंत्री ने ट्रेड डील पर सहमति जताई। कांग्रेस नेता ने कहा कि इस डील में साफ तौर पर कहा गया कि भारत को अमेरिका से हर वर्ष 9 लाख करोड़ का माल खरीदना पड़ेगा। इससे हमारी टेक्सटाइल इंडस्ट्री पूरी तरह खत्म हो जाएगी, क्योंकि हमें कपास अमेरिका से लेना पड़ेगा। जबकि हमारे देश में खुद कपास का उत्पादन होता है। इस डील के जरिए अमेरिका दुनिया का सबसे ज्यादा भारत का डेटा हासिल कर लेगा, क्योंकि अमेरिका को मालूम है कि बिना भारत का डेटा लिए वह चीन से मुकाबला नहीं कर सकता। कांग्रेस नेता ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे संघर्ष के लिए तैयार रहें, क्योंकि इस देश का किसान हो या युवा दबाव में लिए गए फैसलों को कभी भी स्वीकार नहीं करेगा और इसके लिए हमें लड़ाई लड़नी पड़ेगी।

किसान महाचौपाल के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, जीतू पटवारी और अन्य कांग्रेसी नेता।

दो वजहों से की अचानक डील

राहुल गांधी ने कहा कि जो डील चार माह से रुकी पड़ी थी, उस पर प्रधानमंत्री ने अचानक सहमति कैसे प्रदान कर दी। इसके पीछे उन्होंने दो बताए। पहला, अमेरिका में एपस्टीन की 30 लाख फाइल हैं, जिसमें कई राज छिपे हैं। दूसरा, अडाणी समूह पर अमेरिका में आपराधिक मामले हैं। जिसकी वजह से दवाब में आकर पीएम डील पर सहमति हो गए।

हमारे पास लड़ाई के लिए गांधी और राहुल : खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किसान महाचौपाल में कहा कि देश इन दिनों कठिन दौर से गुजर रहा है। लोकतंत्र, संविधान और मान-मर्यादा को मिट्टी में मिलाने वाले हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को बेच दिया है। हम डरने वाले नहीं हैं, क्योंकि हमारे पास गोडसे नहीं गांधी हैं और युवाओं की लड़ाई लड़ने के लिए राहुल गांधी हैं। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर रोक लगाकर बड़ी गलती की है। खरगे ने कहा कि भाजपा की सरकार कांग्रेस को डराने का काम कर रही है, यूथ कांग्रेसियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। यह लोग कहते हैं कि यूथ कांग्रेसियों ने देश का अपमान किया, लेकिन हकीकत यह है कि हमारी पार्टी और नेता ब्रिटिश हुकूमत से भी नहीं डरे, तो स्वयं की पीठ थपथपाने वालों से क्यों डरेंगे? उन्होंने कहा कि एआई समिट में यूथ कांग्रेसियों के प्रदर्शन को देश की बदनामी से जोड़ रहे हैं, लेकिन वे भूल रहे हैं कि कॉमनवेल्थ आयोजन के दौरान उनके लोगों ने विदेशी खिलाड़ियों के सामने सत्याग्रह किया, काले झंडे दिखाए और अराजकता की स्थिति उत्पन्न कर दी थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमें किसी भी स्थिति में डरना नहीं है, यदि हम डरे, तो ये लोग और डराएंगे। हमें देश को बचाना है, संविधान को जिंदा रखना है, तो हमें सरकार से जमकर लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को भी समझना होगा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील से किसानों को बहुत नुकसान होने वाला है। 10 साल पहले पीएम मोदी ट्रंप को अपना दोस्त बताते थे और कहते थे कि उनकी चाय पर अक्सर चर्चा होती है। लेकिन यह कभी नहीं बताया कि चर्चा क्या होती थी।

संत गाडगे महाराज के आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणा स्रोत : दिलीप मिश्रा

जागरण, सतना। रैगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कौशलपुर कोले में रजक समाज द्वारा संत गाडगे महाराज की जन्म जयंती पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष दिलीप मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश रजक समाज के अध्यक्ष रमेश रजक ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक कल्पना वर्मा उपस्थित रही कार्यक्रम का संचालन ईश्वर दीन रजक ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने कहा कि संत गाडगे महाराज ने स्वच्छता शिक्षा और समानता का जो संदेश दिया वह आज भी समाज को सही दिशा दिखा रहा है। हमें संत जी के बताए हुए रास्ते पर चलकर समाज में एकता भाईचारा और सेवा की भावना को मजबूत करना चाहिए। श्री मिश्रा ने कहा की संत गाडगे महाराज भारत के एक महान संत के साथ.साथ समाज सुधारक एवं स्वच्छता आंदोलन के अग्रदूत थे इनका जन्म 23 फरवरी 1876 को महाराष्ट्र के अमरावती जिले के सेड गांव में हुआ था विशिष्ट अतिथि के रूप में जयंती को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक कल्पना वर्मा ने कहा कि गाडगे महाराज ने अपना पूरा जीवन समाज सेवा और जागरूकता को समर्पित किया। उनके विचार हमें हर जगह प्रेरित कर रहे हैं कि हम भी जरूरतमंदों की मदद करें और भेदभाव को समाप्त करें। श्रीमती बर्मा ने कहा की संत घाटगे महाराज जहां भी जाते थे झाडू लेकर तुरंत सफाई करने लगते थे सफाई एवं शिक्षा उनका प्रमुख मिशन था कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मध्य प्रदेश रजक समाज के अध्यक्ष रमेश रजक ने समाज के लोगों को एक रास्ते पर चलकर समाज में एकता भाईचारा स्थापित करने पर बल दिया। कार्यक्रम को गुरुजी गौरी शंकर दास उत्तर प्रदेश ने भी संबोधित किया गोष्ठी में सैकड़ो सामाजिक लोगाए महिलाएँ एवं युवा बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ उपस्थित रहे।अंत में सभी ने संत गाडगे महाराज के आदर्शों और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के आयोजक छकौड़ी लाल रजक ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम में बारापत्थर के पूर्व सरपंच जितेन्द्र सिंह ईश्वर दीन रजक राम विशाल रजक सीमा बागरी सरपंच मुकेश रजक मिथिलेश रजक सीताराम रजक कालीचरण रजक कोदू लाल रजक सुनील रजक अशोक रजक सीताराम रजक आरपी रजक गौरी शंकर दास उत्तर प्रदेश राजेंद्र रजक लखन रजक मनीष बागड़ी सहित सैकड़ो सामाजिक लोग उपस्थित थे।

आंगनवाड़ी केंद्र संचालन में लापरवाही पाए जाने पर कइयों को नोटिस

सतना। महिला बाल विकास नागोद की टीम द्वारा आगनवाडी केंद्रों का सघन निरीक्षण कर केंद्र संचालन में लापरवाही पाए जाने पर लापरवाह कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। परियोजना अधिकारी इंद्रभूषण तिवारी द्वारा बताया कि ग्राम ब्योहारी आगनवाडी केंद्र में सहायिका सुनीता सिंह एवम ग्राम भूलनी आगनवाडी केन्द्र में सहायिका कविता सिंह अनुपस्थित पाई गई,कविता सिंह को घर से बुलाया गया,केंद्र पर बच्चे भी उपस्थित नही मिले । इन दोनों सहायिकाओं को नोटिस जारी किया गया है, पर्यवेक्षक के निरीक्षण में ग्राम मढा करहिया कला एवम विलोन्धा के आगनवाडी केंद्र बन्द पाए । मढा की कार्यकर्ता सरोज सिंह सहायिका रामसखी गुप्ता, करहिया कला की कार्यकर्ता सरोज वर्मा सहायिका अवन्तिका द्विवेदी ग्राम विलोन्धा की कार्यकर्ता सरोज सिंह एवम सहायिका ममता बर्मन को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पस्टीकरण तलब किया गया है मीनू अनुसार नाश्ता भोजन न होने पर ग्राम ब्योहारी के स्व सहायता समूह को भी नोटिस जारी कर अनुबन्ध समाप्त करने की चेतावनी दी गई है।

आशा कार्यकर्ताओं के साथ नगर परिषद अस्थाई कर्मचारियों का धरना प्रारम्भ

जागरण, रामनगर । स्थानीय थानेश्वर मन्दिर परिसर में मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के बैनर तले रामनगर विकास खण्ड की वर्षों से कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था के खिलाफ अनशन प्रारम्भ कर दिया है आशा कार्यकर्ता तहसील अध्यक्ष गायत्री पाठक ने बताया कि विगत जुलाई अगस्त 2025 से आज दिनांक तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवराजनगर अंतर्गत कार्यरत 247 आशा कार्यकर्ताओं के पारिश्रमिक पत्रकों का आज दिनांक तक भुगतान नहीं किया गया है ग्रामीण व नगरीय गर्भवती महिलाओं की चार जांचे प्रसव सुरक्षित टीकाकरण नवजातों को मीजल्स बूस्टर डोज पिलाने से लेकर घरों.घरों तक सर्वे व सम्पर्क करने वाली महिला शक्ति जो महीनों.महीनों से भुगतान को तरस रही है वह सरकार की महिला शसक्तीकरण की संकल्पनाओं का मुंह चिढ़ा रही है रामनगर एदेवराजनगर से सैकड़ो किलोमीटर से हफ़्तों महीनों में कई बार मीटिंग में आने वाली आशा कार्यकर्ताओ के लिए बड़ा संकट पैदा हो चुका है अगर आशा कार्यकर्ताओं की माने तो उन्हें राज्य व केंद्र सरकार द्वारा हर कार्य की एवज में प्रोत्साहन राशि दी जाती है लेकिन वह भी हजम हो जाती है उन्हें 8 हजार की जगह छह हजार ही भुगतान कर संतोष कर लिया जाता है और तो और उन्हें भुगतान का सन्देश मोबाइलों में तो भेजा जाता है लेकिन बैंक खातों तक राशि नही पहुचती वही पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा इनके लिए घोषित एक हज़ार रुपये वार्षिक वेतन व्रद्धि भी लागू नही हो सकीएकुल मिलाकर अगर आशा कार्यकर्ताओं को मिलने वाली डायरी देखी जाय तो कार्य के अनुसार महीने में इन्हें 18 से बीस हज़ार रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलनी चाहिए लेकिन मात्र छह हजार देकर इनसे लगातार पूरा काम लिया जा रहा है

खाद्यान की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

उचेहरा। जनपद के कुंदहरी कला के सैकड़ो ग्रामीणों का हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन एस डी एम को सौपते ग्रामीणों के कहा कि 5 से 6 माह का खाद्यान हम गरीबो को नही मिला जिसको जल्द दिलाने की मांग की है । खाद्यान की कालाबाजारी करने वालों पर भी सख्त कार्यवाही करने की मांग की । ग्रामीणों ने चर्चा में बताया कि हमारी जीविका का एक यही साधन है जिससे हम गरीबो का भरण पोषण होता है समय से खाद्यान न मिलने से रोजी रोटी का संकट सामने खड़ा है ।

सेवा और समर्पण का प्रतीक ह रक्तदान : मोहम्मद अशरफ

सतना । पवित्र माह रमजान के दौरान रोजा खोलने के साथ मानवता की मिसाल पेश करते हुए मोहम्मद अशरफ खोखर जी ने रक्त प्रेरक सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी के अनुरोध पर जिला अस्पताल में भर्ती जरूरतमंद को उत्साहपूर्वक ए बी. पॉजिटिव रक्त की सेवा देकर इंसानियत का सच्चा धर्म निभाया। उन्होंने कहा रक्तदान सेवा और समर्पण का प्रतीक तो है ही साथ मे यह भाईचारे और मानवता का संदेश भी है। ब्लड बैंक प्रभारी अंकिता पाण्डे ने कहा स्वस्थ व्यक्ति इफ्तार के बाद रक्त दान कर सकता है रक्तदान से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं होती बल्कि यह एक पुण्य का कार्य है। उल्लेखनीय है समिति संस्थाध्यक्ष के कुशल नेतृत्व में पिछले 34 वर्षों से निरंतरण् सर्व समाज को रक्त की सेवा प्रदान कर रही है एवं अभी तक 6980 यूनिट रक्तदान करवा चुकी है।

अमदरा स्टेशन पर इतवारी-लखनऊ ट्रेनों के स्टॉपेज हो : राजेश परौहा

सतना। अमदरा रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर जिला पंचायत सदस्य राजेश परौहा ने रीवा से इतवारी अप डाउन और लखनऊ से जबलपुर अप डाउन की ओर जाने वाली ट्रेनों के ठहराव स्टॉपेज की मांग उठाई है। श्री परोहा ने रेल मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद से मांग की है कि वर्तमान में लंबी दूरी की कई महत्वपूर्ण ट्रेनें अमदरा स्टेशन से होकर गुजरती हैंए लेकिन उनका ठहराव नहीं होने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से नागपुर इतवारी और लखनऊ जाने वाले यात्रियों को अन्य स्टेशनों तक अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है। यदि इतवारी और लखनऊ की ट्रेनों का स्टॉपेज अमदरा में सुनिश्चित किया जाता है तो आसपास के ग्रामीण अंचलों के हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे व्यापार शिक्षा और चिकित्सा संबंधी आवागमन भी सुगम होगा। साथ ही करौना काल में झुकेही में जिन ट्रेनों का ठहराव बंद हुआ था वे सभी ट्रेनों को झुकेही स्टेशन में ठहराव किया जाए श्री परौहा ने स्टेशन अमदरा में रीवा इतवारी और जबलपुर लखनऊ ट्रेन का स्टॉपेज करने तथा झुकेही में बंद हुई ट्रेनों को पुनः स्टॉपेज किए जाने मांग रेलमंत्री संसद सतना और रेल विभाग के उच्च अधिकारियों से की है।

रोटरी ने मनाया अपना स्थापना दिवस

सतना। अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब ने अपना 121 वां स्थापना दिवस सर्किट हाउस स्थित क्लब भवन में मनाया रोटरी पब्लिक इमेज चेयरमैन हरिओम गुप्ता ने बताया कि पूरे विश्व में रोटरी पीड़ित मानवता की सेवा में अपना योगदान दे रहा है रोटरी की वर्षगांठ के अवसर पर सतना क्लब द्वारा जरूरत मंद सुनैना सिलाई केंद्र नई बस्ती को सिलाई मशीन एवं काजल रजक को सायकल भेंट की। सभी का स्वागत रोटरी क्लब अध्यक्ष डॉ सुनील अग्रवाल द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन सचिव पवन गुप्ता एवं आभार कोषाध्यक्ष राजीव अग्रवाल द्वारा किया गया

इनकी रही उपस्थिति

अध्यक्ष डा सुनील अग्रवाल केवलराम करमानी दसरथ अग्रवाल लखन केशरवानी ललित खुराना सुशील शर्मा डॉ वी के गांधी शरद पाण्डेय डॉ रजनीश जैसवाल गोपाल धूत विनोद गोयल संजय सिंघई जैन चंद्रशेखर अग्रवाल कैलाश अग्रवाल अरुण अग्रवाल मनोहर डीगवानी केशव बंसल संतोष गुप्ता कमल पुरुस्वानी कुशाग्र बंसल राजीव गर्ग मनोज अरोरा अरुण अग्रवाल नितेश बड़ेरिया संजय अग्रवाल सहित काफी संख्या में रोटेरियन साथी मातृशक्ति उपस्थित थी।

आम आदमी पार्टी मध्य प्रदेश की नई कार्यकारिणी घोषित

जितेंद्र चौरसिया एवं उमेश त्रिपाठी को मिली प्रदेश उपाध्यक्ष की कमान

जागरण, सतना। आम आदमी पार्टी मध्यप्रदेश की नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर एवं सह.प्रभारी विश्वेंद्र सिंह' के द्वारा घोषित की गई है। जिसमे पूरे प्रदेश से 153 लोगो को जगह गई गई। नई कार्यकारिणी में उमेश त्रिपाठी को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जितेंद्र चौरसिया रीवा जोन को प्रदेश उपाध्यक्ष, भक्तराज सिंह रीवा जोन को प्रदेश संगठन मंत्रीएअमित सिंह को इटेंकचुअल विंग का प्रदेश उपाध्यक्षए सुश्री संगीता पांडेय को महिला विंग का प्रदेश अध्यक्ष तथा राम कृपाल आर्मो शहडोल जोन को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त रामचरण सोनी प्रमोद शर्मा विवेक सोनी सुभांशु त्रिवेदी राजबहोरन द्विवेदी प्रशांत पांडेय श्रीकांत पांडेय दीपक सिंह पटेल अभिमन्यु देव सिंह भरत शिवहरे संतोष चौबे एवं सुधीर साहू को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। आम आदमी पार्टी के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष डॉ अमित सिंह ने आम आदमी पार्टी सतना इकाई की तरफ से सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि नई टीम नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ जनता के ज्वलंत मुद्दों पर जमीनी स्तर से संघर्ष करेगी तथा आगामी पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनावों में पार्टी की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

सतना। जिले में आगामी होली, ईदुल फित्तर और श्रीराम नवमी सहित अन्य त्योहारों को शांति, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रानी बाटड की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि मैहर की पहचान सदैव सामाजिक समरसता और आपसी सद्भाव के लिए रही है। सभी नागरिक पारंपरिक रूप से त्योहारों को मिल-जुलकर मनाएं और प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंचल नागर ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश प्रसारित न करें। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, एसडीएम अमरपाटन डॉ. आरती सिंह, रामनगर एसपी मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल, थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी सहित शांति समिति के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ननि की जन सुनवाई में आये 20 आवेदन

जागरण, सतना। मंगलवार को नगर निगम में सम्पन्न हुई जन सुनवाई के दौरान कुल 20 आवेदन प्राप्त हुए । जिसमे सर्वाधिक आवेदन प्रधानमंत्री आवास को लेकर आये है । 11 बजे दिन से शुरू हुई जनसुनवाई दोपहर 1 बजे तक चली। जनसुनवाई का आयोजन महापौर योगेश कुमार ताम्रकार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । उपयुक्त सत्यम मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे । आतिक्रमन शाखा से संबंधित 01 आवेदन जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित 3 आवेदन पेयजल से संबंधित 4 आवेदन साफसफाई से संबंधित 2 आवेदन सम्पत्तिकर से संबंधित 4 आवेदन विकास कार्य से संबंधित 1 आवेदन सड़क प्रकाश व्यवस्था से संबंधित 01 आवेदन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के 06 आवेदन प्राप्त हुए। प्रस्तुत आवेदनों पर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को उनके आवंटन आवेदनों में कमियों एवं आवेदनों की अहातन स्थिति की जानकारी से अवगत कराया गया। विकास कार्यों के लिए आवेदनों का स्थल निरीक्षण कर कार्यवाही के विधिवत प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने के निर्देश प्रदान किए गए। महापौर नगर पालिक निगम सतना द्वारा शहरवासियों को अवगत कराया गया है कि यह जनसुनवाई अगले मंगलवार को पुनः आहुत की जाएगी। साथ ही साथ जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की प्रकरणवार समीक्षा भी की जा रही है। ताकि शहरवासियों की जन सुनवाई में आने का उद्देश्य सफल हो सके।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने समझा स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का दर्शन

जागरण, सतना। एकेएस यूनिवर्सिटी के बी डिज़ाइन फैशन डिज़ाइन विभाग के 20 विद्यार्थियों ने 21 फरवरी को जबलपुर स्थित चल चरखा में शैक्षणिक भ्रमण कर भारतीय हस्तकरघा परंपरा के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आयामों को निकट से समझा। यह भ्रमण केवल तकनीकी प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहा बल्कि भारतीय स्वदेशी आंदोलन और आत्मनिर्भरता की भावना से भी विद्यार्थियों को जोड़ने वाला अनुभव सिद्ध हुआ। भारतीय वस्त्र परंपरा का इतिहास अत्यंत प्राचीन रहा है। सिंधु.सरस्वती सभ्यता से लेकर मध्यकालीन भारत तक सूत कातने और वस्त्र बुनने की कला भारतीय समाज की आर्थिक और सांस्कृतिक धुरी रही है। औपनिवेशिक काल में जब भारतीय कुटीर उद्योगों को गहरा आघात पहुँचाए तब चरखा स्वावलंबन और स्वदेशी का प्रतीक बनकर उभरा। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को चरखे और करघे की सामाजिक.आर्थिक भूमिका से अवगत कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सूत तैयार करने की प्रक्रिया धागे की बुनावट ताना.बाना संयोजन तथा पारंपरिक करघे पर कपड़ा तैयार करने की संपूर्ण प्रक्रिया को देखा और समझा। कुशल कारीगरों ने न केवल प्रदर्शन कियाए बल्कि विद्यार्थियों को स्वयं करघा संचालित करने का अवसर भी दिया। इस व्यावहारिक अनुभव ने उन्हें यह समझने में सहायता की कि एक हस्तनिर्मित वस्त्र के पीछे कितनी सूक्ष्म तकनीक श्रम और धैर्य निहित होता है। इस शैक्षणिक यात्रा का मार्गदर्शन प्राध्यापिका रेखा सिंह और एसा यादव ने किया।

अपना दल एस का दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम संपन्न

जागरण, सतना। अपना दल एस मध्य प्रदेश द्वारा 22 एवं 23 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय सदस्यता अभियान सह जिला कार्यकर्ता बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मध्य प्रदेश प्रभारी आरण् बीण् सिंह पटेल दो दिवसीय प्रदेश दौरे पर रहे। कार्यक्रम में राजनीतिक रणनीतिकार डॉ अतुल मलिकराम भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। रविवार को जिला बैतूल के डाक बंगला में जिला कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गईए जिसमें संगठन की मजबूती और बूथ स्तर तक विस्तार पर जोर दिया गया। इसके बाद ग्राम परमंडल मुलताई में सदस्यता अभियान कार्यक्रम संपन्न हुआ जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। ग्राम परमंडल में राष्ट्रीय महासचिव आर बी सिंह पटेल ने कहा मध्य प्रदेश में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण कोई भीख नहीं बल्कि संवैधानिक अधिकार है। जो 13 प्रतिशत पर होल्ड लगाया गया हैए उसे जल्द से जल्द हटाया जाना चाहिए। साथ ही जिस प्रकार आदिवासी अंचलों की जमीनें हथिया कर उद्योगपतियों को दी जा रही हैं उस पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने सिंचाई एवं पीने के पानी की समस्या को प्रमुखता से उठाया ।

वन संरक्षक के नाम सौंपा ज्ञापन

सतना। 24 फरवरी को मुख्य वन संरक्षक के नाम का पांच सूत्रीय ज्ञापन वन मंडल अधिकारी सतना मैहर को सौपा गया,सतना में ज्ञापन,मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच जिला अध्यक्ष,सतना मईहर नरेन्द्र पयासी के नेतृत्व मेएदिया गया । मैहर मे मंच के सक्रिय सदस्य बैजनाथ वर्मा के नेतृत्व मे मैहर डि ऐ फो को सौपा गया जिसमें निम्न कर्मचारी सम्लित मुकेश,पाडे,दिलीप निगम सुसीला सिंह परस्ते अनीता बर्मा रवि संकर यादव,भाई जी सुक्ला अनुराधा बिस कर्मा ब्रजलाल बर्मा ब्रजलाल यादव अजय रैकवार पुष्पेंद्र सिंह सिवचरंण साहू सन्तोष तिवारी राम पाल सिंह अरबेन्द सिंह राम नरेश रावत घनस्याम कचेर,बिनय पांडे रामयण सिंह सुदामा पाठक यादवेंद्र दुबेदी स्याम ईन्दल सिंह भारत सिंह नागर,सैलेन्द सिंह रमा संकर त्रिपाठी विरेन्द्र पाडे दया राम बर्मा ब्रजमोहन रावत आदि बनमंडल सतना मैहर के कर्मचारी सम्मिलित रहे।

विशाल भंडारे के साथ शिवमहापुराण श्री संतेश्वर भगवान का वार्षिकोत्सव एवं हवनात्मक यज्ञ का हुआ समापन

सतना। संतकुंज आश्रम शुक्ला बरदाडीह सतना मे श्री संतेश्वर महादेव के 11वे वार्षिकोत्सव एवं हवनात्मक यज्ञ के पावन अवसर पर श्रीमद् शिवामहापुराण की कथा का समापन विशाल भंडारे के साथ हुआ। आश्रम के महंत पूज्य स्वामी साकेत बिहारी शरण महाराज के सानिध्य में आयोजित इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। नौ दिवसीय इस आयोजन मे बाबा कल्याण दास आश्रम अमरकंटक से पधारे श्री योगेश्वरानंद महाराज के श्री मुख से भक्तों ने श्रीमद् शिव महापुराण कथा का रसापन किया । कथा के दौरान परम पूज्य अनंत विभूषित स्वामी संत शरण जु महाराज का का आशीर्वाद एवं कृपा सभी शिष्य परिकरों को प्राप्त हुई एवं आसपास व दूरदराज से साधु संतों का आगमन हुआ।

आज भंडारे के साथ विश्राम इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य नागरिक सतना महापौर योगेश ताम्रकार भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती प्रसाद पांडे ऋषभ सिंह छोटू कामता प्रसाद पांडे पूर्व महापौर राजाराम त्रिपाठी राजेश दुबे दयालु पयासी इंद्रभान सिंह भइयन दादा सुरेश मिश्रा आशीष सिंह राठौड़ राजकुमार गौतम मनोज सिंह विद्या मिश्रा नारायण चतुर्वेदी बद्री विशाल सिंह राज ललन त्रिपाठी राधेश्याम शास्त्री नीरज गौतम राजेश पयासी रामजी पांडे महेंद्र मिश्रा शिवम सिंह व आश्रम से जुड़े हुए श्रद्धालु भक्त सम्मिलित हुए।

शांति एवं सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

जागरण, रामनगर । थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी द्वारा आगामी त्योहारों के मद्दे नजर नगर व ग्रामो में शांति व सुरक्षा बहाली हेतु आम बैठक का आयोजन किया गया जिंसमे नगर के जन प्रतिनिधि, गणमान्य जनो, पत्रकारों सहित आम लोगो की भी उपस्थिति देखी गई बैठक में नगर बासियो द्वारा मादक पदार्थो के अवैध उपयोग भंडारण व विपडन पर लगाम लगाने शराब पीकर या मादक पदार्थो का सेवन करएओवर स्पीड में वाहन चलाने पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की गई त्योहार शादी ब्याह व छात्र छात्राओं की बोर्ड परीक्षाओं के मौसम समय में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का सुरक्षित प्रयोग कर समस्याओं से बचने की सलाह थाना प्रभारी द्वारा दी गई नाबालिक बच्चो को दो पहिया चार पहिया वाहन के परिचालन पर होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के बारे में भी बताया गया सद्भाव शांति प्रेम व उत्साह के साथ मर्यादापूर्वक त्योहारों को मनाते हुए आनंद को बढ़ा सकते है वही रासायनिक रंगों से दूरी रखकर स्वयं के स्वास्थ्य को भी बचा सकते है।

ठाकुरजी के आशीर्वाद से पूरी हो जाती हैं आवश्यकताएं: दीपेश

जागरण, सीधी । वृज भूमि के वृजवासी भगवान श्रीकृष्ण को बाल रूप लाला मानकर भक्ति भाव के साथ करते हैं। भाव रहित भक्ति ठाकुर जी स्वीकार नहीं करते। उक्त बातें रासलीलाओं में बचपन से ठाकुर जी का अभिनय करने बाले 24 वर्षीय युवा कलाकार दीपेश शर्मा ने जागरण से चर्चा करते बताया कि मेरे बाबा अखेराम पाठक रासलीलाओं में श्रृंगार करते थे। मैं बचपन में बड़ा ऊधमी था इस कारण बाबा जी मुझे अपने साथ लीला दिखाने ले जाया करते थे। जब मैं 7 वर्ष का था तभी हमें ठाकुर जी का अभिनय करने का अवसर मिला। तब से नितंर 17 वर्षों से बृज की रासलीलाओं में ठाकुर जी का अभिनय कर रहा हूं। उन्होंने बताया कि श्रीराधा रानी की कृपा से वृंदावन की प्रत्येक लीला मंडलों में मैं ठाकुर जी का अभिनय कर चुका हूं। ठाकुर जी का अभिनय इतना आसान नहीं होता। ठाकुर जी का अभिनय करने वाले भगवान को बहुत सादगी व भक्ति भाव से जीवन जीना पड़ता है। गीतएनृत्य और संवाद की संपूर्ण जानकारी रखनी होती है। ठाकुर जी का अभिनय करने के बाद कोई अन्य पात्र का अभिनय करने से परहेज़ करना पड़ता है। श्रीराधा रानी और श्रीकृष्ण जी के आर्शीवाद से ही ठाकुर जी का अभिनय करना संभव हो पाता है। उन्होंने ने बताया कि मेरा सारा जीवन ठाकुर जी को समर्पित है उनके आशीर्वाद से मुझे किसी संसारिक वस्तु की कमी नहीं होती। मेरी प्रत्येक आवश्यकताओं की पूर्ती ठाकुर जी के आशीर्वाद से पूरी हो जाती है। वृन्दावन के युवाओं का रासलीला से लगाव परामपरागत तरीके से आगे बढ़ता चला आ रहा है। रासलीला के कलाकार रासलीला को श्रीराधाकृष्ण की आराधना मानते हैं उनके प्रति भक्ति भाव और धर्म का प्रचार का एक सशक्त माध्यम बताते हैं। इनका कहना कि हमारे ठाकुर जी और स्वामिनी जी आज भी वृन्दावन में रासलीला करते हैं और रासलीला करने वाले कलाकारों को अपना स्नेह प्रदान करते हैं। श्रीरामकृष्ण लीला प्रचार मंडल श्रीधाम वृंदावन के कलाकार बहुत सादगी से रहते हैं और खान पान धर्म अनुसार करते हैं और आचरण विचारों में शुद्धता रखते हुये ठाकुर जी की भक्ति में लीन रहते हैं।

वर्ष 73 अंक 148 पृष्ठ 12+8= 20
रीवा, बुधवार 25 फरवरी, 2026
फाल्गुन शुक्ल पक्ष 08, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

जिस इंसान के पास आशा होती है वह कभी पराजित नहीं होता है।
-अज्ञात

ऑफ बीट

'कांतारा' विवाद पर रणवीर को फटकार

बेंगलूरु, जेएनएन। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को एक्टर रणवीर सिंह को 'कांतारा' विवाद मामले में फटकार लगाते हुए कहा कि आपको अपने बयानों में जिम्मेदार होना चाहिए। सिर्फ सेलिब्रिटी होने के कारण उन्हें किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने एक्टर से कहा कि सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाते समय उन्हें अपने शब्दों और व्यवहार में सावधानी बरतनी चाहिए। ढीली-ढाली भाषा बिल्कुल नहीं चल सकती। आप रणवीर सिंह हों या कोई। वहीं, कोर्ट ने रणवीर को अंतरिम राहत भी दी और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई न की जाए। मामले की अगली सुनवाई सोमवार, 2 मार्च को होगी।

टी-20 वर्ल्ड में आज

सुपर-8 के मुकाबले

श्रीलंका बनाम न्यूजीलैंड

समयः शाम 7.00 बजे से

प्रसारणः जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

ट्रंप के इमरजेंसी टैरिफ की आज से वसूली बंद

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी सरकार मंगलवार से राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से लगाए गए इमरजेंसी टैरिफ की वसूली बंद कर देगी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को टैरिफ समझौते से पीछे हटने वाले देशों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, ट्रेड डील के नाम पर यदि किसी देश ने अमेरिका के साथ 'गेम' खेलने की कोशिश की उसके नतीजे बुरे होंगे साथ ही और ऊंचे टैरिफ लगाए जाएंगे। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 3 दिन पहले इन टैरिफ को गैरकानूनी बताया गया था। अमेरिकी यूएस सीपीबी ने बयान में कहा-1977 के कानून आईईईपीए के तहत लगाए गए टैरिफ की वसूली मंगलवार रात 12 बजकर 1 मिनट से बंद कर दी जाएगी।

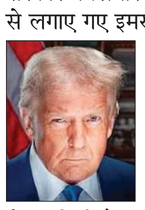

तौकीर रजा की जमानत पर 10 को सुनवाई

प्रयागराज, जेएनएन। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मंगलवार को बरेली हिंसा मामले के आरोपी मौलाना तौकीर रजा की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान उप्र सरकार की तरफ से अपना पक्षा रखा गया। सरकार का पक्ष आने के बाद मौलाना तौकीर रजा के वकीलों ने उसके अवलोकन की बात कही। सुनवाई के बाद 10 मार्च की तारीख लग गइै। अब जमानत अर्जी पर 10 मार्च को सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति अशुतोष श्रीवास्तव तौकीर रजा की जमानत याचिका सुनवाई करेंगे। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने बरेली दंगे से जुड़ी अन्य जमानत याचिकाओं को तौकीर रजा खान की जमानत याचिका के साथ रिकॉर्ड में जोड़ने का आदेश दिया था।

कैबिनेटः उत्तर से दक्षिण की दूरी होगी कम, 5236 करोड़ खर्च होंगे

जबलपुर-गोंदिया के बीच 231 किमी नई रेल लाइन को मंजूरी

नई दिल्ली/भोपाल, जेएनएन। केंद्र सरकार द्वारा मध्य प्रदेश को बड़ी सौगात दी गई है। इसका फायदा मध्य प्रदेश के साथ अन्य राज्यों और पूरे देश को मिलेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि देश में तीन बेहद खास रेल प्रोजेक्ट शुरू हो रहे हैं, जिसमें जबलपुर-गोंदिया रेल रूट डबलिंग भी शामिल है। इस 231 किलोमीटर के रेल रूट की डबलिंग से मध्य प्रदेश ही नहीं पूरे देश को फायदा मिलेगा। वर्तमान में नॉर्थ कॉरीडोर को साउथ कॉरीडोर से जोड़ने में जबलपुर की अहम भूमिका है, जिसके बाद रेल रूट इटारसी, नागपुर होते हुए आगे दक्षिण भारत की ओर बढ़ता है, लेकिन अगर हम जबलपुर-गोंदिया रेल रूट को देखें तो इससे ये दूरी बहुत कम हो जाएगी, साथ ही इस रूट से कई क्षेत्रों को बड़ा फायदा होगा। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा, कैबिनेट ने मप्र, महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड के आठ जिलों के लिए तीन मल्टी ट्रैकिंग प्रोजेक्ट अप्रूव किए हैं।

देश में तीन डबलिंग प्रोजेक्ट में जबलपुर-गोंदिया रूटः रेल मंत्री ने बताया कि जबलपुर गोंदिया ट्रैक फिलहाल सिंगल रूट है, जिसकी डबलिंग होने से इसका फायदा पूरे देश को मिलेगा, क्योंकि यह गोंदिया, इटारसी में मुंबई-हावड़ा के हाई डेंसिटी नेटवर्क से जुड़ेगा, साथ ही जबलपुर में वाराणसी हाई डेंसिटी नेटवर्क से जुड़ेगा।

गोंदिया-जबलपुर डबलिंग में ये अहम निर्माण होंगे

- ब्रिजः नर्मदा नदी पर बड़ा ब्रिज
- 65 मेजर ब्रिज, 639 माइनर ब्रिज
- लेवल क्रॉसिंग 28 आरयूबी 88 रूट लेंथ 231 किमी ट्रैक लेंथ 258 किमी

पांच साल में पूरा होगा प्रोजेक्टः रेल मंत्री ने बताया कि जबलपुर-गोंजिया डबलिंग में कुल 5236 करोड़ रुपए का खर्च होगा, इससे उत्तर से दक्षिण की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी और दूरी भी कम होगी। उप्र के वाराणशी से एमपी, महाराष्ट्र, तलंगाना और कनार्टक तक की दूरी भी कम होगी। 5 साल की सीमा रखी गई है।

केरल का नाम होगा केरलम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए ऑफिस 'सेवा तीर्थ' में मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट की पहली बैठक हुई। इसमें कुल 12,236 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने मप्र, बिहार और झारखंड में तीन रेल प्रोजेक्ट समेत कुल 8 फैसले लिए हैं। बैठक में पावर सेक्टर में सुधारों पर पॉलिसी से जुड़े फैसले हुए और केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। केरल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। कैबिनेट ने तीन नए रेल प्रोजेक्ट के तहत गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के डबलिंग, गम्हरिया-चांडिल और पुनारख-किऊल के बीच तीसरी-चौथी रेल लाइन को मंजूरी दी है। साथ ही श्रीनगर में एक नया एयरपोर्ट टर्मिनल बनेगा और अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2बी का एक्सटेंशन होगा। इसके पहले पहले 2 राज्यों का नाम बदला गया था। पहला उत्तरांचल बना उत्तराखंड बना। 2007 में केंद्र ने उत्तरांचल का नाम उत्तराखंड करने के लिए एक बिल संसद में पारित किया। इस पर तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के हस्ताक्षर होते ही राज्य का नाम बदल गया। दूसरा उड़ीसा बना ओडिशा बना। 2010 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने उड़ीसा को ओडिशा नाम में बदले जाने के बिल को मंजूरी दी थी।

भोपाल से धनबाद, चोपन के लिए सीधी ट्रेन, सीएम ने दिखाई झंडी

सिंगरौली तक यात्रियों का सफर होगा आसान

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल से धनबाद और उत्तर प्रदेश के चोपन के लिए अब सीधी ट्रेन सेवा शुरू हो गई है। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन से इन दोनों ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वर्चुअली जुड़े और उन्होंने मप्र के लिए नए रेल प्रोजेक्ट का ऐलान किया। कार्यक्रम में भोपाल सांसद आलोक शर्मा भी उपस्थित रहे। इस मौके पर सीएम डॉ. यादव ने कहा कि सिंगरौली-सीधी क्षेत्र लंबे समय तक रेल संपर्क के मामले में पिछड़ा रहा, जबकि यह ऊर्जा संसाधनों से समृद्ध इलाका है। अब नई ट्रेन सेवा से यहां के लोगों को नियमित आवागमन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन दो नई ट्रेनों से मध्यप्रदेश, झारखंड और पूर्वी भारत के बीच सीधा संपर्क मजबूत होगा, जिससे व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस बजट में मध्य प्रदेश से जुड़े लगभग 48 हजार करोड़ रुपए के रेल प्रोजेक्ट स्वीकृत हुए हैं। राज्य में करीब 15 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं प्रगति पर हैं। उन्होंने इंदौर-मनमाड़ रेल परियोजना, इटारसी-नागपुर चौथी लाइन, इटारसी-भोपाल-बीना रेलखंड विस्तार और रतलाम-नागदा तीसरी-चौथी लाइन जैसे कार्यों का उल्लेख किया। साथ ही डांकुनी से सूरत तक प्रस्तावित समर्पित मालवाहक कॉरिडोर को मध्यप्रदेश की औद्योगिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण बताया।

ट्रेनों की समय सारिणी

भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस (11631/11632): सप्ताह में तीन दिन भोपाल से रात 8:55 बजे रवाना होगी और अगले दिन धनबाद पहुंचेगी।

भोपाल-चोपन एक्सप्रेस (11633/11634) : सप्ताह में एक दिन भोपाल से रात 8:55 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह चोपन पहुंचेगी।

सांसद बोले, यात्रियों को नया विकल्प मिला

सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि दो नई ट्रेनों के सप्ताह में अलग-अलग दिनों में संचालन से यात्रियों को लगभग प्रतिदिन यात्रा का विकल्प मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस बार मप्र को पहले की तुलना में कई गुना अधिक रेल बजट मिला है। इससे प्रदेश में रेल ढांचा मजबूत होगा।

बैतूल जिला अस्पताल में प्रसूता के पेट को घूंसे से दबाया, नवजात की मौत

तड़पती रही महिला, उपचार करने के बजाय बोला स्टाफ- तुमने कोई पाप किया

जागरण, बैतूल। प्रदेश के बैतूल जिला अस्पताल के प्रसूता वार्ड में नवजात की मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि नर्स ने प्रसूता के पेट पर घूंसे मारे। अस्पताल के मेडिकल स्टाफ ने महिला के पेट पर दबाव डाला, जिससे नवजात की जान गई। अभद्र टिप्पणी की। प्रसूता से कहा कि तुमने कोई पाप किया है।

जानकारी के मुताबिक, घटना 20 फरवरी की रात की है। शाकादेही निवासी परिवार का कहना है कि प्रसूता को तेज दर्द होने के बावजूद ड्यूटी पर मौजूद नर्स और स्टाफ ने समय पर ध्यान नहीं दिया। नर्स और स्टाफ रात में ढाई बजे सो रहे थे, उन्हें उठाया गया तो चिढ़कर बदसलूकी की। बैतूल डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल के सिविल सर्जन जगदीश घोरे ने बताया कि पीडित परिवार ने उन्हें जो शिकायत दी थी, उसमें पेट पर मारने जैसी कोई बात नहीं की गई थी। लापरवाही के संदर्भ में उन्होंने जरूर शिकायत की है, जिसकी जांच के लिए कमेटी बनाई गई है। साथ ही ड्यूटी पर मौजूद नर्स और क्लास-4 स्टाफ को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया है। सिविल सर्जन ने भरोसा दिलाया कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी सदमे में, मानसिक स्थिति बिगड़ी

नवजात के पिता योगेश यादव के अनुसार, 20 फरवरी को मेरी पत्नी को प्रसव पीड़ा हुआ। इसके बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मेरी पत्नी के पेट में बहुत अधिक दर्द हो रहा था। स्टाफ नर्स ने लापरवाही की। डॉक्टर की आवश्यकता होने के बावजूद समय पर कोई ध्यान नहीं दिया। रात ढाई बजे के आसपास प्रसव के दौरान पत्नी से स्टाफ ने दुर्व्यवहार किया। पेट पर दबाव डालने से मेरे नवजात की मौत हो गई। घटना के बाद पत्नी की तबीयत, मानसिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। जिला अस्पताल में लापरवाही और अव्यवस्था से निजी अस्पताल में भर्ती कराना चाहते थे, लेकिन अस्पताल प्रबंधन के कहने पर फिलहाल इलाज अस्पताल में ही चल रहा है।

जिला पंचायत सीईओ ने दिए जांच के निर्देश

पीड़ित परिवार ने कलेक्ट्रेट में शिकायत दर्ज कराई। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मौके पर मौजूद जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन ने तुरंत सिविल सर्जन को जांच करने का निर्देश दिया। फिलहाल पुलिस में कोई शिकायत नहीं की गई है।

छतरपुरः भाजयुमो अध्यक्ष ने पकड़ी पुलिसकर्मी की कॉलर

जिलाध्यक्ष की सफाई- अनजाने में हुई घटना, हम वर्दी का सम्मान करते हैं

जागरण, छतरपुर। भाजपा युवा मोर्चा के एक प्रदर्शन के दौरान छतरपुर में जिलाध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी ने एक पुलिसकर्मी की कॉलर पकड़ ली। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। यह घटना 21 फरवरी को राहुल गांधी का पुतला दहन करते समय हुई। जानकारी के अनुसार युवा मोर्चा के कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष चतुर्वेदी के नेतृत्व में छत्रसाल चौराहे पर पुतला दहन करने पहुंचे थे। पुलिस ने पुतला छीनने का प्रयास किया, जिससे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प की स्थिति बन गई। वायरल वीडियो में चतुर्वेदी एक पुलिसकर्मी की कॉलर पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात था। शहर के कई थानों के टीआई, ट्रैफिक प्रभारी और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। धक्का-मुक्की में ट्रैफिक टीआई सहित कुछ प्रदर्शनकारी भी प्रभावित हुए। वीडियो सामने आने के बाद लोग सवाल उठा रहे हैं कि वर्दी पर हाथ डालने के मामले में अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। वहीं युवा मोर्चा अध्यक्ष चतुर्वेदी ने मामले में सफाई देते हुए कहा, वे और उनके कार्यकर्ता पुलिस व प्रशासन का सम्मान करते हैं। उनका कहना है कि उस समय भीड़ बहुत ज्यादा थी। पुलिस पुतला छीनने की कोशिश कर रही थी और वे उसे बचाने का प्रयास कर रहे थे।

पिता के शव को बाथरूम में काटा, ड्रम में छिपाया

लखनऊ, जेएनएन। लखनऊ में पैथोलॉजी लैब के मालिक मानवेंद्र सिंह की उनके 21 साल के इकलौते बेटे अक्षत प्रताप सिंह ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को बाथरूम में आरी से काट डाला। फिर टुकड़े एक नीले ड्रम में भर दिए। सिर काटकर कार में रखा और घर से 21 किमी दूर फेंक आया। अन्य हिस्से को तारपिन से जलाने की फिराक में था, लेकिन मौका नहीं मिला। कमरे से बदबू खत्म करने के लिए लगातार स्प्रे छिड़क रहा था। अक्षत ने अपनी बहन के सामने घटना को अंजाम दिया। उसे धमकी दी कि किसी को बताया तो उसे भी मार डालेगा। पिता का सिर फेंकने के बाद आरोपी घर लौटा और कार की सफाई की। तीन दिन बाद सोमवार को वह थाने पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जब पूछताछ शुरू की तो बेटा घबराया नजर आया। शक होने पर सख्ती से पूछताछ की गई, तब उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस उसे लेकर मौके पर पहुंची और शव के टुकड़े बरामद किए, लेकिन सिर नहीं मिला।

एआई समिट हंगामाः उदयभानु 4 दिन हिरासत में

पुलिस बोली-यूथ कांग्रेस अध्यक्ष ही मास्टरमाइंड

नई दिल्ली, जेएनएन। एआई इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवायसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें आज सुबह तिलक मार्ग थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी और आरोप लगाया कि चिब ही घटना के मास्टरमाइंड हैं। प्रदर्शनकारी उनके निर्देश पर भारत मंडपम में आयोजित समिट में घुसे थे। चिब ने ही उनको लॉजिस्टिक हेल्प की थी। इधर एआई समिट मामले की जांच दिल्ली पुलिस की इंटर-स्टेट क्राइम ब्रांच टीम को सौंपी गई। चिब की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने लिखा कि चिब की गिरफ्तारी असंवैधानिक और तानाशाह नरेंद्र मोदी की सनक का नतीजा है। राहुल ने लिखा कि कांग्रेस के 'बब्बर शेर' साथियों पर गर्व, जिन्होंने कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम के खिलाफ निडर होकर देश के हित में आवाज उठाई।

ओडिशा-झारखंड के जज करेंगे एसआईआर में मदद

सुप्रीम कोर्ट बोला-इनका खर्च चुनाव आयोग उठाए

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को प.बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में सामने आए 80 लाख क्लेम निपटाने के लिए 2 राज्यों से सिविल जजों को तैनात करने की परमिशन दे दी है। कोर्ट ने आदेश दिया कि कलकत्ता हाईकोर्ट प. बंगाल में वोटर लिस्ट एसआईआर प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए झारखंड-ओडिशा के सिविल जजों की मदद ले सकता है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने चुनाव आयोग से कहा कि वह 28 फरवरी को बंगाल की फाइनल एसआईआर लिस्ट पब्लिश कर सकता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वेरिफिकेशन प्रोसेस आगे बढ़ता है तो पोल पैनल सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी कर सकता है। इससे पहले 20 फरवरी को, प. बंगाल सरकार और ईसी के बीच चल रही खींचतान से निराश कोर्ट ने एसआईआर प्रोसेस में पोल पैनल की मदद के लिए मौजूदा और पूर्व जिला जजों को तैनात करने का निर्देश जारी किया था।

प. बंगालः क्लेम से निपटने में 80 दिन लग सकते हैं

कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट को लिखे लेटर में बताया था कि 80 लाख लोगों के क्लेम से निपटने के लिए 250 डिस्ट्रिक्ट जजों को 80 दिन लग सकते हैं। इस पर एक्शन लेते हुए सीजेआई ने सिविल जजों की मदद लेने की परमिशन दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से कहा कि वे झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से वहां के ज्यूडिशियल ऑफिसर भेजने की मांग रख सकते हैं। बेंच ने कहा कि इन ऑफिसरों का खर्च चुनाव आयोग उठाएगा। राज्य में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान लिस्ट में से हटाए गए 80 लाख दावों में माता-पिता के नाम, वोटर और उसके माता-पिता के बीच उम्र का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से ज्यादा होना शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल किया

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पूरी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए आदेश जारी किया कि बंगाल में सप्लीमेंट्री इलेक्टोरल रोल में वोटरों को फाइनल लिस्ट में शामिल माना जाएगा। यह शक्तियां कोर्ट को संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली हैं। यह अनुच्छेद सुप्रीम कोर्ट को विशेष शक्ति देता है कि वह पूर्ण न्याय के लिए जरूरी आदेश या डिक्री जारी कर सके। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट किसी भी मामले में ऐसा आदेश दे सकता है जो पूर्ण न्याय के लिए जरूरी हो। वह आदेश पूरे भारत में लागू होगा। हालांकि, यह शक्तियां असीमित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट संविधान और मौलिक अधिकारों के खिलाफ आदेश नहीं दे सकता। संसद के बनाए कानूनों का उल्लंघन नहीं कर सकता।

हेल्थ

सर्वाइकल कैंसर से बचावः इसी महीने शुरू होगी एचपीवी वैक्सीनेशन ड्राइव शुरू

14 साल की लड़कियों को लगेगा सिंगल-डोज

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के इम्यूनाइजेशन पर एक्सपर्ट्स के स्ट्रेटजिक एडवाइजरी ग्रुप की सिफारिशों के अनुसार, सिंगल-डोज रेजीमेन के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, भारत इस महीने के आखिर में 14 साल की लड़कियों के लिए एक खास एचपीवी वैक्सीनेशन कैंपेन शुरू करेगा।

कैंपेन के पहले 90 दिनों के दौरान, जन्म की तारीख के अनुसार 14 साल की लड़कियां सरकारी हेल्थ सेंटर्स पर वैक्सीन लगवा सकेंगी। 14 साल की लड़कियां-2इन पोर्टल का इस्तेमाल करके अपने सबसे पास के हेल्थ और वेलनेस सेंटर पर वैक्सीनेशन स्लॉट बुक कर सकेंगी। यह प्रोसेस वैसा ही है, जैसा पैंडेमिक के दौरान कोविन का इस्तेमाल करके वैक्सीनेशन के लिए इस्तेमाल किया गया था। हर साल, 14 साल की होने वाली 1.15 करोड़ लड़कियां एचपीवी वैक्सीन के लिए एलिजिबल होंगी। अधिकारियों ने कहा, 14 साल की उम्र में वैक्सीन लगवाने का फैसला इसलिए लिया गया, क्योंकि सबूत बताते हैं कि इसी उम्र में इम्यूनाइजेशन से सबसे मजबूत और सबसे लंबे समय तक प्रोटेक्शन मिलता है।

एक डोज वाला सिस्टम क्यों?: सरकार ने एमएसडी के गार्डासिल का इस्तेमाल करके एक-डोज वाला इलाज शुरू करने का फैसला किया है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) अभी भी देश में बने एसआईआई सर्वावैक का इस्तेमाल करके एक-डोज वाले इलाज पर स्टडी कर रहा है। एक्सपर्ट्स ने पहले दूसरी डोज देर से देने का सुझाव दिया था, जो पहले शॉट के तीन या पांच साल बाद दी जानी थी, ताकि कंपनी को सबूत बनाने का समय मिल सके। सोर्स ने कहा, अगर डेटा में एक-डोज वाला इलाज असरदार पाया जाता है, तो दूसरी डोज छोड़ी जा सकती है। डब्ल्यूएचओ के स्ट्रेटेजिक एडवाइजरी ग्रुप ऑफ एक्सपर्ट्स ने दो डोज के बीच इस बढ़े हुए गैप की सलाह दी थी, ताकि जब कोई देश एचपीवी वैक्सीनेशन कैंपेन शुरू कर रहा हो, तो डोज की कमी को पूरा किया जा सके। यह सलाह यूके और क्यूबेक, कनाडा के नतीजों पर आधारित थी।

कौन सी वैक्सीन इस्तेमाल की जाएगी?

जल्द ही शुरू होने वाले वैक्सीनेशन कैंपेन के लिए एमएसडी की जानी-मानी वैक्सीन गार्डासिल का कम से कम पहले दो सालों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, अधिकारियों ने कहा, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की बनाई देसी वैक्सीन को अभी डब्ल्यूएचओ से मंजूरी नहीं मिली है। सर्ववैक का इस्तेमाल करके सिंगल-डोज रेजिमेन का असर अभी तक पता नहीं चला है। इस वैक्सीन के इस्तेमाल पर बाद में फैसला लिया जा सकता है। फिलहाल, डोज जीएवीआई वैक्सीन अलायंस से आएंगी। यह ऑर्गनाइजेशन भारत को 2.6 करोड़ डोज देगा, जिसमें से 1 करोड़ डोज पहले ही भारत पहुंच चुकी हैं। बाकी डोज इस साल और अगले साल देश में आ जाएंगी।

सर्वाइकल कैंसर को रोकने में कैसे मदद कर सकती है यह वैक्सीन?

एचपीवी इन्फेक्शन से लगभग 85 फीसदी सर्वाइकल कैंसर होते हैं। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में दूसरा सबसे आम तरह का कैंसर है, जिससे हर साल लगभग 1.25 लाख महिलाएं प्रभावित होती हैं और 75,000 लोगों की मौत हो जाती है। सर्वाइकल कैंसर पैदा करने वाले चार सबसे आम स्ट्रेन का इस्तेमाल करके एचपीवी वैक्सीनेशन से ज्यादातर इन्फेक्शन और इस तरह कैंसर को रोकने में मदद मिली है। 2020-2021 में स्वीडन व इंग्लैंड की स्टडीज से यह भी पता चला है कि टीनएज में वैक्सीनेशन से 30 साल की उम्र में सर्वाइकल कैंसर का खतरा 85 परसेंट से ज्यादा कम हो सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024 के बजट भाषण में कहा था कि सरकार एचपीवी वैक्सीनेशन को बढ़ावा देगी।

अब ज्यूडीशियरी में करप्शन चैप्टर पढ़ेंगे आठवीं के बच्चे

एनसीईआरटी ने सोशल साइंस में जोड़ा नया सेक्शन

नई दिल्ली, जेएनएन। एनसीईआरटी ने 8वीं क्लास की नई सोशल साइंस टेक्स्टबुक में ज्यूडिशियरी में करप्शन पर एक सेक्शन शुरू किया है। यह पहली बार है, जब 8वीं के बच्चे ज्यूडीशियरी में करप्शन क्या होता है इसके बारे में पढ़ेंगे। इस चैप्टर में सुप्रीम कोर्ट के 81 हजार, हाईकोर्ट्स के 62 लाख 40 हजार, डिस्ट्रिक्ट और सबऑर्डिनेट कोर्ट के 4 करोड़ 70 लाख पेंडिंग केस की संख्या भी बताई गई है। यह पिछले एडिशन के मुकाबले एक बड़ा बदलाव है। पिछले चैप्टर में ज्यादा दातर कोर्ट के स्ट्रक्चर और रोल पर फोकस किया गया था। बदले हुए चैप्टर का नाम 'हमारे समाज में ज्यूडिशियरी की भूमिका' है। इसमें कोर्ट की हायरार्की, न्याय तक पहुंच को समझाने से ज्यादा ज्यूडिशियल सिस्टम के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे करप्शन और केस बैकलॉग को बताया गया है। किताब के इसके जरिए 2017 और 2021 के बीच 1,600 ज्यादा शिकायतें मिली थीं। किताब में गंभीर मामलों में जजों को हटाने के संवैधानिक नियम के बारे में भी बताया गया है कि पार्लियामेंट इंपीचमेंट मोशन पास करके जज को हटा सकती है। बच्चे पढ़ेंगे कि ऐसे मोशन पर सही जांच के बाद ही विचार किया जाता है।

नए सेक्शन में बिंदु

करप्शन वाले सेक्शन में बताया गया है कि जज एक कोड ऑफ कंडक्ट से बंधे होते हैं, जो न सिर्फ कोर्ट में बल्कि कोर्ट के बाहर भी उनके व्यवहार को कंट्रोल करता है। ज्यूडिशियरी के अंदरूनी अकाउंटेबिलिटी सिस्टम को भी समझाया गया है। सेंट्रलाइज्ड पब्लिक ग्रीवांस रिड्रेस एंड मॉनिटरिंग सिस्टम (सीपीजीआरएमएस) के जरिए शिकायतें लेने के तय तरीके भी बताए गए हैं।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

ठोस कचरे का निस्तारण एक गंभीर चुनौती

सुप्रीम कोर्ट की इस गंभीर चिंता से सहमत हुआ जा सकता है कि ठोस कचरे का निस्तारण एक पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं है बल्कि यह जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिये भी गंभीर चुनौती है। निस्संदेह, जब हम विकसित भारत के व्यापक लक्ष्य हासिल करने की बात करते हैं तो नागरिक जीवन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन भी एक अनिवार्य शर्त है।

देश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एक बड़ी नागरिक चुनौती बनी हुई है। देश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र, कचरे के पहाड़ों से दबे लैंडफिल, अनुचित अपशिष्ट के अलग-अलग न होने तथा कचरे के प्रभावी निपटान की चुनौती से जूझ रहे हैं। ठोस कचरा निस्तारण से जुड़े नये नियम लागू होने से कुछ सप्ताह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने देश में दशकों पुराने ठोस अपशिष्ट उपचार नियमों के अनुपालन में कोताही को लेकर चिंता व्यक्त की है। अदालत का मानना है कि बढ़ते कचरे का बोझ नागरिक जीवन की सुगमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अमृत यानी अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज जैसी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर किया है। यही वजह है कि न्यायालय ने समस्या की गंभीरता को महसूस करते हुए नियमों को सख्ती से लागू करने तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की बात कही है। सही मायनों में यह समय की भी जरूरत है।

स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण के अधिकार को जीवन के अधिकार का 'अविभाज्य अंग' बताते हुए कहा है कि ठोस अपशिष्ट की उपेक्षा से अर्थव्यवस्था के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी उतना ही विपरीत प्रभाव पड़ेगा और प्रौद्योगिकी संबंधी गतिविधियों में जब दुनिया भारत की ओर देख रही है, तो भारत को 2026 के नियमों का पूरी तरह से अनुपालन करना होगा। भारत भर में अपशिष्ट प्रबंधन को नियंत्रित करने वाले एमएसडब्ल्यू/एसडब्ल्यूएम नियमों का अनुपालन असमान बना हुआ है। स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण अनिवार्य होने के बावजूद, कई शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गीले, सूखे और खतरनाक अपशिष्टों को स्रोत पर ही अलग करना अभी भी पूरी तरह से लागू नहीं हो पाया है। नवीनतम निर्देशों के तहत जैव-उपचार के प्रयास शुरू किए जाने के बावजूद, महानगरों में बड़े-बड़े डंपसाइट अभी भी सक्रिय हैं।

दरअसल, शीर्ष न्यायालय ने स्थानीय निकायों और निर्वाचित प्रतिनिधियों मसलन पार्षदों व कॉर्पोरेटरों को दायित्व दिया है कि वे क्षेत्र के नागरिकों में स्वच्छता व ठोस कचरे के निस्तारण हेतु जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की पहल करें। जनजागरण से ही विकट होती समस्या के निस्तारण में मदद मिल सकती है। इस दिशा में नरमी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। प्रारंभिक चरण में दायित्व निर्वहन में विफल रहने पर जुर्माना विकल्प हो सकता है। वहीं बार-बार नियमों का उल्लंघन करने कानूनी कार्रवाई अपरिहार्य है। निस्संदेह, ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता स्वच्छता और ठोस कचरे के निस्तारण में प्रभावी भूमिका निभा सकती है। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करना कर्तव्य की अनदेखी करने पर कड़ा संदेश दे सकती है। आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास के साथ होने वाली उपभोग की वृद्धि और परिणामस्वरूप अपशिष्ट उत्पादन में वृद्धि होना स्वाभाविक ही है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा एक लाख करोड़ रुपये के निवेश से शहरी अवसंरचना में सुधार के लिये की गई पहल, सही दिशा में एक कदम है। हालांकि, यह एक हकीकत है कि नीति-निर्माताओं द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्राथमिकता दिए बिना भारत के शहर बढ़ती आबादी की मांगों को पूरा करने के लिये संघर्ष करते रहेंगे। ऐसे में ठोस कचरे से मुक्त भारत लक्ष्य महज एक सपना मात्र बनकर रह सकता है। लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में सार्थक-सुनियोजित प्रयास दीर्घकाल में सार्थक साबित हो सकता है।

न्यायिक व्यवस्था

न्याय और पीड़ित की भाषा का फासला खत्म होने में लोकतंत्र की असली परिपक्वता

भाषाई बाधाओं को दूर करेगा 'सुवास'

डॉ सुधीर कुमार

न्याय केवल एक आदेश पत्र नहीं है, बल्कि पीड़ित के मन में उपजी वह संतुष्टि है जो उसे यह विश्वास दिलाती है कि उसकी बात सुनी गई। जिस दिन एक आम भारतीय अपनी अदालत के फैसले को स्वयं पढ़कर गौरव महसूस करेगा, उसी दिन हम भारत के लोग का संवैधानिक वादा पूरा होगा।

किसी भी जीवंत लोकतंत्र की सफलता नागरिकों और संस्थाओं के बीच अटूट संवाद पर टिकी है, लेकिन भारतीय अदालतों में यह डोर अक्सर भाषाई बाधाओं के कारण टूट जाती है। कल्पना कीजिए उस मुवक्किल की, जिसके जीवन का फैसला उसकी अपनी भाषा में नहीं हो रहा। हाल ही में न्याय की देवी की आंखों से प्रतीकात्मक पट्टी तो हटा दी गई ताकि यह संदेश जाए कि न्याय सबको देखता है, लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं हुआ।

आज भी जब अदालत की कार्यवाही मुवक्किल के लिए 'विदेशी' भाषा में होती है तो लगता है कि आंखों की पट्टी अब 'भाषाई पट्टी' में बदल गई है। निष्पक्षता का नया प्रतीक आज भी आम नागरिक 'बौद्धिक रूप से बहिष्कृत' करने वाले औपनिवेशिक भाषाई औजार के सामने बेबस है। इस विडंबना का सबसे मार्मिक दृश्य तब उभरता है जब जीवन भर की कानूनी लड़ाई लड़ने वाला व्यक्ति फैसले के बाद अपने ही वकील से पूछता है'साहब, मैं जीता या हारा?' यह सवाल उस व्यवस्था पर मूक प्रहार है जहां न्याय तो होता है, पर वह पीड़ित की समझ से कोसों दूर रहता है। लोकतंत्र की असली परिपक्वता तभी सिद्ध होगी जब न्याय की भाषा और पीड़ित की भाषा का यह फासला खत्म होगा और कानून वास्तव में 'जनता की भाषा' में संवाद करेगा। भारत में उच्च न्यायपालिका की भाषा मुख्य रूप से अंग्रेजी है, जो लॉर्ड मैकाले की उसी शिक्षा नीति की विरासत है, जिसका लक्ष्य भारतीयों को उनकी जड़ों से काटना था। आज 'आजादी के अमृत काल' में भी अनुच्छेद 348(1)(क) के कारण सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की कार्यवाही अंग्रेजी में ही होती है। यह विडंबना है कि जिस देश की 90 प्रतिशत आबादी अंग्रेजी नहीं जानती, वहां के सबसे बड़े अदालती फैसले उसी भाषा में दिए जाते हैं।

अदालतों में मुवक्किल की स्थिति उस मूकदर्शक जैसी होती है जो अपनी ही कहानी को किसी और की जुबानी, एक अनजान भाषा में सुन रहा है। वह वकील की दलीलों पर केवल गर्दन हिलाता है, उन्हें समझता नहीं। 'भाषा का न्याय' तब खंडित होता है जब एक ग्रामीण किसान को यह समझने के लिए अनुवादक की आवश्यकता पड़ती है कि फैसला उसके हक में है या खिलाफ। यह अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का सूक्ष्म उल्लंघन है, क्योंकि 'न्याय तक पहुंच' में उसे 'समझना' भी शामिल है।

न्याय की भाषा केवल अंग्रेजी होने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह पुराने लैटिन शब्दों के भारी बोझ से भी दबी हुई है। उत्प्रेषण, पूर्व न्याय और दूसरे पक्ष को भी सुनो जैसी कानूनी शब्दावलियां एक आम नागरिक के लिए किसी अबूझ पहेली या जादू-टोने के मंत्र जैसी प्रतीत होती हैं। समय-समय पर न्यायपालिका में इस पर बहस हुई है। 'मधु लिमये बनाम वेदानंद शर्मा (1970)' के मामले में जब मधु लिमये ने हिंदी में बहस की अनुमति मांगी, तो उसे खारिज कर दिया गया। इसके विपरीत, यदि हम वैश्विक परिदृश्य देखें, तो फ्रांस में फ्रांसीसी, जर्मनी में जर्मन, जापान में जापानी और चीन में मंदारिन का प्रयोग होता है। वहां कानून को 'आम आदमी की समझ' से बाहर की चीज नहीं माना जाता। भारत में तर्क दिया जाता है कि अंग्रेजी हमें वैश्विक व्यवस्था से जोड़ती है, लेकिन क्या यह तर्क उस गरीब की संतुष्टि से बड़ा है जिसे अपनी हार या जीत का कारण ही समझ नहीं आता?

अब तक आमतौर पर होता यही रहा है कि मुकदमे की जद में आने के बाद कोई व्यक्ति लंबे समय तक कानूनी-प्रक्रिया का सामना करता है, अदालत में उसके मामले की सुनवाई होती है, फैसला भी आ जाता है, लेकिन अंग्रेजी न जानने की वजह से इस समूची प्रक्रिया को सहजता से समझना उसके लिए कई बार संभव नहीं होता है। निचली अदालतों में सुनवाई हिंदी में जरूर होती है, लेकिन देवनागरी में जो दस्तावेज या कागजात तैयार होते हैं, उसमें सामान्य हिंदी का प्रयोग नहीं होता है। इसके बाद ऊपरी अदालतों की भाषा अंग्रेजी होने की वजह से उन वादियों के लिए समझना मुश्किल होता है, जिन्हें केवल हिंदी या कोई क्षेत्रीय भाषा आती है। यह स्थिति आम है कि अदालत के फैसलों को अगर वकील ने अपने मुवक्किल को ठीक से नहीं समझाया तो इसके लिए उन्हें अलग से किसी ऐसे व्यक्ति को पैसे चुका कर समझना पड़ता है जिसे अदालत की भाषा और अंग्रेजी ठीक से आती है।

'सुवास' एक क्रांतिकारी कदम : डिजिटल युग में 'सुवास' (सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर) जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का विकास भाषाई दीवार को गिराने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, जो अदालती फैसलों को क्षेत्रीय भाषाओं में सुलभ बना रहा है। हालांकि, अनुवाद कभी भी अभिव्यक्ति का पूर्ण विकल्प नहीं हो सकता क्योंकि इसमें अक्सर कानूनी बारीकियां और संवेदनाएं खो जाती हैं। वास्तविक न्याय तब होगा जब हम 'अनुवादित न्याय' से आगे बढ़कर 'मौलिक भाषाई न्याय' की ओर बढ़ेंगे, जहां फैसले अनुवाद के भरोसे न रहकर सीधे पीड़ित की मातृभाषा में लिखे जाएं। आज भारत में भी एक सशक्त 'सरल भाषा आंदोलन' की नितांत आवश्यकता है, ताकि कानून की पेचीदगियों को 10वीं कक्षा का एक सामान्य छात्र भी आसानी से समझ सके। इस दिशा में कुछ ठोस और व्यावहारिक कदम उठाने होंगे, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण अनुच्छेद 348(2) का विस्तार करना है ताकि उच्च न्यायालयों में क्षेत्रीय भाषाओं के प्रयोग को वास्तविक बढ़ावा मिल सके।

आधुनिक दौर में तकनीक का लाभ उठाते हुए एक 'द्विभाषी व्यवस्था' विकसित की जानी चाहिए, जहां अदालती कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान स्थानीय भाषाओं में सबटाइटल उपलब्ध हों। इसके साथ ही, विधि शिक्षा के पाठ्यक्रम में सुधार करना अनिवार्य है ताकि भविष्य के वकील अपनी मिट्टी की बोली और संवेदनाओं से जुड़े रहें। प्रत्येक न्यायिक फैसले के अंत में एक 'सरल सारांश' जोड़ने की परंपरा शुरू होनी चाहिए, जो भारी-भरकम कानूनी शब्दावलियों से मुक्त हो और आम नागरिक को यह स्पष्ट कर सके कि वास्तव में फैसला क्या हुआ है।

न्याय केवल एक आदेश पत्र नहीं है, बल्कि पीड़ित के मन में उपजी वह संतुष्टि है जो उसे यह विश्वास दिलाती है कि उसकी बात सुनी गई। जिस दिन एक आम भारतीय अपनी अदालत के फैसले को स्वयं पढ़कर गौरव महसूस करेगा, उसी दिन हम भारत के लोग का संवैधानिक वादा पूरा होगा।

खुला मंच

सेंट एपस्टीन के सानिध्य का सौभाग्य

हीरा सिंह अधिकारी

सेंट जैफरी एपस्टीन, इस सदी के महान शिक्षाविद, समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, साहित्यकार और धर्मगुरु रहे हैं। विश्व के सभी देशों के सम्मानित लोग इनके पास गुप्त ज्ञान अर्जन हेतु पहुँचते रहे थे। इनके द्वारा प्रदत्त ज्ञान को गुप्त इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस ज्ञान का जिक्र बाहरी दुनिया में नहीं किया जाता था। आर्य भूमि भारत का भी सौभाग्य रहा है कि यहाँ के कुछ देवदूतों को भी सेंट जैफरी एपस्टीन के सानिध्य में बैठने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। हमारा दुर्भाग्य यह रहा कि हम 2014 में आज़ाद हुए और सेंट जैफरी एपस्टीन 2019 में ब्रह्म विलीन हो गये, अगर हमें आज़ादी एक दशक पहले मिल गई होती तो आसाराम या बाबा राम रहीम जैसे महान संत आज जेलों में नहीं होते, बल्कि एपस्टीन फाइल नामक महाकाव्य में उनका जिक्र होने के कारण उनकी पीठ थपथपाई जा रही होती।

चचा ने भी अपने भतीजे हरु पुरिया को सेंट एपस्टीन के कॉन्वेंट स्कूल में भर्ती करवाया था। हरु पुरिया ने भी मन लगाकर ज्ञान अर्जन किया। हरु पुरिया कहता है कि उसने एपस्टीन स्कूल में केवल तीन या चार पीरियड ही अटेंड किये हैं, जबकि उसके विरोधियों का कहना है कि देश के विकास को देखते हुए यह निष्कर्ष आसानी से निकाला जा सकता है कि हरु पुरिया ने तीन-चार से अधिक पीरियड अटेंड किये हैं। उनका तो दावा है कि कई अन्य गणमान्यों लोगों ने भी एपस्टीन स्कूल में पढ़ाई की है। देश की हालत देखकर तो लग रहा है कि हरु पुरिया और उसके चचा पूरे पाँच वर्ष तक सेंट एपस्टीन से मिलते रहे हैं, वर्ना आप ही बताईये कि डॉलर को नब्बे के पार पहुँचाना किस की औक़ात में है।

जैफरी एपस्टीन से हुई मुलाक़ातों को लेकर किसी को भी शर्मिंदा होने की ज़रूरत नहीं है। एपस्टीन से बड़े ज्ञान वर्धक तो अपने वीआईपी हैं। एपस्टीन फाइल में यौन शोषकों की सिर्फ तस्वीरें ही छापी जा रही हैं लेकिन अपने यहाँ यौन शोषण के समाचार के नाम पर पार्टी मुख्यालय की नालियाँ गाँठ लगे हुए गुब्बारों से जाम मिलती हैं। एपस्टीन तो मध्य प्रदेश की सड़कों पर सरेआम प्रदर्शन करनेवाले धाकड़ से कम घिनौना है। मेरा तो सुझाव है कि हम सभी पक्षों की नंगाई से अवगत हैं, लिहाज़ा अपनी छुपाने के लिए देश के हितों के साथ समझौता मत कीजिए। केवल टी-शर्ट उतारने से कोई नंगा नहीं हो जाता है।

आज़ादी से पहले, देश के मुखिया की गिरती साख के कारण डॉलर मज़बूत हुआ हो या नहीं हुआ हो, लेकिन आज़ादी के पश्चात डॉलर मुखिया जी की साख बचाने के चक्कर में अवश्य मजबूत हुआ है।

प्रसंगवश

टीम इंडिया को खल रही विराट कोहली की कमी!

विनोद पाठक

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भी यही अहसास बार-बार उभरा कि काश विराट मैदान में होते। भारत ने ऐसे क्षण देखे, जब मैच हाथ में लग रहा था, लेकिन क्रिकेट का खेल अक्सर उन्हीं पलों में पलटता है, जब संयम और स्पष्टता की जरूरत होती है। साझेदारियां बनते-बनते टूट गईं।

टीम इंडिया को अक्सर भावनाओं के आईने में देखा जाता है। शायद यही वजह है कि हालिया नतीजों ने सिर्फ आंकड़ों की चिंता नहीं बढ़ाई, बल्कि एक खालीपन का अहसास भी कराया। टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार को अगर केवल एक मैच की तरह देखा जाए तो कहानी अधूरी रह जाएगी। यह हार दरअसल उस दौर का प्रतिबिंब है, जिसमें टीम अपने नए स्वरूप की तलाश कर रही है। इसी तलाश में एक नाम बार-बार याद आता है, वह है विराट कोहली। कोहली की मौजूदगी का मतलब हमेशा सिर्फ शतक या बड़े स्कोर नहीं रहा। उनकी बल्लेबाजी में एक लय होती थी, जैसे पारी किसी अदृश्य धागे से बंधी हो। जब वे क्रीज पर होते थे तो मैच की गति अचानक स्थिर लगने लगती थी, मानो उतावलापन खुद ही थमा पड़ गया हो। मौजूदा टीम में प्रतिभा की कोई कमी नहीं, लेकिन वही भरोसा कि कोई है, जो पारी को संभाल लेगा, अक्सर टूटता हुआ सा लगता है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भी यही अहसास बार-बार उभरा। भारत ने ऐसे क्षण देखे, जब मैच हाथ में लग रहा था, लेकिन क्रिकेट का खेल अक्सर उन्हीं पलों में पलटता है, जब संयम और स्पष्टता की जरूरत होती है। साझेदारियां बनते-बनते टूट गईं। रन गति का उतार-चढ़ाव यह बताता रहा कि टीम अभी अपनी धड़कन की सही रफ्तार खोज रही है। यह किसी कमजोरी से ज्यादा उस स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा है, जिससे हर नई पीढ़ी गुजरती है। स्पिन की चुनौती ने इस कहानी को और गंभीर बना दिया है। बल्लेबाजों का संघर्ष सिर्फ तकनीक का नहीं, धैर्य का भी दिखता है। कुछ पलों में वे बहुत सतर्क दिखते हैं तो कुछ में जरूरत से ज्यादा जल्दबाज। यही उतार-चढ़ाव क्रिकेट को खेल से ज्यादा एक मानसिक यात्रा बना देता है। जब गेंद धीमी पड़ती है और रन आसान नहीं मिलते, तब असली परीक्षा कौशल की नहीं, धैर्य की होती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा यही धैर्य नहीं दिखा सके। अभिषेक शर्मा का फॉर्म तो इस वर्ल्ड कप में चिंता में डालने वाला है। पहले तीन मैचों में वो खाता तक नहीं खोल सके थे।

दरअसल, भारतीय टीम इस समय एक संक्रमण से गुजर रही है। हर संक्रमण की तरह इसमें असहजता भी है और संभावना भी। यह टीम आक्रामक है, निडर है और कई बार यही उसकी सबसे बड़ी ताकत बनती है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट अक्सर केवल ऊर्जा से नहीं, संतुलन से जीते जाते हैं। यही संतुलन अभी आकार ले रहा है।

विराट कोहली को मिस करना शायद इसी संतुलन को मिस करना है। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप-2022 में पाकिस्तान के खिलाफ ऐसे ही फंसे मैच को विराट कोहली ने जीत में बदल दिया था। उनकी नाबाद 82 रनों की पारी आज भी क्रिकेट फैंस के जहन में ताजा है।

यह भरोसा कि खेल चाहे जैसे मुड़े, कोई उसे संभालने वाला है, लेकिन खेल की खूबसूरती यही है कि हर पीढ़ी को अपना नायक खुद बनाना पड़ता है। हारें, चुनौतियां और असमंजस उसी प्रक्रिया का हिस्सा हैं। आगे का रास्ता कठिन जरूर दिखता है, लेकिन भारतीय क्रिकेट की कहानी हमेशा वापसी की रही है। यह टीम भी अपने अनुभवों से सीखते हुए वही संतुलन पाएगी, जिसकी झलक अभी-अभी दिखनी शुरू हुई है।

शायद आने वाले समय में यही दौर याद दिलाएगा कि परिपक्वता अचानक नहीं आती, वह धीरे-धीरे बनती है, मैच दर मैच, सीख दर सीख। शायद यही इस समय की सबसे सच्ची तस्वीर है। एक टीम जो अभी अधूरी नहीं, बल्कि निर्माणाधीन है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार

क्या आर्थिक संकटों के समाधान के लिए आपात शक्तियों का सहारा लेना उचित है?

अमेरिकी कोर्ट का निर्णय, संवैधानिक मर्यादा की पुनर्स्थापना

अजीत सिंह

अमेरिका की सर्वोच्च अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ को असंवैधानिक और अवैध ठहराते हुए रद्द कर दिया है। दरअसल, यह फैसला केवल व्यापार नीति पर एक कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि अमेरिकी लोकतंत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ ही संवैधानिक मर्यादा की पुनर्स्थापना भी है।

ट्रंप प्रशासन ने 'राष्ट्रीय आपातकाल' का हवाला देते हुए अंतरराष्ट्रीय व्यापार में असंतुलन और व्यापार घाटे को अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बताया था। इसी आधार पर आपातकालीन आर्थिक शक्तियों का उपयोग करते हुए विभिन्न देशों पर आयात शुल्क लगाए गए। तर्क यह था कि विदेशी प्रतिस्पर्धा अमेरिकी उद्योग, रोजगार और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर रही है। लेकिन अदालत ने स्पष्ट किया कि संविधान के तहत कराधान और टैरिफ लगाने की शक्ति कांग्रेस को प्राप्त है, राष्ट्रपति को नहीं।

दरअसल, यहां मूल प्रश्न यह नहीं था कि टैरिफ सही थे या गलत; बल्कि यह था कि उन्हें लगाने का अधिकार किसके पास है। अदालत ने कहा कि आपातकालीन शक्तियों का अर्थ असीमित अधिकार नहीं होता। यदि राष्ट्रपति आपातकाल का विस्तार कर कराधान जैसे मौलिक विधायी अधिकार अपने हाथ में ले लें, तो लोकतांत्रिक संतुलन टूट जाएगा। इस प्रकार यह निर्णय अमेरिकी व्यवस्था में 'चेक एंड बैलेंस' की अवधारणा को मजबूत करता है।

ट्रंप की आर्थिक नीति 'अमेरिका फर्स्ट' के नारे के साथ सामने आई थी। इसका मूल दर्शन यह था कि वैश्वीकरण ने अमेरिकी श्रमिकों और उद्योगों को नुकसान पहुंचाया है। इसलिए आयात पर भारी शुल्क लगाकर घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए। राजनीतिक दृष्टि से यह नीति उन वर्गों में लोकप्रिय रही जो औद्योगिक गिरावट और बेरोजगारी से प्रभावित थे। परंतु आर्थिक विश्लेषण बताता है कि टैरिफ का बोझ अंततः उपभोक्ताओं और छोटे उद्योगों पर पड़ता है।

टैरिफ एक प्रकार का कर ही है। जब आयात महंगा होता है, तो प्रतिस्पर्धा घटती है और कीमतें बढ़ती हैं। इससे उत्पादन लागत बढ़ने का भार उपभोक्ताओं पर डालती हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, स्टील और कृषि उपकरणों जैसे क्षेत्रों में यही हुआ। अमेरिकी बाजार में कीमतें बढ़ीं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हुईं। व्यापारिक अनिश्चितता के कारण निवेशकों में भी असमंजस का माहौल बना। अदालत के निर्णय के बाद बाजार में स्थिरता की उम्मीद जगी है, क्योंकि अब व्यापक और अचानक लगाए जाने वाले शुल्कों की आशंका कम होगी।

यह निर्णय केवल अमेरिका की आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर भी इसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में संरक्षणवाद की प्रवृत्ति बढ़ी है। कई देशों ने घरेलू उद्योगों की रक्षा के नाम पर आयात शुल्क और गैर-टैरिफ बाधाएं खड़ी कीं। ऐसे समय में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला एक संकेत देता है कि आर्थिक राष्ट्रवाद भी संवैधानिक सीमाओं के अधीन है।

भारत जैसे देशों के लिए यह राहत का विषय हो सकता है। भारतीय स्टील, एल्युमीनियम, टेक्सटाइल और फार्मास्यूटिकल निर्यात पर अतिरिक्त शुल्क का दबाव कम हो सकता है। भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में स्थिरता आने की संभावना है। यदि वैश्विक व्यापारिक वातावरण अनुकूल बने, तो विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को निवेश और निर्यात बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

हालांकि यह भी ध्यान रखना चाहिए कि ट्रंप और उनके समर्थक इस फैसले को न्यायपालिका के अतिक्रमण के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वे अन्य कानूनी प्रावधानों जैसे सीमित अवधि के व्यापार अधिनियम- का उपयोग कर कुछ हद तक शुल्कलागू करने का प्रयास कर सकते हैं। इसलिए यह संघर्ष केवल अदालत के फैसले से समाप्त नहीं होगा। यह नीति, राजनीति और चुनावी विमर्श में भी जारी रहेगा।

इस निर्णय का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करता है। जब कार्यपालिका अपनी शक्ति का विस्तार करती है, तो न्यायपालिका का दायित्व है कि वह संविधान की रक्षा करे। अदालत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि लोकप्रियता या राजनीतिक समर्थन संवैधानिक सीमाओं से ऊपर नहीं हो सकता।

आर्थिक दृष्टि से भी यह अवसर है कि अमेरिका अपने व्यापारिक संबंधों को अधिक सहयोगात्मक और बहुपक्षीय ढंग से पुनर्गठित करे। व्यापार युद्धों ने अक्सर अल्पकालिक राजनीतिक लाभ तो दिए हैं, परंतु दीर्घकाल में आर्थिक अस्थिरता ही बढ़ाई है। वैश्वीकरण की आलोचना उचित हो सकती है, पर उसका समाधान संस्थागत संवाद और नीति सुधारों में है, न कि एकतरफा कराधान में।

इस पूरे प्रकरण ने एक व्यापक प्रश्न भी खड़ा किया है - क्या लोकतंत्र में आर्थिक संकटों के समाधान के लिए आपात शक्तियों का सहारा लेना उचित है? इतिहास बताता है कि आपातकालीन प्रावधानों का दुरुपयोग लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर सकता है। इसलिए न्यायालय की यह भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है कि वह सीमाएं तय करे।

अंततः, यह फैसला केवल ट्रंप की टैरिफ नीति पर रोक नहीं है; यह लोकतांत्रिक मर्यादा की पुनर्पुष्टि है। यह याद दिलाता है कि राष्ट्रवाद और आर्थिक सुरक्षा के नाम पर भी संविधान की अनदेखी नहीं की जा सकती। शक्ति का केंद्रीकरण चाहे किसी भी उद्देश्य से हो, लोकतंत्र में उसकी सीमा कानून तय करता है।

आज जब विश्व राजनीति में ध्रुवीकरण बढ़ रहा है और आर्थिक असुरक्षा राजनीतिक नारों का आधार बन रही है, तब इस निर्णय का महत्व और बढ़ जाता है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसलिए ऐतिहासिक है, क्योंकि उसने स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रपति भी संविधान से ऊपर नहीं हैं। आर्थिक नीतियां चाहे कितनी भी लोकप्रिय क्यों न हों, उन्हें संवैधानिक प्रक्रिया से गुजरना ही होगा। लोकतंत्र की यही असली कसौटी है - और यही उसकी शक्ति भी।

जीवन दर्शन

ब्रह्मांड में सब कुछ पहले से तय है

इस ब्रह्मांड में सब कुछ पहले से ही तय है। जो मनुष्य इस सत्य को आत्मसात कर लेता है और उसी अनुसार चलता है, उसे चिरस्थायी सफलता मिलती है। वह जो कुछ रचनात्मक कार्य करता है, वह कभी नष्ट नहीं होता। मनुष्य के छोटे-से-छोटे विचार, वचन अथवा कर्म से लेकर आकाशीय शक्ति पुंजों पर इसी विधान की सर्वोच्च सत्ता है। इसमें एक क्षण के लिए भी किसी की मनमानी नहीं चल सकती, क्योंकि इस तरह की स्वेच्छाचारिता का अर्थ इस विधान की अस्वीकृति अथवा उसे नकारना ही है। अतः जीवन की प्रत्येक दशा एक शृंखला से बंधी हुई है, इस प्रकार हरेक दशा का रहस्य अथवा कारण उसी के अंदर निहित है। मनुष्य जैसा बोएगा, वैसा काटेगा। यह विधान समय के भाल पर स्वर्णाक्षरों में लिखा है। कोई इसे नकार नहीं सकता, इसे झुठला नहीं सकता और न ही इससे बचकर निकल सकता है। यदि कोई अपना हाथ आग पर रखेगा, तो वह जलेगा ही, जब तक कि आग स्वयं बुझ नहीं जाती। उससे होने वाली पीड़ा को न तो मनुष्य की कराहें और न ही प्रार्थनाएं दूर कर सकेंगी। ठीक वही नियम मन की दुनिया पर भी लागू होता है। घृणा, क्रोध, ईर्ष्या, स्पर्धा, काम व लोभ- ये सभी अग्नियां हैं, जो जलाती हैं। जो कोई इनका केवल स्पर्श मात्र करता है, उसे भी जलने की यातना को सहना पड़ेगा। मन की इन दशाओं को ठीक ही पाप कहा गया है, क्योंकि ये विधान को उखाड़ फेंकने की दिशा में अज्ञानता के कारण, किए गए प्रयत्न हैं और इसलिए ये हमें कष्ट और अनिश्चितता की ओर ले जाते हैं। इस प्रकार हम देर या सवेर, बाहरी संकटों, जैसे दुख और पीड़ा अथवा निराशा से पूर्ण रोगों, असफलताओं एवं दुर्भाग्यों के द्वारा घिर जाते हैं। इस प्रकार विपरीत प्रेम, सद्भावना और पवित्रता, ये गुण आत्मा को सुख पहुंचाते हैं, और ये शाश्वत नियम से संबद्ध होते हैं, इसलिए स्वास्थ्य, शांति, स्थायी सफलता और सौभाग्य के रूप में हमारे सामने आते हैं। सारे विश्व पर छाने वाले इस शाश्वत नियम को अच्छी तरह समझ लेने से मन उस अवस्था को प्राप्त होता है, जिसे समर्पण भावना कहते हैं। संसार में न्याय, अनुरूपता और प्रेम सबसे ऊपर है। इससे यह आशय निकलता है कि विपरीत और त्रासदायक दशाएं इस नियम के प्रति अवहेलना का परिणाम हैं। ऐसा ज्ञान हमें बल और शक्ति प्रदान करता है, और इसी की आधारशिला पर ही हम एक सच्चे जीवन, स्थायी सफलता व सुख का निर्माण कर सकते हैं।

सभी दिशाओं में अविचल बने रहने के लिए आवश्यक मानकर स्वीकार करने का अर्थ है, सभी पीड़ादायक दशाओं से ऊपर उठ जाना और ऐसी विजय, जिसमें पीड़ाएं एवं कष्ट सिर नहीं उठा सकते! जो इस विधान को मानता है, उसके अनुसार चलता है, उसे चिरस्थायी सफलता मिलती है। समस्त शक्ति अथवा समस्त दुर्बलता का कारण हमारे अंदर विद्यमान है। 'जैसा बोओगे, वैसा काटोगे', यह अटल नियम जीवन के हर क्षण पर लागू होता है। इसलिए अपने विचारों को पवित्र, वचनों को मधुर और कर्मों को श्रेष्ठ बनाएं, समर्पण भाव से सत्य के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति हर परिस्थिति को अवसर में बदल सकता है।

जेम्स ऐलन

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

नाहं वेदैर्न तपसा न दानेन न चेज्यया।
शक्य एवंविधो द्रष्टुं दृष्टवानसि मां यथा॥

भावार्थ

श्री कृष्ण कहते हैं- मुझे इस दिव्य रूप में न तो वेदों के अध्ययन द्वारा, न तपस्या से, न दान से और न ही यज्ञ से देखा जा सकता है।

नगर पालिका ने शुरू की स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियां

नागरिक फीड बैक के अंक हुए दो गुना

नगर पालिका चलाएगी जागरुकता अभियान

जागरण, सीधी

नगर पालिका परिषद सीधी प्रस्तावित स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 को लेकर अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। नगर पालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती गंदगी को दूर करना है। अप्रैल में प्रस्तावित स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर नगर पालिका के जिम्मेदारों की मुश्किलें फिलहाल बढ़ गई हैं। करीब 90 हजार की आबादी वाले सीधी शहर का सर्वे इसी श्रेणी की नगर पालिकाओं के साथ किया जाएगा। पिछले वर्ष स्वच्छता रैंकिंग में सीधी नगर पालिका की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर रही थी। इस बार रैंक सुधारने के लिए नगर पालिका ने कई स्तरों का काम शुरू कर दिया है। नगर में साफ-सफाई के ढंचे को मजबूत करने नगर पालिका की खासतौर पर तैयारी है। इसके लिए सूखा और गीला कचरा अलग करने की व्यवस्था की गई है। इस बार स्वच्छता सर्वे में न सिर्फ नगर पालिका का काम ही नहीं बल्कि शहर वासियों की भूमिका भी निर्णायक होगी। वजह स्पष्ट है कि सिटीजन फीड बैक के अंक, जिन्हें इस बार दो गुना कर दिया गया है पिछले वर्ष जहां नागरिक फीडबैक के लिए 500 अंक निर्धारित थे इस बार बढ़ाकर एक हजार कर दिए गए हैं। इन अंकों को हांसिल करने के लिए नगर पालिका द्वारा प्रत्येक वार्ड में जागरुकता कार्यक्रम चलाने की तैयारी की जा रही है। मालूम रहे कि नगर पालिका सीधी अंतर्गत 24 वार्ड हैं। कुछ वार्डों को छोंड़ दिया जाए तो वहां नगर पालिका की ओर से नियमित साफ-सफाई कराने एवं कचरा का उठाव कराने की समुचित व्यवस्था नहीं है। इस मामले में नगर पालिका के जिम्मेदार हमेशा स्वच्छताकर्मियों की कमी की बात कहते हैं। उनके द्वारा यह प्रयास नहीं किया जा रहा है कि जरूरत के अनुसार सफाई कर्मियों की व्यवस्था शहर में हो जाए जिससे सभी वार्डों में साफ-सफाई एवं कचरा उठाव नियमित हो जाए।

शहर को कचरा मुक्त करने पर विशेष जोर

नगर पालिका परिषद सीधी द्वारा शहर को कचरा मुक्त करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कचरा मुक्त शहर पर सबसे ज्यादा ध्यान इसीलिए दिया जा रहा है कि इसके लिए स्वच्छता सर्वेक्षण में 6 हजार अंक निर्धारित हैं। इसके तहत घर-घर से सूखा और गीला कचरा अलग-अलग संग्रहित करने, कचरे के प्रोसेसिंग और लैंड फिल साइट के बेहतर प्रबंधन की योजना बनाई गई है। हालांकि सीधी में सार्वजनिक स्थानों पर जगह-जगह कचरे के ढ़ेर और थूकने की समस्या गंभीर रूप से बनी हुई है। नगर पालिका परिषद द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के मद्देनजर इस बात पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है कि नागरिकों को स्वच्छता को लेकर जागरूक किया जाए। यह काम काफी चुनौती भरा है। वजह शहर में रहने वाले अधिकांश लोगों की मानसिकता अपने मार्ग की सड़कों को स्वच्छ बनाने को लेकर नहीं है। देखा यह जाता है कि लोग अपने घर के सामने तो सफाई रखना चाहते हैं लेकिन अपने घर का कूड़ा करकट ले जाकर दूसरे के घर के सामने फेंक देते हैं। इससे पूरे मार्ग की सुंदरता पर ग्रहण लग जाता है। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन में कचरा डालने को लेकर भी लोग संजीदा नहीं हैं।

"नगर पालिका सीधी में स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 अप्रैल माह में प्रस्तावित है। इसके मद्देनजर अभी से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। शहर में विशेष अभियान चलाकर सफाई कराई जाएगी। ज्यादा से ज्यादा फीडबैक देने के लिए लोगों को भी जागरूक करने के कार्यक्रम चलाए जाएंगे। साथ ही स्वच्छता में सभी की भागीदारी रहे इसको लेकर भी लोगों को जागरूक किया जाएगा।

राकेश शुक्ला, प्रभारी सीएमओ
नगर पालिका सीधी

विन्ध्य रिसॉर्ट एवं पैलेस का भव्य शुभारंभ 27 को

शादी, पार्टी, तिलक, बर्थडे एवं अन्य आयोजनों के लिए रहेगी व्यवस्था

जागरण, सीधी

सीधी शहर में जमोड़ी थाना के पास विन्ध्य रिसार्ट एवं पैलेस का भव्य शुभारंभ 27 फरवरी को हो रहा है। सीधी जिले की एक मात्र सर्व सुविधा युक्त रिसार्ट संचालित हो रहा है। जिसमें शादी, पार्टी, तिलक, बर्थडे एवं अन्य शुभ अवसरों के लिए मैरिज हाल एवं वेंकट हाल उपलब्ध है। ज्ञात हो कि सीधी शहर का यह पहला बडा रिसार्ट है जिसमें लगभग 1 एकड़ जमीन पार्किंग के लिए खाली छोंड़ी गई है। यह रिसार्ट नेशनल हाइवे रोड़ से बिल्कुल लगा हुआ है। अब बड़े आयोजनों के लिए सीधी शहर वासियों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है। शादी, पार्टी, तिलक एवं अन्य शुभ कार्यों के लिए विन्ध्य रिसार्ट के संचालक पुष्पराज सिंह विन्ध्या कृषि सेवा केंद्र वालों से संपर्क कर रिसार्ट बुक करा सकते हैं। 27 फरवरी दिन शुक्रवार को शुभ मुहूर्त पर श्रीगणेश पूजा के साथ रिसार्ट का संचालन आम लोगों के लिए शुरू कर दिया जाएगा। सीधी शहर वासियों से अपील की गई है कि शुभ कार्यों के लिए एक बार रिसार्ट का अवश्य अवलोकन करें।

सीधी की बेटियों ने कुश्ती के अखाड़े में रचा इतिहास

जागरण, सीधी। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि जिले में खेल गतिविधियों को लेकर लगातार चलाए जा रहे विशेष अभियानों जैसे सांसद खेल महोत्सव, खेलो एमपी यूथ गेम 2026 और युवा उत्सव के साथ-साथ विभिन्न खेल संस्थाओं एवं स्कूलों द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों के सुखद परिणाम अब धरातल पर आने लगे हैं। पूर्व में आयोजित खेलो एमपी यूथ गेम में जहां जिले के 18 प्रतिभावान खिलाड़ियों ने 18 पदक प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया था, उसी कड़ी में अब कुश्ती के क्षेत्र में भी जिले ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जबलपुर में दिनांक 21 से 23 फरवरी 2026 तक आयोजित मध्य प्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सीधी जिले के खिलाड़ियों ने अदम्य साहस और कौशल का परिचय दिया है। जिला कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के सतत मार्गदर्शन में जिले की खेल अधोसंरचना और गतिविधियों में जो नियमित विकास हो रहा है उसके परिणाम स्वरूप पहली बार बालिकाओं ने ओपन स्टेट कुश्ती प्रतियोगिता में पदार्पण किया और सफलता हासिल की। प्रतियोगिता के परिणामों का विवरण देते हुए बताया गया कि 46 किलोग्राम भार वर्ग में प्राची केवट ने अपनी उत्कृष्ट तकनीक से सिल्वर मेडल रजत पदक जीतकर जिले को गौरवान्वित किया है। वहीं अलबिया खान ने 50 किलोग्राम वर्ग में और कृष्ण कुमार सिंह ने 44 किलोग्राम वर्ग में प्रदेश स्तर पर चौथा स्थान प्राप्त किया, जबकि ओम केवट 48 किलोग्राम भार वर्ग में पांचवें स्थान पर रहे। यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल खिलाड़ियों की व्यक्तिगत जीत है, बल्कि यह विभिन्न खेल संस्थाओं, विद्यालयों, समर्पित कोचों और खिलाड़ियों के माता-पिता की मेहनत तथा अटूट विश्वास का साझा परिणाम है।

शहर एवं ग्रामीण अंचल की खबरें

एसपी सीधी ने जनसुनवाई में स्वयं सुनीं शिकायतें

जागरण, सीधी। जिला पुलिस प्रशासन और आम जनता के बीच की दूरी को कम करने तथा न्याय प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने इस कार्यक्रम में स्वयं उपस्थित रहकर सुदूर अंचलों से आए पीड़ितों की समस्याओं को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुना और उनके त्वरित निराकरण हेतु मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को कड़े दिशा निर्देश जारी किए। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने भूमि विवाद, पारिवारिक कलह, महिला उत्पीड़न और साइबर फ्रॉड जैसी अपनी गंभीर शिकायतें साझा कीं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक फरियादी से व्यक्तिगत चर्चा कर उनकी समस्याओं के कानूनी पहलुओं को समझा और आश्वस्त किया कि किसी भी स्तर पर अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं से संबंधित शिकायतों पर विशेष ध्यान दिया गया। एसपी ने जांच में पूर्ण निष्पक्षता और त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित थाना प्रभारियों को मौखिक एवं लिखित आदेश दिए। जिला मुख्यालय पर उपस्थित अधिकारियों के अतिरिक्त, जिले के समस्त थाना प्रभारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस जनसुनवाई से जुड़े रहे। इससे शिकायतों का तत्काल सत्यापन संभव हुआ और मौके पर ही संबंधित थानों को निर्देश प्रेषित किए गए। इस जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक के साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय थाना प्रभारी कोतवाली, निरीक्षक आरएल साकेत थाना प्रभारी अजाक, उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी थाना प्रभारी जमोड़ी आदि उपस्थित रहे।

कुसमी तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना

जागरण, सीधी। जिले के कुसमी क्षेत्र में पुजेरी हत्याकांड को लेकर जनाक्रोश खुलकर सामने आया है। मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे से मंदिर के पास स्थित एसडीएम कार्यालय परिसर एवं तहसील प्रांगण में सैकड़ों ग्रामीणों और व्यापारियों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। आंदोलन के समर्थन में कुसमी बाजार पूरी तरह बंद रहा, जिससे इलाके में दिन भर सन्नाटा पसरा रहा। जहां धरने में शामिल लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कई गंभीर आशंकाएं भी व्यक्त कीं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि घटना से जुड़े एक घर के अंदर अवैध हथियार होने की आशंका है, जिसकी निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि हत्याकांड के बाद भी प्रशासनिक स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं दिख रही, जिससे असंतोष और बढ़ गया है। वहीं आंदोलनकारियों ने अपनी मुख्य मांगों में कथित अवैध निर्माण को जमींदोज करने, बूचड़खाने को हटाने तथा मृतक पुजेरी के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग रखी। धरने में ब्राह्मण समुदाय के साथ-साथ सभी वर्गों के व्यापारी खुलकर समर्थन में नजर आए। व्यापारियों ने कहा कि न्याय की मांग को लेकर वे आंदोलन के साथ खड़े हैं। वहीं इसी बीच मौके पर तहसीलदार एवं एसडीएम की अनुपस्थिति को लेकर भी लोगों में नाराजगी देखी गई। स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार अधिकारियों के सीधी कलेक्ट्रेट में शासकीय कार्य हेतु जाने की बात कही गई है। हालांकि धरना स्थल पर कर्मचारी और अधिकारी देर शाम तक नहीं पहुंचे, जिससे भीड़ में असंतोष की स्थिति बनी रही। वहीं कुसमी के एसडीएम वीके आनंद ने बताया कि वे प्रशासनिक कार्य के कारण कलेक्ट्रेट में मौजूद हैं, जहां जनगणना से संबंधित कार्य चल रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

45वें स्वर्ण जयंती समारोह पर हुआ भव्य आयोजन

जागरण, सीधी। मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित लिपिक संगठन के 45वें स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में सीधी जिले रामपुर नैकिन में भी हर्ष और उल्लास का वातावरण रहे। इस अवसर पर संगठन के प्रांता अध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां की गई। जिला स्तर पर लक्ष्मीकांत शर्मा जिला अध्यक्ष एवं समस्त लिपिक साथियों द्वारा सक्रिय सहभागिता निभाई जा रही है। वहीं विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, रामपुर नैकिन में उपप्रांताध्यक्ष बीएल निगम प्रिंस जी एवं समस्त लिपिकों द्वारा भी हर्षोल्लास के साथ स्वर्ण जयंती समारोह मनाया गया। यह स्वर्ण जयंती वर्ष संगठन की एकता, समर्पण और कर्मचारी हितों की सतत लड़ाई का प्रतीक है।

श्रीराधा कृष्ण के प्रथम मिलन की लीला का हुआ मंचन

कल भगवान भोलेनाथ की प्रतिमा की होगी स्थापना

सुदामा चरित्र के साथ रासलीला का होगा समापन

जागरण, सीधी

शहर के उर्मिलेश्वर धाम तिलक नगर पड़रा में 17 फरवरी से श्रीराधा कृष्ण रासलीला का भव्य आयोजन हो रहा है। रासलीला के सातवें दिन श्री राधा कृष्ण के प्रथम मिलन की लीला का मनमोहक मंचन किया गया। श्रीरामकृष्ण लीला प्रचार मंडल वृन्दावन के व्यास स्वामी बृजेश शर्मा व उनके कलाकारों के द्वारा रासलीला की प्रस्तुति की जा रही है। परम पूज्य दण्डी स्वामी निर्भायानंद सरस्वती के सानिध्य में वरिष्ठ समाजसेवी विनय कुमार सिंह परिहार के सौजन्य से आयोजित हो रहा है। सोमवार को रासलीला का शुभारंभ श्रीराधाकृष्ण की निकुंज लीला से किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता चन्द्रमोहन गुप्ता, भीम कामदार, दिलीप सितानी एवं विनय कुमार सिंह ने अपनी माता एवं परिवार के साथ श्री युगल सरकार की आरती की। भगवान श्रीकृष्ण खेलते हुते जमुना जी के किनारे आये तो देखे कि यमुना पार एक दिव्य वाली बैठी है। तो जाकर पूछा कि तुम कौन हो लाल और किस गांव की हो। भगवान श्रीकृष्ण बोले कि मैं वृन्दावन की सब साखियों को जानता हूं। तब श्रीराधा रानी ने बताया कि मैं वृशभानू दुलारी हूं। मेरे बाबा का आंगन बहुत बड़ा है तो मैं वहीं खेला करता हूं। यहां नंद जी का लाला बड़ा चोर है इस कारण यहां नहीं आती। तब श्रीकृष्ण जी ने कहा कि ऐसी बात नहीं साखियां नंद के लाला को बदनाम करती है। तो श्रीराधा जी ने कहा कि कही तुम ही तो नहीं नंद जी का लाला। तब श्रीकृष्ण जी ने कहा कि हां मैं ही हूं। मेरा नाम कुंवर कन्हाई है आप आओ कभी नंद भवन खेलने के लिए आदि श्रीराधा कृष्ण के प्रथम मिलन, श्रीकृष्ण और नंदबाबा की लीला का विस्तार से मंचन किया गया। उक्त रासलीला में ठाकुर जी श्रीकृष्ण की भूमिका दीपेश शर्मा, श्री जी की भूमिका गोविंद शर्मा, श्री जी की अष्ट सखियों की भूमिका में करण शर्मा, नैतिक शर्मा, रवि शर्मा, राजू शर्मा, देव कुमार शर्मा, रामवीर शर्मा ने मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके साथ ही कान्हा जी दिगंबर शर्मा, हरीष शर्मा, छोटू मिश्रा, ऋषि मिश्रा द्वारा अभिनय किया गया।

42 लाख की मशरूका के साथ आरोपी हुआ गिरफ्तार

पुलिस की पैनी नजर से नहीं बच सका अवैध परिवहन

जागरण, सीधी

पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के अवैध खनिज संपदा के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कड़े रुख के अनुपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव एवं एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कौल के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी अमिलिया निरीक्षक राकेश बैस के नेतृत्व में पुलिस ने एक प्रभावी कार्रवाई करते हुए अवैध कोयला परिवहन कर रहे ट्रेलर को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 2026 की रात थाना अमिलिया के सामने पुलिस टीम द्वारा सघन वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान ट्रेलर क्रमांक यूपी 63 बीटी 3773 को रोककर जांच की गई। वाहन चालक प्रेमचन्द्र बिंद निवासी मिर्जापुर उप्र द्वारा दिखाए गए ई टीपी की वैधता समाप्त हो चुकी थी, जिससे स्पष्ट हुआ कि कोयले का परिवहन पूर्णतः अवैध रूप से किया जा रहा था। जब्ती की गई सामग्री में ट्रेलर में कुल 40.430 मीट्रिक टन कोयला लोड था, जिसकी कीमत 2,12,158 आंकी गई है। पुलिस ने 40 लाख मूल्य का ट्रेलर और कोयला मिलाकर कुल 42,12,158 की मशरूका जब्त की है। आरोपी को बीएनएस एवं खान खनिज की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही जारी है। इस कार्रवाई को अंजाम देने में थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश बैस के साथ उनि राजमणि अहिरवार, सउनि उग्रभान मिश्रा, प्रआर लोकेन्द्र सिंह और आरक्षक रघुराज सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राज्यपाल का दो दिवसीय प्रवास पर आगमन आज

जागरण, सीधी। जिला सत्कार अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि राज्यपाल मंगुभाई पटेल का जिला सीधी में दिनांक 25 फरवरी 2026 से 26 फरवरी 2026 तक दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल 25 फरवरी 2026 को शाम 5.15 बजे हेलीपैड परसिली, सीधी पहुंचेंगे। आगमन के पश्चात वे परसिली रिसॉर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे। इस दिन उनका समय आरक्षित रहेगा तथा परसिली रिसॉर्ट में ही रात्रि विश्राम करेंगे। 26 फरवरी 2026 को प्रातः 10.30 बजे ग्राम परसिली में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद करेंगे।

कांग्रेस नेता के खिलाफ एससी, एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज

जागरण, सीधी। जिले के मझौली क्षेत्र में कांग्रेस नेता मार्तंड चतुर्वेदी के खिलाफ अनुसूचित जाति, जन जाति के तहत मामला पंजीबद्ध हुआ है। इस मामले को लेकर आज पीड़ित सुमंत सिंह गोंड़ एवं विंध्य प्रभारी भारत आदिवासी के लालबहादुर सिंह नेती तथा ब्यौहारी के विंध्य प्रभारी भारत आदिवासी प्रभारी भी एसपी आफिस में पहुंचे थे जिसमें कि उनके द्वारा आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की गई है। मालूम हो कि हाल ही में कांग्रेस पार्टी का दामन थामने वाले युवा कांग्रेस नेता सहित आदिवासी युवक ने पत्नी एवं पुत्री के खिलाफ मारपीट किए जाने का आरोप लगाते हुए फरियाद दर्ज कराया है। पीड़ित के फरियाद पर मझौली थाने में संगीन धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया जाकर जांच विवेचना चालू की गई है। वही आदिवासी संघ के नेता कार्यकर्ता पीड़ित न्याय दिलाने आगे आ गए हैं। जो पीड़ित को लेकर आज 24 फरवरी 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सीधी पहुंच समुचित जांच कार्यवाही की मांग करते हुए अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग रखे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए मझौली थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट धारा 173 बीएनएसएस के तहत अपराध क्रमांक 97/दिनांक 21 फरवरी 2026 भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 296(इ), 115(2), 351(3), 3(5) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति निन्शसता निवारण अधिनियम 1989 संशोधन 2015 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(2)(व्हीए) अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया।

रेत के ओवरलोड वाहन बिगाड़ रहे प्रधानमंत्री सड़कों की सूरत

जागरण, सीधी। जिले में इन दिनों रेत से लदे ओवरलोड वाहनों की बेलगाम आवाजाही ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़कों सहित ग्रामीण मार्गों की हालत बिगड़ गई है। निर्धारित क्षमता से अधिक रेत भरकर भारी वाहन उन सड़कों पर फर्राटे भर रहे हैं, जो इतने भार को सहन करने के लिए बनी ही नहीं हैं। नतीजतन कई जगह सड़कें उखड़ रही हैं, किनारे धंस रहे हैं और गड्ढों की भरमार हो गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस व विभागीय जांच से बचने के लिए रेत परिवहन में लगे वाहन मुख्य मार्गों की बजाय गांवों के अंदरूनी रास्तों का उपयोग कर रहे हैं। इन संकरे मार्गों पर तेज रफ्तार और ओवरलोडिंग के कारण दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है।

KALYAN SINGH SUPER SPECIALTY CANCER INSTITUTE
C.G. City, Sultanpur Road, Lucknow-226002
Website: https://cancerinstitute.edu.in, Email: jdmm.sscih@gmail.com

TENDER NOTICE

On-line offers are invited through Custom bids on GeM portal

1- **GEM/2026/B/7272755** for the item- **Patient Education Model-whole abdomen & chest.**

2- **GEM/2026/B/7272824** for the item- **Patient Education Model-Female Pelvic Organ** from Original Equipment Manufacture/Direct Importers/ Authorized Distributors (declared by principal firm only) for the supply & installation.

The Vendors are required to submit their offers on GeM portal only in two bids system i.e. Technical and Financial bid as per norms of GeM Portal with terms and conditions as mentioned against bidding documents.

For more detailed information you may please visit the Gem portal www.gem.gov.in or our website https://cancerinstitute.edu.in, for reference only.

The Director reserves the right to accept or reject any tender in part or full without assigning any reason thereof.

Advt No. KSSSCI/Tender-26/2025-26 **Director**

NATIONAL BRAIN RESEARCH CENTRE
An Autonomous Institute of Deptt. of Biotechnology
Ministry of Science & Technology, Government of India
बीआरआईसी BRIC a DBT Organization NBRC
एन.एच.-8 / NH-8, नैनवाल मोड़ / Nainwal Mode, मानेसर / Manesar – 122052, जिला गुरुग्राम, हरियाणा / Distt. Gurgaon, Haryana
दूरभाष / Tel.: 0124 – 2845 200, ई-मेल / E-mail: admin.nbrc@nbrc.ac.in

विज्ञापन क्रमांक 01/2026

एनबीआरसी निम्नलिखित पद के लिए एक उपयुक्त व्यक्ति की भर्ती करना चाहता है:

1.	पद का नाम	सलाहकार (वित्त)
2.	पद की संख्या	एक
3.	भर्ती का आधार	अनुबंध के आधार पर
4.	पोस्टिंग का स्थान	एनबीआरसी, मानेसर, गुड़गांव
5.	आयु सीमा	विज्ञापन की तिथि के अनुसार अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष है।
6.	अनुबंध की अवधि	प्रारंभ में 12 महीने की अवधि के लिए, उसके बाद आपसी संतुष्टि के आधार पर वार्षिक रूप से नवीनीकृत किया जाएगा।
7.	पारिश्रमिक (प्रति माह)	समेकित वेतन (80,000 रुपये से 1 लाख रुपये के बीच, नीचे दिए गए अनुभव के आधार पर)। 6 वर्ष तक - 80,000 रुपये; 6 से 8 वर्ष तक - 90,000 रुपये; 8 वर्ष से अधिक - 1 लाख रुपये। यात्रा भत्ता सहित कोई अन्य भत्ता नहीं दिया जाएगा। सरकारी लाइसेंस शुल्क के भुगतान पर परिसर में आवास उपलब्ध कराया जाएगा।
8.	शैक्षणिक योग्यता	सीए/सीएमए/एम.कॉम/एमबीए (वित्त) की डिग्री प्राप्त कोई भी स्नातक, जिसके पास वित्त, लेखा और लेखापरीक्षा में न्यूनतम चार वर्ष का अनुभव हो।
9.	वांछनीय योग्यता	सरकारी नियमों और विनियमों का ज्ञान, कंप्यूटर का ज्ञान, टैली या ईआरपी का ज्ञान होना आवश्यक है।
10.	कार्य	प्रबंधन के आदेशों के अनुसार वित्तीय मामलों, लेखापरीक्षा संबंधी टिप्पणियों और निरीक्षणों का निपटान करना।
11.	नियुक्ति की शर्तें	1. चयन के बाद वेतन या कार्यकाल संबंधी कोई भी बातचीत स्वीकार नहीं की जाएगी। 2. साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना इस बात का प्रमाण है कि उम्मीदवार विज्ञापन में उल्लिखित नियमों और शर्तों से पूरी तरह सहमत है।
12	अतिरिक्त धाराएँ	विज्ञापन संख्या 03/2025 दिनांक 26.09.2025 के जवाब में पहले ही आवेदन कर चुके उम्मीदवारों को दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

आवेदन जमा करने की प्रक्रिया:
सभी आवेदन केवल इलेक्ट्रॉनिक रूप से ईमेल आईडी **applications@nbrc.ac.in** पर भेजें। ईमेल का विषय होना चाहिए: सलाहकार (वित्त) पद के लिए आवेदन।
आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 16.03.2026 है।

अवैध कॉलोनी निर्माण पर निगम प्रशासन की सख्त कार्रवाई

वार्ड क्रमांक 45 अमीरगंज में अवैध कालोनी की निर्मित संरचनाओं पर चली जेसीबी

जागरण, कटनी। नगर निगम कटनी द्वारा अवैध कॉलोनियों के निर्माण के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार प्रातः रविंद्रनाथ टैगोर वार्ड स्थित अमीरगंज में निर्मित संरचनाओं को हटाने की प्रभावी कार्रवाई की गई। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा सोमवार को आयोजित समय सीमा की बैठक में अधिकारियों को अवैध कालोनी निर्माण के सम्बन्ध ने दिए गए स्पष्ट निर्देशों के पालन में निगम के कालोनी सेल एवं अतिक्रमण अमले ने अमीरगंज में नियम विरुद्ध एवं अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी स्थल पहुंचकर जांच उपरांत निर्मित सड़क आदि की संरचनाओं को जेसीबी मशीन के माध्यम से अलग करने की कार्रवाई की गई।

निगम प्रशासन ने बताया कि संबंधित कॉलोनी में विकास कार्य एवं निर्माण बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के किया जा रहा था जो कि नगर निगम नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। पूर्व में नोटिस जारी कर संबंधित पक्ष को वैधानिक अनुमति प्रस्तुत करने एवं निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए गए थे किन्तु निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने पर यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह, उपयंत्री जेपी सिंह बघेल, अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह सहित कालोनी सेल एवं अतिक्रमण अमला एवं तकनीकी टीम उपस्थित रही।

निगमायुक्त सुश्री परिहार ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि शहर में अवैध कॉलोनियों का विकास एवं अनधिकृत निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे प्रकरणों में निरंतर अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई जारी रखी जाए। निगम प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि भू-खण्ड या मकान क्रय करने से पूर्व उसकी वैधानिक स्थिति की जांच अवश्य कर लें तथा निगम से विधिवत स्वीकृति प्राप्त कर ही निर्माण कार्य प्रारंभ करें। नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध नियमों के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

होटल ऋषि रेजेंसी में लाखों की चोरी

कर्मचारी ने शादी समारोह की रकम और सामान पर किया हाथ साफ

कटनी। शहर के माधवनगर थाना अंतर्गत पीरबाबा क्षेत्र स्थित होटल ऋषि रेजेंसी में चोरी का एक बड़ा मामला सामने आया है। होटल के ही एक कर्मचारी ने विश्वासघात करते हुए शादी समारोहों से प्राप्त नकद राशि और कीमती सामान समेट लिया और फरार हो गया। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है। शिकायतकर्ता अनमोल चौपडा निवासी जबलपुर, हाल मुकाम झिंझरी ने पुलिस को बताया कि होटल में पिछले दिनों संपन्न हुए 3-4 शादी कार्यक्रमों की पेमेंट और कुछ कीमती सामान होटल में रखा था। आरोपी कर्मचारी देवपाल चौधरी निवासी ग्राम बरौली, जिला-पन्ना ने मौका पाकर इस पूरी राशि और सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की गई कुल संपत्ति की कीमत लगभग 1 लाख 90 लाख रुपये बताई जा रही है जिसमें नकद राशि 1 लाख 43 हजार रुपये, होटल का सामान करीब 47 हजार रुपये शामिल है। घटना 7 दिसंबर 2025 की रात की बताई जा रही है जिसकी रिपोर्ट 23 फरवरी 2026 को दर्ज कराई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चोरी व अमानत में ख्यानत और सेवक द्वारा स्वामी के कब्जे की संपत्ति की चोरी के तहत मामला दर्ज किया है।

लक्ष्मी पान भंडार से सागर पुल मार्ग का सड़क निर्माण कार्य हुआ प्रारंभ

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी अंतर्गत शहर के अति महत्वपूर्ण एवं व्यस्त मार्ग लक्ष्मी पान भंडार से सागर पुल की ओर महत्वपूर्ण सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया। कार्य प्रारंभ होते ही निगम अध्यक्ष मनीष पाठक स्थल पर पहुंचे एवं निर्माण कार्य का निरीक्षण कर संबंधितों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान निगम अध्यक्ष श्री पाठक ने कार्यस्थल पर उपस्थित नियोजक सचिन दुबे से निर्माण की रूपरेखा, सामग्री की गुणवत्ता एवं निर्धारित समय सीमा के संबंध में जानकारी ली, उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं तय समय सीमा में संपन्न किया जाए ताकि नागरिकों को लंबे समय से हो रही असुविधा से शीघ्र राहत मिल सके। ज्ञात हो कि यह मार्ग शहर का प्रमुख मार्ग है जहां पूर्व में सीवर लाइन कार्य के कारण सड़क जर्जर हो गई थी साथ ही रेलवे के कार्य प्रारंभ थे इस कारण सड़क निर्माण में विलंब हो रहा था इससे आवागमन में आम नागरिकों एवं श्रद्धालुओं को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। अब निर्माण कार्य प्रारंभ होने से क्षेत्रवासियों में प्रसन्नता का वातावरण है। निगम अध्यक्ष श्री पाठक ने कहा कि जनसुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है नागरिकों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि निर्माण कार्य पूर्ण होते ही मार्ग सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से आमजन के लिए उपलब्ध होगा। श्री पाठक ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि निर्माण अवधि के दौरान अस्थायी असुविधा हो सकती है किंतु सड़क पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्र की यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी एवं आवागमन अत्यंत सुगम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हम शहर के समग्र विकास हेतु प्रतिबद्ध है और इसी संकल्प के साथ यह महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है।

जनसुनवाई में दिखी प्रशासनिक सक्रियता त्वरित निराकरण से नागरिकों को मिली राहत

जागरण, कटनी। नगर निगम कार्यालय स्थित मेयर इन काउंसिल कक्ष में मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई कार्यक्रम में नागरिकों की समस्याओं पर गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनवाई की गई। सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक चली जनसुनवाई में विभिन्न वार्डों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएँ सीधे महापौर के समक्ष रखीं। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने प्रत्येक आवेदन पर व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन मामलों का निराकरण तत्काल संभव है उन्हें प्राथमिकता के साथ मौके पर ही हल किया जाए। जनसुनवाई में कुल 44 आवेदन प्राप्त हुएए जिनमें से 16 प्रकरणों का त्वरित निराकरण कर नागरिकों को तत्काल राहत प्रदान की गई। शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए निर्धारित समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई के दौरान सड़क मरम्मत, जल निकासी, पेयजल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण, राजस्व प्रकरण एवं प्रमाण पत्र से जुड़ी समस्याएँ प्रमुख रूप से सामने आईं। महापौर ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि नागरिकों की समस्याओं को लंबित न रखा जाए और प्रत्येक आवेदन पर पारदर्शी एवं जवाबदेह कार्यवाही की जाए। महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल शिकायतें दर्ज करना नहीं, बल्कि परिणाम देना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक मंगलवार को नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित की जाएगी ताकि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि कार्यों में अनावश्यक देरी या लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय की जाएगी।

आम सूचना

मेरे पक्षकार इक्विटास स्मॉल फाइनेंश बैंक शाखा रीवा के द्वारा सूचित किया जाता हैं कि जितेन्द्र कुमार कुशवाहा तनय श्री फूलचंद्र कुशवाहा निवासी वार्ड नं. 10/293 घोड़ा चौराहा, तहसील हुजूर, जिला रीवा म.प्र. ने मेरे पक्षकार के यहा ऋण हेतु आवेदन किया है और जितेन्द्र कुमार कुशवाहा तनय श्री फूलचंद्र कुशवाहा से प्राप्त निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि क्रय भूमि खसरा नं. 178/1/22 रकवा 0.0110 हेक्ट. यानि 25x(47.9+48.2)/2=1201 वर्गफिट जो स्थित मौजा निपनिया, पटवारी हल्का निपनिया, तहसील हुजूर नगर, जिला रीवा (म.प्र.) के वर्तमान भूमिस्वामी जितेन्द्र कुमार कुशवाहा तनय श्री फूलचंद्र कुशवाहा ने पूर्व भूमिस्वामी अब्दुल राशिद तनय अब्दुल खालिख निवासी 637/2 निपनिया, कीर्ति कांति प्रेस के पास पुष्पराज नगर, तहसील हुजूर, जिला रीवा म.प्र. से जरिये ई-रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र दिनांक 18.07.2023 को ई-पंजीयन क्र. MP328492023A12146446 जो उप-पंजीयक कार्यालय रीवा से क्रय की थी एवं अब्दुल राशिद तनय अब्दुल खालिख ने पूर्व भूमिस्वामी 1. श्री चुन्नीलाल तनय श्री पचिया, 2. श्री राम कुमार तनय श्री रामकृपाल, 3. श्री गोपाल तनय श्री पचिया, 4. श्रीमती सम्मी पत्नी श्री जगन्नाथ, 5. श्री विष्णू, 6 श्री महेश, 7 श्री मनोज तीनो के पिता श्री जगन्नाथ प्रजापति, 8 श्रीमती गंगाबाई पत्नी श्री लक्षिमन,, 9 श्री राजकुमार, 10 श्री मोहन, 11 श्री गोविंद तीनों के पिता श्री लक्षिमन निवासी ग्राम रैरा, तहसील मनगवा, जिला रीवा म.प्र. से उक्त भूमि को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र दिनांक 17.04.2015 को पंजीयन सीरियल क्र. 475, ग्रंथ नं. 10461 पुस्तक अ-1, फोलियो 05, पेज नं. 99 से 103 जो उप-पंजीयक कार्यालय रीवा से क्रय की थी जिसकी मूल रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र कहीं गुम हो गई हैं।, जितेन्द्र कुमार कुशवाहा तनय श्री फूलचंद्र कुशवाहा निवासी वार्ड नं. 10/293 घोड़ा चौराहा, तहसील हुजूर, जिला रीवा म. प्र. द्वारा उक्त भूमि को इक्विटास स्मॉल फाइनेंश बैंक शाखा रीवा से ऋण प्राप्त करने हेतु बंधक की जा रही हैं जिस किसी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था या अन्य उपक्रम को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 17.04.2015 को पंजीयन सीरियल क्र. 475, ग्रंथ नं. 10461 पुस्तक अ-1, फोलियो 05, पेज नं. 99 से 103 के संबंध में किसी व्यक्ति, बैंक वित्तीय संस्था या अन्य उपक्रम को किसी भी तरह की कोई आपत्ति है तो वह सूचना प्रकाशन दिनांक से 3 दिवस के अंदर निम्न पते पर अपनी लिखित आपत्तिमय दस्तावेजों सहित प्रस्तुत करें अन्यथा मुद्दत अवधि उपरांत मेरे पक्षकार इक्विटास स्मॉल फाइनेंश बैंक शाखा रीवा द्वारा संपत्ति को बंधक रखकर ऋण प्रदान कर दिया जावेगा, तदुपरान्त किसी भी तरह की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बन्धनकारी नहीं होगी।

दिनांक: 24.02.2026

सुनील कुमार मिश्र,
एडवोकेट
चेम्बर नं0 12 नवीन अधिवक्ता भवन कोर्ट
परिसर रीवा (म.प्र.)
मो. नं., 8435691666, 9424315715

RN- 83368

कार्यालय नगर परिषद सिरमौर, जिला-रीवा (म॰प्र॰)

Email ID- cmosirmor@mpurban.gov.in

क्रमांक/2384/राजस्व/न.परि./2025 सिरमौर, दिनांक 31.12.2025

//इस्तहार//

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निकाय के स्वामित्व की दुकान क्रमांक 35 जो किराये पर पूर्व में अनुबंध द्वारा स्व. सविता गुप्ता पति महेन्द्र गुप्ता के नाम आबंटित की गयी थी की दुकान आबंटी एवं उनके पति मृत्यु उपरांत उक्त दुकान का नामांतरण उनकी पुत्र सागर गुप्ता के नाम किये जाने का आवेदन प्राप्त हुआ है यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस्तहार प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर प्रमाणित दस्तावेजों के साथ कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकतें है।

समयावधि व्यतीत होने पर कोई भी आपत्ति/ दावा विचार नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद सिरमौर
जिला – रीवा (म.प्र.)

कार्यालय नगर परिषद बैकुण्ठपुर जिला– रीवा (म.प्र.)

Email - cmobaikuntpur@mpurban-gov-in

क्रमांक / 1545/न.परि. / निविदा/2025 बैकुण्ठपुर, दिनांक 16.02.2026

ई – निविदा सूचना

कार्यालय नगर परिषद बैकुण्ठपुर जिला रीवा म.प्र. द्वारा म.प्र. न.पा. अधिनियम 1961 (लेखा नियम 2018 के नियम 119 अन्तर्गत) अकुशल, अर्द्धकुशल, कुशल एवं उच्च कुशल (सफाई श्रमिक एवं अन्य आवश्यकतानुसार) मेनपावर की सेवाएं हेतु पंजीकृत एजेंसी से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि	अनुमानित राशि (लाख में)	निविदा अमानत राशि (EMD)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	2026_UAD_483667_1	अकुशल, अर्द्धकुशल, कुशल, उच्च कुशल (आवश्यकतानुसार) मेनपावर की सेवाएं प्रदान करना	12 माह	40.00 लाख	50000/–	5000/–

निविदा प्रपत्र व कार्य की विस्तृत शर्तें www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा 23.02.2026 से 23.03.2026 सायं 06:00 तक प्राप्त की जा सकती है। प्रकाशन उपरांत निविदा में कोई भी परिवर्तन/ संशोधन ऑनलाइन ई–टेण्डर पोर्टल पर ही किया जायेगा।

(श्रीमती मीना तीरथ गुप्ता)
अध्यक्ष
नगर परिषद बैकुण्ठपुर
जिला–रीवा (म.प्र.)

श्रीमती निधि राजपूत
मुख्य नगर पालिक अधिकारी
नगर परिषद बैकुण्ठपुर
जिला–रीवा (म.प्र.)

कटनी पुलिस ने जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन कर सुनी समस्याएं

कटनी। नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को प्रत्यक्ष रूप से सुनने तथा उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में पुलिस कंट्रोल रूम कटनी में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित हुए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा प्रत्येक प्रकरण में शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को स्पष्ट एवं आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्राप्त 25 शिकायतों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, साइबर अपराध, महिला उत्पीड़न एवं थानों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। पुलिस अधिकारियों ने एक-एक कर सभी फरियादियों की बात सुनी और निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार समयबद्ध निराकरण किया जाए। कटनी पुलिस व्दारा आयोजित जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं को सीधे सुनकर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करना है ताकि किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से थानों के चक्कर न काटने पड़ें। पुलिस कप्तान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समाधान पारदर्शी एवं संवेदनशील तरीके से किया जाए। जिन मामलों में त्वरित कार्रवाई आवश्यक हैए उनमें तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर शीघ्र निराकरण किया जाए।

कार्यालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी अनुभाग-मनगवां/ रायपुर कर्चु. जिला-रीवा (म.प्र.)

क्रमांक /06 / प्रवाचक / 2026
रायपुर कर्चु. दिनांक 23/02/26

आम इस्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा चोरगडी की आराजी संख्या 64/1/1, 1047, 1050 1059/1 1069/1, 1089/1, 1139, 1352, 1417/2, 1459, 1462 / 2, 1520/2, 1704 न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी का राजस्व प्रकरण क्रमांक 159/अ6 (अ) /2025*26 प्रचलित है जिसमें खसरे में दर्ज कुंती पुत्री हरिवंश पटेल के स्थान पर शीला पुत्री स्वर्गीय हरिवंश प्रसाद पटेल दर्ज कराए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अत: उक्त के संबंध में जिस किसी को भी आपत्ति हो इस न्यायालय के पेशी दिनांक 06/03/26 को स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष समर्थन प्रस्तुत कर सकते हैं अन्यथा की दशा में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

अनुविभागीय अधिकारी
तहसील रायपुर कर्च.
जिला–रीवा (म.प्र.)

RN- 83778

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

No./1816/22/D-12/MPRRDA/2026 Bhopal, Dated : 24.02.2026

AMENDMENT No.-1 To SHORT NIT No. 1768 (DPR CONSULTANCY OF BRIDGES)

This is to notify all prospective bidders that the name of the work/tender mentioned in the Notice Inviting Tender (NIT) for tender number 1768/22/D-12/Brg.DPR/2026 has been revised as follows:

Item	Details
Existing Tender Name	DPR CONSULTANCY OF BRIDGES under PMGSY-III
Revised Tender Name	DPR CONSULTANCY OF BRIDGES under PMGSY-IV

All other terms, conditions, and dates mentioned in the original tender document and the newspaper advertisement shall remain unchanged. For more details, please visit website **http://mptenders.gov.in** :

M.P. Madhyam/124619/2026 **CHIEF GENERAL MANAGER (Tender)**

नई परिवहन नीति के विरोध में बस ऑपरेटर्स ने 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल का किया ऐलान

कटनी। मध्यप्रदेश शासन की नई परिवहन नीति के विरोध में 2 मार्च 2026 से बसों की अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की गई है। इस संबंध में कटनी बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन द्वारा पत्रकारवार्ता आयोजित कर शासन के निर्णय का विरोध दर्ज कराया गया। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने बताया कि सरकार द्वारा 24 दिसंबर 2025 को लागू किए गए नए नियमों में संशोधन करते हुए 29 जनवरी 2026 से निजी बसों को अनुबंधित किए जाने की व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत शासन द्वारा प्रदेश में गठित 7 निजी कंपनियों के साथ बस संचालकों को अनुबंध करना अनिवार्य किया गया है।

बस आपरेटर्स एसोशिएशन के अध्यक्ष शुभ प्रकाश मिश्र ने बताया की सरकार इस नीति से अतिरिक्त कर एवं टैक्स के साथ-साथ बसों के परमिट का नवीनीकरण अब प्रत्येक 6 माह में कराना पड़ेगा, जबकि वर्तमान में निजी बसों के परमिट 5 वर्षों के लिए स्वीकृत होते हैं और उनका नवीनीकरण भी 5 वर्षों के लिए ही किया जाता है। नई व्यवस्था से बस संचालकों पर आर्थिक एवं प्रशासनिक बोझ बढ़ेगा। बस ऑपरेटर्स ने स्पष्ट कहा कि शासन द्वारा बनाई गई नई नीति को वापस लिया जाए। यदि शासन ने मांगों पर पुनर्विचार नहीं किया तो 2 मार्च से प्रदेशभर में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। पत्रकारवार्ता में एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज गुप्ता, मनोज कुमार चौरसिया, राजेंद्र मिश्रा, प्रदीप गुप्ता, यादवेंद्र मिश्रा, रामजी पांडे सहित सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा जिसका सीधा असर आम यात्रियों पर पड़ सकता है।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

राम श्याम वर वधु केन्द्र
डायरेक्टर-अम्ब्रीश उपाध्याय
मोबा. 7021777625, 9987606771
हमारे यहाँ सभी प्रकार के रिश्ते कराये जाते हैं-तलाकसुदा, विधुर, सर्विसमेन, बिजनेसमेन, गर्वमेन्ट, एम्प्लायी, मांगलिक, नॉन मांगलिक, कुण्डली मिला के करवाये जाते हैं। पता-वार्ड नं. 4, निर्मल नगर के सामने, मंगलम् मैरिज गार्डन के बगल में चोरहटा रीवा (म.प्र.) 486006
RN-83161(28/2)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/6838/स्टोर/2026 रीवा, दिनांक 23.02.2026

निविदा आमंत्रण सूचना वर्ष 2025-26

प्राचार्य शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु पुस्तकालय में पुस्तकों के क्रय हेतु निविदा दिनांक 01.03.2026 शाम 04.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार निविदा की विस्तृत शर्तें निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी पुस्तकालय एवं महाविद्यालय की वेबसाइट www.trscollege.com से प्राप्त कर सकते है।

प्राचार्य
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय
रीवा (म.प्र.)

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-सी-2026-31 | **अनुमानित लागत रु :** 6582257.12

कार्य का नाम : बीना-झाँसी-कंस्ट्रक्शन ऑफ़ ट्रैक मशीन साइडिंग एट खजराहा एंड माताटीला स्टेशन।

अमानत राशि : 131700.00 | **निविदा बन्द होने की तिथि :** 16.03.2026 at 15:00 hrs.

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह

• निविदा **दिनांक 16.03.2026 को 15:00 बजे तक** ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। 407/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

कार्यालय प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल– ce.tender.wrdmp@gmail.com
फोन– 0755–2767635 फेक्स–0755–2552406

निविदा सूचना कमांक –1202/2025–26/प्रमुख अभियंता/ई–टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक/ 3.02.2026

निम्न कार्यो हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 09.03.2026 को 17:30 बजे तक कय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2026_WRD_479754	समृद्धि योजना (कमाण्ड विकास का आधुनिकीकरण) के अंतर्गत बहुती MCAD Phase -2 Cluster (PPIN) में किसान संबंध ऐजन्सी (FRA) की भागीदारी के कार्य।	रीवा	158.45

G-26321/25

मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय, आयुक्त अनुसूचित जाति विकास मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश शासन

35–राजीव गाँधी भवन, श्यामला हिल्स, ओपाल (म.प्र.)–462001
cscd.bhopal@mp.gov.in : 0755–2661949

शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय
प्रवेश सूचना (वर्ष 2026–27)
कक्षा–6वीं

आवेदन प्रारंभ तिथि: 02/03/2026 आवेदन की अंतिम तिथि : 31/03/2026

शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय इन्दौर, उज्जैन, भोपाल, होशंगाबाद, ग्वालियर, मुरैना, सागर, जबलपुर, रीवा एवं शहडोल में प्रवेश हेतु विज्ञप्ति। प्रत्येक विद्यालय हेतु जाति वर्गवार उपलब्ध सीट निम्नानुसार है:–

कक्षा	अनुसूचित जाति		अन्य वर्गो के गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले		कुल	
	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका
1	2	3	4	5	6	7
6वीं	36	36	4	4	40	40

नोट:–

1. उपरोक्त सीट संख्या परिवर्तनीय है।
2. प्रत्येक विद्यालय में कक्षा 6वीं में स्वीकृत सीट का 3% (तीन प्रतिशत) दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु आरक्षित रहेगा। दिव्यांग विद्यार्थी उपलब्ध न होने पर उक्त सीट अन्य विद्यार्थियों द्वारा भरी जा सकेगी।
3. शासकीय ज्ञानोदय आवासीयों में शिक्षण एवं आवासीय सुविधाएँ नि:शुल्क हैं। शासन द्वारा निर्धारित दर पर छात्र–छात्राओं को मासिक शिष्यवृत्ति और पोषण आहार भत्ता प्रतिमाह दिया जाता है, जिसके आधार पर नि:शुल्क भोजन व्यवस्था उपलब्ध करायी जाती है।

पात्रता:–

1. छात्र–छात्रा को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए।
2. छात्र–छात्राओं को प्रवेश लेने हेतु पूर्व कक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक अथवा समतुल्य ग्रेड प्राप्त होना अनिवार्य है।

प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम:–

क्र.	विवरण	प्रस्तावित दिनांक	प्रस्तावित समय
2	MPTAASC Portal के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन करने की प्रारंभ तिथि	02–03–2026	
3	ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि	31–03–2026	
4	आवेदन में संशोधन करने की अंतिम तिथि	05–04–2026	
5	प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की प्रारंभिक तिथि	09–04–2026	
6	प्रवेश परीक्षा की दिनांक एवं समय	19–04–2026	10:00am to 01:00pm

परीक्षा केन्द्र:–समस्त जिला मुख्यालय।

आवेदन प्रक्रिया:–

1. कक्ष 5वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी विभागीय वेबसाईट http://www.tribal mp.gov.in/mptaasc के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। 2. कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आयोजित परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों द्वारा किसी भी प्रकार का कोई–आवेदन शुल्क देय नहीं होगा। 3. प्रवेश हेतु प्रत्येक विद्यार्थी कम से कम तीन विद्यालयों में प्रवेश हेतु प्राथमिकता क्रम दे सकता है। विद्यार्थियों के प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंक एवं उनके द्वारा अंकित प्राथमिकता क्रम के आधार पर शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय आवंटित किये जायेंगे। 4. मेरिट सूची में चयनित होने एवं न्यूनतम योग्यता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने विकल्प के अनुसार विद्यालयों में रिक्त सीट के विरुद्ध चयन हेतु पात्र होंगे।

अपर आयुक्त
अनुसूचित जाति विकास, मध्यप्रदेश

G-26321/25

संक्षिप्त खबरें

कॉटन मिल कांग्रेस के जमाने में हुई बंद : सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के हित में जितना काम किया है,उतना किसी दूसरी सरकारों द्वारा नहीं किया गया। अगर हकीकत की बात करें,तो सबसे ज्यादा कॉटन मिल कांग्रेस सरकार के जमाने में बंद हुई है। विधानसभा परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए सीएम ने कहा कि कांग्रेस को किसान महासम्मेलन करने से ज्यादा स्वयं आत्ममंथन करना चाहिए कि उनकी सरकारों ने किसानों के लिए क्या किया। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश का गठन 1956में किया गया था,उसके बाद से वर्ष 2002-03 तक सिंचाई का रकबा केवल साढ़े सात लाख हेक्टेयर था,इसलिए बाद दिसम्बर 2023 में वे जब मुख्यमंत्री बनें,तब यह बढ़कर 44 लाख हेक्टेयर हो गया। इसमें जल्द ही 10 लाख हेक्टेयर की वृद्धि और होगी। सीएम ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी जिस डील की बात कर रहे है,वह पूरी तरह से किसानों और देश के हित में है। यूरोपियन यूनियन के साथ पिछले दिनों जो अनुबंध किया गया है,उससे किसानों की आय बढ़ेगी। सतना,रतलाम,उज्जैन, इंदौर और ग्वालियर की मिलों में ताले कांग्रेस के समय लगे,जिससे किसानों और मजदूरों को नुकसान उठाना पड़ा,उनकी जीविकाएं छीन गई। हमारी सरकार ने ऐसे मजूदरों का बकाया भी चुकाया है,तो नए निवेश के जरिए रोजगार के साधन भी उपलब्ध कराए है।

सेमिनार का हुआ आयोजन

भोपाल। आगामी सिंहस्थ-2028 के सुरक्षित और सुचारू आयोजन के लिए रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से सोमवार को उज्जैन में पुलिस विभाग द्वारा एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में आगामी सिंहस्थ की चुनौतियों, तैयारियों, भीड़ एवं यातायात प्रबंधन तथा बल और सामग्री प्रबंधन (लॉजिस्टिक्स) को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मंथन किया गया। सेमीनार का उद्घाटन श्री उपेंद्र जैन द्वारा किया गया। उन्होंने 2004 के संघर्ष के दौरान चुनौतियों और चुनौतियों के संबंध में की गई विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए अत्यधिक तकनीक के इस्तेमाल की आवश्यकता पर बल दिया गया।

बाघ मृत्यु संबंधी अपडेट वेबसाइट पर रहेंगे उपलब्ध

भोपाल । मध्यप्रदेश में वन विभाग बाघों और उनके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रदेश में प्राकृतिक एवं अप्राकृतिक कारणों से होने वाली बाघ मृत्यु की प्रत्येक घटना पर केंद्र सरकार के राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (नई दिल्ली) तथा मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, मध्यप्रदेश द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप विधिवत कार्रवाई की जाती है संरक्षण प्रयासों में और अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए विभाग ने वर्ष 2025 एवं वर्ष 2026 (15 फरवरी तक) में घटित सभी बाघ मृत्यु प्रकरणों से संबंधित जानकारी आमजन की जानकारी के लिये विभागीय वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। भविष्य में भी इस जानकारी को समय-समय पर अद्यतन किया जाएगा यह कदम पारदर्शिता को सुनिश्चुत करने के साथ ही 'टाइगर स्टेट' की गौरवपूर्ण पहचान को और अधिक सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। केन्द्र सरकार द्वारा कराए गए वर्ष 2022 के बाघ आकलन के अनुसार देश में कुल 3,682 बाघ हैं, जिनमें से सर्वाधिक 785 बाघ (एक वर्ष से अधिक आयु के) मध्यप्रदेश में पाए गए हैं। यह उपलब्धि केंद्र एवं राज्य सरकार तथा वन विभाग के दशकों से किए जा रहे सतत एवं वैज्ञानिक प्रयासों का परिणाम है अधिक संख्या में बाघ होने के कारण प्राकृतिक मृत्यु स्वाभाविक है।

उन्नत खेती करें किसान: मंत्री एदल सिंह कंषाना

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि किसान कल्याण वर्ष 2026में कृषि नवाचार और उन्नत खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में कृषि विज्ञान मेलों का आयोजन किया जा रहा है। कृषि, उद्यानिकी, तकनीक विस्तारण एवं तिलहन मिशन में जिला स्तर पर कृषि विज्ञान मेले आयोजित किया जा रहे हैं। इन मेलों का लाभ उठाकर किसान निरंतर उन्नत खेती करें और प्रदेश की समृद्धि में अपना योगदान दें। कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि मेलों का उद्देश्य कृषकों को उन्नत कृषि तकनीकों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, मूल्य संवर्धन, विपणन, सूक्ष्म सिंचाई नरवाई प्रबंधन, तिलहनी-दलहनी फसलों के विस्तार तथा आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी प्रदान करना है। कृषि विज्ञान मेलाच्च किसानों को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने की दिशा में विशेष महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किसानों की समृद्धि और कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस दफ्तर में हुए प्रदर्शन पर हंगामा

शोर-शराबे के बीच तीसरा अनुपूरक बजट पारित, चलते रहे आरोप-प्रत्यारोप

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा सत्र के छठवें दिन सदन में जहां विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा प्रारम्भ हुई,तो तीसरा अनुपूरक बजट भी पारित कर दिया गया। इस बीच एआई समिट को लेकर कांग्रेस दफ्तरों में हुए प्रदर्शन को लेकर दोनों पक्षों के बीच जमकर बहस हुई,जिससे हंगामे जैसी स्थिति निर्मित हो गई। दरअसल सदन में जब विभागों के अनुदान मांगों को लेकर चर्चा की जा रही थी,तभी कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि कानून व्यवस्था को लेकर सवाल किए। उन्होंने कहा कि राज्य की कानून व्यवस्था ऐसी है कि कांग्रेस के दफ्तरों में हमले हुए और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोगों ने कांग्रेस कार्यालय में जाकर हमला किया है। इस पर सागर से भाजपा विधायक शैलेन्द्र जैन ने एतराज जताया और कहा कि ऐसे समय में जब विदेशी मैदान एआई समिट में मौजूद थे,तब कांग्रेस के लोग आपत्तिजनक हरकतें कर रहे थे।जैन का जवाब सुनकर कांग्रेसियों ने सरकार पर आरोप लगाने शुरु कर दिए। बहस के बीच शेखावत ने कहा कि चीन के कुत्ते को लाकर अपने यहां का कुत्ता बताया गया ,क्या यहां कुत्तों की कमी है। इस टिप्पणी के बाद सदन में हंगामा और तेज हो गया।

राहुल के दौरों का भी उठा मामला

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि कांग्रेस हर समय सेंसेशनल खबरें बनाती है और केवल राजनीति करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के दौरे जब भी होते है,केवल फोटो ऑपच्युनिटी तक ही सीमित रहते है। न तो राहुल गांधी को जनता के हितों की चिंता रहती है और न ही उनके नेताओं को। राहुल का न तो खेती से कोई सरोकार है और न ही वे किसान या खेतों के हितों का उनके द्वारा ध्यान ही दिया गया। राहुल से लेकर कांग्रेस ने प्रदेश स्तर के नेताओं का केवल एक ही काम है,कि किस तरह से वे सुर्खियों में बने रहने की लिए राजनीति करे,उन्हें कांग्रेस की जमीनी मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं है।

तीसरा अनुपरक बजट मंजूर

इससे पहले सदन ने वर्ष 2025-26 के तीसरे अनुपूरक बजट की अनुमानित मांगो पर चर्चा हुई। जिसके उपरांत सदन ने 15,958 करोड़ 69 लाख 30 हजार रुपए की अनुपूरक राशि को मंजूरी प्रदान कर दी। इसी तरह सदन में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के प्रस्ताव पर मध्यप्रदेश विनियोग विधेयक 2026 को भी पारित कर दिया गया।

प्रदेश स्तर पर सामान खरीदेगा जनजातीय विभाग

जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विभाग के कार्यों में अब कलेक्टरों के अधिकार कम होने जा रहे हैं। कलेक्टरों द्वारा की जा रही कलाकारी से बड़े काम भी टुकड़ों में जिले से ही मंजूर किए जा रहे थे। इससे निचले स्तर पर भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आ रहीं थीं। जनजातीय कार्य विभाग मंत्री विजय शाह ने सदन में ऐलान किया कि अब एक लाख से अधिक का सिंगल सामान कलेक्टर खुद नहीं कर सकेंगे। निर्माण या विकास कार्य में जरूरी कोई सामान यदि एक लाख रुपए से अधिक की कीमत का है तो उसका प्रदेश स्तर पर टेंडर किया जाएगा। मंत्री शाह ने बालाघाट से कांग्रेस विधायक मधु भगत के प्रश्न के जवाब में माना कि कई कलेक्टरों ने टुकड़ों में 25-25 हजार की खरीदी कर बड़े काम भी खुद ही कर लिये।

सीएम के विभागों के अनुदान मांगों पर चर्चा पूरी

सदन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़े विभागों की अनुदान मांगों और विपक्ष के कटौती प्रस्ताव को लेकर चर्चा पूरी कर ली गई। गृह, सामान्य प्रशासन, पर्यावरण, विमानन, जेल, वन, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, विधि और विधायी कार्य,जनसंपर्क सहित सीएम के 15 विभाग है। जिनकी अनुदान मांगों को लेकर चर्चा पूरी हो गई। इसी तरह श्रम,ग्रामीण विकास,पंचायत,नगरीय विकास एवं आवास,राज्य विधान मण्डल और लोक निर्माण विभाग की अनुदान मांगों पर भी चर्चा पूरी की गई।

यूएस राष्ट्रपति ट्रम्प का मुखौटा पहन कांग्रेसियों ने किया ट्रेड डील का विरोध

विशेष संवाददाता,भोपाल। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सोमवार को कांग्रेस विधायक दल के सदस्यों ने अमेरिका के राष्ट्रीय डोनाल्ड ट्रंप के चेहरे का मुखौटा पहनकर प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका से प्रस्तावित ट्रेल डील से मध्यप्रदेश सहित देश भर के किसानों को नुकसान होगा। बजट सत्र के छठवें दिन कांग्रेस विधायक दल ने विधानसभा परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के सक्षम भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर प्रदर्शन किया। नेताओं ने कहा कि यह डील देश और किसानों के हित में नहीं है और इसका गंभीर प्रभाव हमारे किसानों,कृषि मंडियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि यह प्रदर्शन राजनीतिक विरोध मात्र नहीं है,बल्कि देश के अन्नदाताओं के अधिकार,सम्मान और भविष्य की रक्षा के लिए उठाई गई सशक्त आवाज है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील हमारे किसानों के लिए एक बड़ा खतरा बनकर सामने आ रही है,यदि सस्ता विदेशी सोयाबीन,मक्का और कपास भारतीय बाजार में प्रवेश करता है,तो इसका सीधा और गंभीर प्रभाव हमारे मेहनतकश किसानों,कृषि मंडियों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर जाएगा। सिंघार ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां लगातार किसान विरोधी रही हैं। कांग्रेस पार्टी किसानों के हितों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करती रहेगी और अन्नदाताओं के साथ किसी बी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते से पहले देश के किसानों के हितों की व्यापक सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए तथा कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने वाले प्रावधानों पर पुर्नविचार किया जाए।

मुख्यमंत्री विवाह-निकाह में आड़े आ रहा गरीबी का बंधन, नहीं मिल रहे गरीब जोड़े

सामाजिक न्याय मंत्री के जिले में ही नहीं मिला एक भी जोड़ा बंधन हटाने की मांग

जागरण, भोपाल। गरीब कन्याओं के विवाह कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के आयोजन में गरीबी ही आड़े आ रही है। बीपीएल का बंधन होने के कारण कई जिलों में विवाह व निकाल के लिए एक भी जोड़ा नहीं मिल पा रहा। हालत यह है कि एक भी बीपीएल जोड़ा नहीं मिलने से योजना चलाने वाले सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण विभाग के मंत्री नारायण सिंह कुशवाह के गृह जिले में ही इस बंधन के कारण मुख्यमंत्री कन्या विवाह नहीं हो पाए। वहीं कई जिलों में संख्या का बंधन के कारण कई जोड़े फेरे और निकाह करने से छूट गए। यह रोचक मामला कांग्रेस विधायक सतीश सिंह सिकरवार ने सोमवार को प्रश्नकाल में उठाया। उन्होंने अपने प्रश्न में सरकार से पूछा कि क्या बीपीएल कार्ड की अनिवार्यता करने से इस योजना में विवाह-निकाह आयोजन ही रुक गए हैं। बीपीएल के बंधन के कारण निर्धन वर्ग के लोगों के ही विवाह नहीं हो पा रहे हैं। सदन में भी सिकरवार ने आपत्ति जताते हुए कहाकि इस बंधन के कारण जोड़े ही नहीं मिल पा रहे हैं। स्वयं विभागीय मंत्री कुशवाह के ग्वालियर में ही योजना के लिए जोड़े नहीं मिल सके हैं। यह बंधन हटाया जाए। साथ ही उन्होंने योजना में अधिकतम 100 और 200 जोड़ों के विवाह का बंधन भी हटाने की मांग की। इस पर सामाजिक न्याय मंत्री कुशवाह ने कहाकि कई जिलों में विवाह और निकाल में फर्जीवाड़े की शिकायत मिल रही थीं।

विपक्ष के भी कई विधायकों ने पत्र लिखकर शिकायत की है कि योजना में मिलने वाली राशि और उपहारों के चक्कर में बहुत से लोग दूसरी बार शादी करने पहुंच गए। इसे रोकने के लिए संख्या सीमित की गई है। वहीं उन्होंने बताया कि 2020 में शुरू की गई इस योजना में अब तक 1 लाख 94 हजार 146 विवाह व निकाह हो चुके हैं। उन्होंने बीपीएल का बंधन हटाने से मना करते हुए कहाकि हर योजना में मापदंड रखना होते हैं। बावजूद इसके कांग्रेस के सदस्य बीपीएल और संख्या का बंधन हटाने की मांग करते रहे।

श्रमिक परिवार के छात्रों को छात्रवृत्ति देने बनेगी योजना

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार असंगठित श्रमिकों के पुत्र-पुत्रियों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति देने जल्द योजना तैयार करेगी। यह निर्णय सोमवार को म.प्र. असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल की चतुर्थ बैठक में लिये गये। श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल की मौजूदगी में मंत्रालय में हुई बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि उन के द्वारा ऐसी योजना तैयार कराई जाए जिसमें असंगठित क्षेत्रों के ऐसे श्रमिकों के बच्चे जिन्होंने कक्षा 10 वीं की परीक्षा में प्रावीण्य सूची में स्थान हासिल किया है, उन्हें उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दी जा सके। इसके लिए 100 छात्रों को छात्रवृत्ति देने की बात कही गई है। बैठक में श्रमिकों का मुख्यमंत्री श्रम श्री स्वास्थ्य अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण करने एवं उसका डिजिटल हेल्थ रिकार्ड रखने की भी बात कही गई। अभियान के तहत श्रमिकों के 25 वर्ष से कम उम्र के बच्चों तथा 50 वर्ष से अधिक उम्र के श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण प्राथमिकता से किया जायेगा। मंडल के आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्राक्कलन को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को श्रमणा योजना अंतर्गत सहकारी समिति बनाकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिये अवसर प्रदान करने के लिये एक करोड़ राशि का प्रावधान मंडल के बजट में करने का निर्णय लिया गया।

बंदी पुर्नवास के प्रयास किए जाएं: राज्यपाल

विसं भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि बंदी पुर्नवास प्रयासों को समग्रता और बहुआयामी स्वरूप में किया जाना चाहिए। कार्य का दृष्टिकोण मानवतावादी हो। भाव संवेदनशील और विचारशील होना जरूरी है। पटेल सोमवार को लोकभवन में गृह एवं जेल विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह शिव शेखर शुक्ला, राच्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, विशेष महानिदेशक जेल अखितो सेमा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। पटेल ने अधिकारियों से कहा कि बंदी उत्पादक गतिविधियों के द्वारा बंदियों के परिवारों के जीवन निर्वाह में आर्थिक सहयोग के उद्देश्य से नियोजन गतिविधियों का संयोजन किया जाए।

भोपाल में दो घंटे बिताएंगे खरगे व राहुल

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मंगलवार 24 फरवरी को भोपाल में किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। जिसके जरिए कांग्रेस अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील का विरोध किया जाएगा। पार्टी विधायकों और प्रदेश पदाधिकारियों को सम्मेलन में किसानों को शामिल कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस के दोनों वरिष्ठ नेता दोपहर तकरीबन 12:30 भोपाल पहुंचेंगे। एयरपोर्ट में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित दूसरे नेता उनका स्वागत करेंगे। यहां से दोनों नेता सीधे अटल पथ जाएंगे,जहां किसान सम्मेलन में उनके द्वारा शिरकत की जाएगी।

लाल परेड की नहीं मिली अनुमति : जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस ने किसान सम्मेलन के आयोजन के लिए जिला प्रशासन से लाल परेड मैदान की अनुमति मांगी थी,लेकिन विधानसभा सत्र के वजह से प्रशासन ने लाल परेड़ में सम्मेलन करने की अनुमति प्रदान नहीं की,जिससे कांग्रेस को अटल पथ आयोजन स्थल बनाना पड़ा।

जीतू पटवारी- उमंग सिंघार के नेतृत्व में पहला कार्यक्रम

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के दो वर्ष के कार्यकाल का राजधानी में यह पहला बड़ा आयोजन होगा। जिससे इन नेताओं पर सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाने का दवाब है। बताया गया है कि सिंघार ने अपने विधायकों को 200 से 500 तक किसान, कार्यकर्ता और युवाओं को भोपाल लाने का लक्ष्य दिया है। विधायक बुधवार-गुरुवार को ही अपने-अपने क्षेत्र चले गए थे,जहां उन्होंने सम्मेलन में किसानों को लाने की तैयारी की है।

यूजीसी नेट देने वाले विद्यार्थियों को बीयू से पीएचडी करने रिजल्ट का इंतजार

कल से 28 फरवरी तक होंगे आरडीसी साक्षात्कार

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल । बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की करीब डेढ हजार पीएचडी की सीटों पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी नेट) के स्कोर के आधार पर पीएचडी में प्रवेश मिलेगा। बीयू के पास पांच फैकल्टी की करीब 40 विषयों में पीएचडी कराएगा। इसमें सबसे ज्यादा सीटें मैनेजमेंट में दी गई हैं। जबकि लिम्नोलाजी, वूमन स्टडी और डांस में सीटें रिक्त ही नहीं है। बीयू द्वारा पीएचडी प्रवेश सत्र 2025-26 के तहत आरडीसी साक्षात्कार की तारीख घोषित कर दी गई हैं। गत वर्ष चार सितंबर के तहत प्राप्त आवेदनों के आधार पर पात्र 600 विद्यार्थियों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया है। कुलपति की स्वीकृति के बाद विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों में 25 से 28 फरवरी तक आरडीसी साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। उक्त विद्यार्थियों को निर्धारित समय-सारिणी अनुसार उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। यह प्रक्रिया प्रवेश की आगामी औपचारिकताओं के लिए अनिवार्य होगी। इससे टीचिंग लाइन की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। यूजीसी ने रिसर्च की गुणवत्ता भी बढाने के लिए नेट के माध्यम से निजी और स्वशासी विश्वविद्यालयों की पीएचडी की सीटों पर प्रवेश कराने का निर्णय लिया है। यूजीसी नेट की परीक्षा हो चुकी है। उसके रिजल्ट आना शेष है। बीयू रिक्त सीटों पर प्रवेश कराने के लिए मार्च से आवेदन जमा कराना शुरु करेगा। इसकी मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों को सीटें आवंटित की जाएंगी।

पांच फीसदी ही देते हैं नेट

यूजीसी के निर्णय से पीएचडी करने वालों के आंकडों में तेजी से गिरावट भी आ सकती है। सूबे में एक लाख विद्यार्थी हर साल पोस्ट ग्रेजुएशन की पढाई करते हैं, लेकिन इनमें से मात्र पांच प्रतिशत ही यूजीसी नेट की परीक्षा में शामिल होते हैं। यूजीसी नेट में केवल वही अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं, जिन्होंने पीजी में 55 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। ऐसे में साफ तौर पर यह कहा जा सकता है कि पीएचडी करने वालों की संख्या में भी कमी आएगी, जिसका सीधा लाभ निजी विवि को मिलेगा।

साल में दो बार होती है परीक्षा

यूजीसी नेट परीक्षा (नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट) साल में दो बार जून और दिसंबर में आयोजित की जाती है। बीयू अधिकारियों का कहना है कि दिसंबर परीक्षा में सभी रिक्त सीटों पर प्रवेश नहीं होते हैं, तो छह माह बाद होने वाली परीक्षा से रिक्त सीटों के लिऐ विद्यार्थियों को चयनित किया जाएगा। नेशनल टेस्ट एजेंसी (एनटीए) औसतन प्रत्येक क्षेत्र में छह प्रतिशत आवेदकों का चयन करता है।

> यूजीसी द्वारा निर्धारित किए गए मापदंड के मुताबिक बीयू पीएचडी की सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। सभी सीटों पर यूजीसी नेट के माध्यम से ही प्रवेश होंगे।
>
> **प्रो समर सिंह**
> **कुलसचिव, बीयू**

समस्या सीएसई के आवेदन करने भटक रहे युवा, 933 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि

यूपीएससी की वेबसाइट का सर्वर डाउन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित होने वाली सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2026 के लिए मंगलवार की शाम छह बजे तक आवेदन जमा किए जा सकते हैं। गत दो दिनों से सर्वर डाउन होने के कारण परीक्षा की तैयारी कर रहे पात्र युवा आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। वे आवेदन जमा करने के लिए यहां वहां भटक रहे हैं। उम्मीदवार परीक्षा से आईएएस, आईपीएस और आईएफएस जैसे उच्च पदों पर जाने का सपना देख रहे हैं। उनके लिए मंगलवार आवेदन करने का अंतिम मौका है। यूपीएससी ने वर्तमान वर्ष के लिए कुल 933 रिक्ति पदों के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। आयोग ने आवेदन प्रक्रिया में कुछ बदलाव किए हैं। इसमें यूनिवर्सल रजिस्ट्रेशन नंबर (यूआरएन) और कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म (सीएएफ) जैसे नए मॉड्यूल शामिल हैं। इसलिए युवाओं को फॉर्म जमा करते समय पूरी सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है।

100 रुपये होगा आवेदन का शुल्क

शुल्क का भुगतान सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के पुरुष उम्मीदवारों को 100 रुपये का आवेदन शुल्क देना होगा। महिला, एससी, एसटी और दिव्यांग उम्मीदवारों को इस शुल्क से पूरी तरह छूट दी गई है। यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा 24 मई को रखी गई है। जबकि मुख्य परीक्षा 21 अगस्त 2026 से होगी।

सीयूईटी से मिलेगा फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी की सीटों पर प्रवेश

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) में आगामी सत्र 2026-27 में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) से प्रवेश दिया जाएगा। सीयूईटी से छात्र फोरेंसिक साइंस (बीएससी, एमएससी) में प्रवेश ले सकेंगे। गत वर्ष तक यूनिवर्सिटी में एनएफएटी (नेशनल फोरेंसिक एडमिशन टेस्ट) के माध्यम से प्रवेश मिलता था। सीयूईटी से सबसे बड़ा फायदा प्रदेश के विद्यार्थियों को होगा। क्योंकि अब अधिक से अधिक विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी में प्रवेश मिल सकेगा। क्योंकि विवि की प्रवेश परीक्षा में प्रदेश के विद्यार्थी भागीदारी नहीं कर पाते थे। जबकि सीयूईटी प्रदेश के कई विद्यार्थी भागीदारी करते हैं। अभी तक एनएफएटी में 90 प्रतिशत छात्र अन्य प्रदेशों के ही होते थे। सीयूईटी यूजी के लिए आवेदन अब 26 फरवरी तक होंगे। यह प्रवेश परीक्षा अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार 11 मई से 31 मई के बीच कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित की जाएगी।

पशु-पक्षियों के संरक्षण के लिए मप्र में बेहतर प्रयास

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पारिस्थितिकी तंत्र में सहयोगी पशु पक्षियों के संरक्षण के लिए मध्यप्रदेश में बेहतर प्रयास हो रहे है। हमारे यहां जहां बाघ, तेंदुआ और अन्य वन्य प्राणियों की सर्वाधिक संख्या है ,तो वहीं गिद्ध संरक्षण में भी राज्य देश में प्रथम है। सीएम ने यह बाते सोमवार को हलाली डेम क्षेत्र में लुप्तप्राय प्रजाति के 5 गिद्ध को प्राकृतिक आवास में मुक्त किया। इनमें चार भारतीय गिद्ध (जिप्स इंडिकस) और एक सिनेरियस गिद्ध (एजिपीयस मोनाकस) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में सभी प्रांतों से अधिक संख्या में गिद्ध पाए जाते हैं। इनमें प्रवासी गिद्ध भी शामिल हैं। इस मौके पर अनेक जनप्रतिनिधि विभागीय अधिकारी व आमजन मौजूद रहे। जिन्होंने सीएम का स्वागत किया।

एक सूत्र में जुड़ेगी मूल्य संवर्धन श्रृंखला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसान कल्याण वर्ष प्रदेश में खेत से लेकर कारखाने तक और बाग से लेकर बाजार तक की पूरी मूल्य संवर्धन श्रृंखला को एक सूत्र में जोड़ेगा। यह वर्ष प्रदेश के इतिहास में किसानों के हित और समग्र कल्याण के मामले में मील का पत्थर साबित होगा। अपने निवास से कृषि विश्वविद्यालय परिसर, ग्वालियर में हो रहे कृषि मंथन एवं कृषि प्रौद्योगिकी मेला 2026को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि इस वर्ष हम कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और इनमें वैल्यू एडिशन के लिए अधिकाधिक रोजगार आधारित उद्योगों के विकास, उन्नत किस्म के बीजोत्पादन, पशुपालन, दुग्धोत्पादन, मत्स्योत्पादन में वृद्धि सहित हर वो कदम उठाएंगे, जिनसे खेती और अन्नदाताओं का विकास हो।

अनुसूचित जनजाति समाज की उन्नति और सशक्तिकरण भाजपा की प्राथमिकता रही है : प्रदेशाध्यक्ष पंकज तेकाम

भाजपा अजजा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष का प्रथम आगमन, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

जागरण मंडला। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष पंकज तेकाम के प्रथम मंडला आगमन पर जिले में स्वागत रैली निकालते हुए नगर भ्रमण किया कटरा बायपास से लेकर भाजपा कार्यालय तक कार्यकर्ताओं का उत्साह देखा गया। जहां फूल-मालाओं और नारों के बीच प्रदेशाध्यक्ष सहित नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों का भव्य अभिनंदन किया गयाकटरा बायपास में उनके स्वागत को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह देखा गया । जैसे ही प्रदेशाध्यक्ष का काफिला पहुंचा, कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया इसके बाद कटरा से विशाल रैली निकाली गई, जो नगर भ्रमण करते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। वही नगर भ्रमण के दौरान महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया जिसके पश्चात रैली भाजपा कार्यालय पहुंची जहां उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रदेशाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से अभिनंदन कर संगठनात्मक एकजुटता का संदेश दिया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, रानी दुर्गावती, राजा शंकर शाह एवं राजा रघुनाथ शाह के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों में प्रदेशाध्यक्ष पंकज तेकाम, प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज मरकाम, मनोज आर्मो, प्रदेश महामंत्री सोहन सिंह, मंत्री संदीप कुलस्ते, एकता ठाकुर, जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, पूर्व विधायक देवसिंह सैयाम, रामप्यारे कुलस्ते, छाया विधायक डॉ. विजय आनंद मरावी, जिला महामंत्री नरेश चंद्रौल, अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष डॉ. विजय सर्वटे सहित अनेक वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घर वापसी जैसा अहसास : पंकज तेकाम

कार्यक्रम को संबोधित करते हुएअजजामोर्चा प्रदेशाध्यक्ष पंकज तेकाम ने अलग अंदाज में कहा कि कोई व्यक्ति दुनिया के किसी भी कोने में चला जाए, लेकिन अंत में वह अपने घर लौटता हैं मंडला और डिंडोरी मेरा अपना घर है, यहां आकर ऐसा लग रहा है जैसे अपने परिवार के बीच आया हूं। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति समाज की उन्नति और सशक्तिकरण भाजपा की प्राथमिकता रही है। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी सरकार ने गांव-गांव तक सड़क, बिजली, पानी और आवास जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई हैं। जब हमारी सरकार बनी, तब हमने संकल्प लिया कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचेगी। आज मंडला सहित पूरे प्रदेश में जो विकास दिखाई दे रहा है, वह उसी संकल्प का परिणाम है। श्री तेकाम ने कहा कि आदिवासी अंचलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में व्यापक काम हुआ है। वनाधिकार पट्टों का वितरण, जनजातीय छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजनाएं, आवास योजना और ग्रामीण सड़क निर्माण जैसे कार्यों ने जनजातीय क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में सेतु की भूमिका निभाएं।

पुलिस की बड़ी सफलता : 253 गुम मोबाइल रिकवर, 38 लाख के मोबाइल लौटाए

जागरण मंडला। पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा के निर्देशन में गुम मोबाइल फोन की शीघ्र बरामदगी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 24 फरवरी 2026 को पुलिस कंट्रोल रूम मण्डला में रिकवर किए गए मोबाइल उनके वैध धारकों को सुपुर्द किए गए।मुख्यालय स्तर पर थाना कोतवाली एवं थाना महाराजपुर क्षेत्र के 171 मोबाइल सहित जिले के विभिन्न थानों द्वारा बरामद कुल 253 मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 38 लाख है, हितग्राहियों को लौटाए गए। अपने गुम मोबाइल वापस पाकर नागरिकों ने मंडला पुलिस का आभार व्यक्त किया।

थाना स्तर पर विकेंद्रीकृत वितरण की पहल

आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला मुख्यालय के अलावा थाना स्तर पर भी मोबाइल फोन का डिसेंट्रलाइज्ड वितरण किया जा रहा है। इससे नागरिकों को शीघ्र और सरलता से उनके मोबाइल प्राप्त हो रहे हैं। विशेष रूप से ''कान्हा राष्ट्रीय उद्यान'' से लगे दूरस्थ क्षेत्रों में माइक्रोबीट अधिकारी स्वयं फरियादियों के घर पहुंचकर मोबाइल सुपुर्द कर रहे हैं।

दो वर्षों में 4 करोड़ से अधिक के मोबाइल बरामद

उल्लेखनीय है कि सीईआईआर एवं एनसीआरपी पोर्टल के प्रभावी उपयोग, साइबर डेस्क की सक्रियता और थाना स्तर पर गठित प्रशिक्षित टीमों के सतत प्रयासों से पिछले दो वर्षों में मंडला पुलिस द्वारा कुल 2767 मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 4 करोड़ 15 लाख है, रिकवर कर उनके वैध मालिकों को लौटाए जा चुके हैं।

मंडला पुलिस द्वारा आमजन को सीईआईआर पोर्टल के उपयोग और साइबर सुरक्षा के प्रति भी लगातार जागरूक किया जा रहा है, जिससे भविष्य में मोबाइल गुम होने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शफीक खान, थाना प्रभारी महाराजपुर जय सिंह यादव, साइबर सेल के अधिकारी-कर्मचारी, मोबाइल धारक, उनके परिजन एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

एनएसएस ने चलाया नशा मुक्ति अभियान

लवकुशनगर। शासकीय महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोदग्राम मढ़ा में सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया शिविर के छठे दिन 24 फरबरी को एन एस एस के स्वयं सेवकों ने गांव में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम चलाया जिसके तहत ग्रामीणों को नशा छोड़ने की बात समझाई गई तथा यह भी बताया गया कि नशा व्यक्ति के जीवन को ख़राब करता है जिससे ग्रामीण जागरूक हुए इस कार्यक्रम में एन एस एस प्रभारी डॉ बलराम चौरसिया ,एन एस एस सह प्रभारी डॉ भरत लाल चौरसिया ,डॉ ज्योति सिंह बघेल,डॉ सोना विश्वकर्मा,डॉ शीतल सिंह डॉ एन डी विल्सन , आशीष , आदित्य, पूनम रामप्रकाश सर श्री मति मीनाक्षी और इकाई के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की जनसुनवाई में ग्रामीणों ने उठाई मूलभूत सुविधाओं की मांग

छतरपुर। मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में ग्राम बर्बसपुरा पंचायत भवानीपुर तहसील चंदला में राजस्व के ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर आवेदन सौंपा। ग्रामीण मूलचंद यादव ने बताया है कि बर्बसपुरा में लगभग 125 से 200 तक हरिजन एवं गरीब परिवार निवास कर रहे हैं, जिनके पास आज तक राजस्व अभिलेखों में भूमि का स्पष्ट दर्जा नहीं है। इस संबंध में पूर्व में एसडीएम एवं तहसील कार्यालय में भी आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पक्की सड़क, पेयजल की समुचित व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पानी की टंकी या नल कनेक्शन नहीं होने से दूर-दराज से पानी लाना पड़ता है। स्कूल की व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से शीघ्र उचित कार्रवाई की मांग की है।

नई परिवहन नीति के खिलाफ बस ऑपरेटरों का विरोध तेज

मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जागरण, छतरपुर। मध्य प्रदेश सरकार की नई परिवहन नीति के विरोध में जिला बस आपरेटर एसोसिएशन यूनियन ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के समक्ष नारेबाजी की और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर अपनी नाराजगी जताई और 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी।

जिला बस ऑपरेटर यूनियन के अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री, मुख्य सचिव, सचिव परिवहन और परिवहन आयुक्त को ज्ञापन भेजा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नई परिवहन नीति बस ऑपरेटरों के खिलाफ है, जिससे उन्हें बेदखल किया जा रहा है। नीति के तहत शासन बसों को टेकओवर कर लेगा, ड्राइवर निजी ऑपरेटरों के रहेंगे लेकिन कंडक्टर शासन के हो जाएंगे। इससे कई समस्याएं उत्पन्न होंगी।

प्रदीप सिंह ने कहा कि यदि प्रशासन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देता तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। निजी बस संचालकों की दो प्रमुख मांगें हैं- सरकार द्वारा 24 दिसंबर 2025 को एमपीआरटीसी को चालू करने संबंधी जारी अधिसूचना को तत्काल वापस लिया जाए और बसों पर बढ़ाए गए टैक्स को यथावत रखा जाए। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में बस यूनियन के अध्यक्ष प्रदीप सिंह, अरविंद चौरसिया, भगवतशरण अग्रवाल, अरविंद गोस्वामी, हर्ष अग्रवाल सहित कई बस संचालक शामिल थे।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

जागरण मंडल। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला योजना भवन में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री शाश्वत सिंह मीना, डीएफओ पूर्व एस प्रीता, डीएफओ पश्चिम श्री एमएस मौर्य, एडिशनल एसपी श्री शिवकुमार वर्मा, एसडीएम मंडला सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

जिला खनिज अधिकारी हितेश बिसेन ने वर्ष के दौरान की गई कार्रवाई से अवगत कराते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के कुल 196 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इनमें खनिज विभाग के 137, राजस्व विभाग के 53 एवं पुलिस विभाग के 6 प्रकरण शामिल हैं। जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के कुल 173 प्रकरण दर्ज किए गए थे, जिनमें 73.92 लाख रुपये का अर्थदण्ड वसूला गया। वहीं वर्ष 2025-26 में अब तक 196 प्रकरणों में 91.65 लाख रुपये का अर्थदण्ड वसूला जा चुका है।बैठक में नवीन चिन्हित रेत खदानों के संबंध में वन विभाग से अप्राप्त प्रतिवेदनों पर भी चर्चा की गई तथा आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अवैध खनन पर सख्ती से कार्रवाई जारी रखने तथा संबंधित विभागों के समन्वय से प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

10 वर्षीय बच्ची से दुकानदार ने किया दुष्कर्म : नील लेने गई थी, दो दिन बाद मां को बताई पड़ोसी की करतूत

जागरण मंडला। मंडला जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र में एक 10 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पड़ोस के एक दुकानदार पर यह वारदात करने का आरोप है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, दो दिन पहले पीड़िता की मां ने अपनी बेटी को पास की दुकान से नील खरीदने भेजा था। बच्ची जब दुकान पर पहुंची, तो आरोपी दुकानदार ने उसे बहला-फुसलाकर दुकान के पीछे बने कमरे में बुला लिया। आरोप है कि दुकानदार ने बच्ची का मुंह दबाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी ने बच्ची को डराया-धमकाया और किसी को भी बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। डर के कारण बच्ची उस समय घर लौट आई और घटना के बारे में किसी को नहीं बताया। दो दिन बाद जब बच्ची सदमे से बाहर आई, तब उसने अपनी मां को पूरी घटना बताई। इसके बाद मां तुरंत बेटी को लेकर महाराजपुर थाना पहुंची और लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 65 (2), 127 (2), 351 (3) और पोक्सो एक्ट की धारा 5/6 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की विवेचना कर रही है।

दुष्कर्म का फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

जागरण मंडला। जिले के थाना टिकरिया पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अपराध क्रमांक 15/2026 में धारा 64(1), 127(2), 115(2), 351(2) बीएनएस एवं 3(1)(2)(द्ब), 3(1) एससी/एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।मामले में आरोपी संतोषदास बैरागी, निवासी इंदराटोला ग्राम अमदरा, थाना टिकरिया, जिला मंडला, घटना दिनांक 24.01.2026 से फरार चल रहा था। पुलिस द्वारा उसकी लगातार तलाश की जा रही थी। संभावित ठिकानों पर दबिश और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 24.02.2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस ने आरोपी को विधिवत न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। मामले की विवेचना एसडीओपी निवास द्वारा की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज गति से की जा रही है और आवश्यक साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं। पुलिस ने आश्वस्त किया है कि मामले में निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कन्या महाविद्यालय में धांधली के विरोध में प्रदर्शन

पुलिस से विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं की झड़प

छतरपुर। छतरपुर कन्या महाविद्यालय में चल रही अनियमितताओं और धांधली के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने महाविद्यालय की छात्राओं के साथ मिलकर प्राचार्य एच.डी. अहिरवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान एक कमीशन लेने संबंधित प्राचार्य का कथित ऑडियो वायरल होने का आरोप लगाते हुए कार्यकर्ताओं ने महाविद्यालय परिसर में ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की, जिससे विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं और पुलिस बल के बीच झड़प हो गई। छात्राओं और कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि महाविद्यालय में परीक्षा, प्रवेश और अन्य मामलों में गंभीर अनियमितताएं बरती जा रही हैं तथा प्राचार्य द्वारा कमीशन लेकर फैसले लिए जा रहे हैं। वायरल ऑडियो में प्राचार्य के कथित तौर पर पैसे लेने की बात सामने आई है, जिसने पूरे मामले को और गरमा दिया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि महाविद्यालय प्रशासन छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है और ऐसी धांधली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मांग की कि प्राचार्य के खिलाफ तुरंत कार्रवाई हो, जांच समिति गठित की जाए और दोषियों को सजा दी जाए। झड़प के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। घटना के बाद महाविद्यालय परिसर में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एटीएम बदलकर 36 हजार रुपये की ठगी, युवक ने एसपी से लगाई गुहार

छतरपुर। शहर में एक बार फिर एटीएम कार्ड बदलकर ठगी का मामला सामने आया है। ग्राम राठ निवासी देशराज यादव ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है कि अज्ञात व्यक्ति ने छलपूर्वक उनका एटीएम कार्ड बदल दिया और उनके खाते से 36,200 रुपये निकाल लिए।

देशराज यादव नगरपालिका परिषद छतरपुर में ड्राइवर के पद पर कार्यरत हैं। उनका खाता भारतीय स्टेट बैंक की छतरपुर शाखा में है। पीड़ित के अनुसार 16 फरवरी 2026 को वे पैसा निकालने बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम पहुंचे थे। यहां उन्होंने 5,000 रुपये निकाले। इसी दौरान उनके पीछे खड़ा एक अज्ञात युवक चालाकी से उनका एटीएम कार्ड बदल गया और पासवर्ड भी देख लिया।

आरोप है कि उसी दिन उनके खाते से कुल 36,200 रुपये निकाल लिए गए। जब 19 फरवरी को वे दोबारा एटीएम पर पहुंचे तो कार्ड अमान्य बताया गया। इस घटना के बाद पीड़ित ने 20 फरवरी को थाना सिविल लाइन में शिकायत दर्ज कराई।

देशराज यादव ने साइबर सेल से मामले की गहन जांच कर ठग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस इस घटना की जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य सुरागों के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है।

अधिवक्ताओं ने पुलिस के खिलाफ दूसरे दिन भी किया चकाजाम

कटनी। पिछले कुछ दिनों से अधिवक्ताओ पर हों रहे बिना जांच के मुकदमो को लेकर जमकर आक्रोश पैदा हों गया है अभी दो दिन पूर्व अधिवक्ता मनु तिवारी के खिलाफ एनकेजे पुलिस द्वारा दर्ज किए गए अपराध को लेकर अधिवक्ताओं में पनपा आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। सड़क पर अधिवक्ताओं ने पुलिस के खिलाफ चक्का जाम शुरू कर दिया है। बड़ी संख्या में अधिवक्ता सड़क पर बैठकर पुलिस के खिलाफजमकर नारेबाजी की है। गौरतलब है कि एनकेजे थाना क्षेत्र में एक दिन पूर्व एक अधिवक्ता के खिलाफ दर्ज किए गए मामले को लेकर अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। कटनी जिला न्यायालय सभागार में जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अमित शुक्ला की मौजूदगी में बैठक हुई थी। बैठक में पुलिस अधीक्षक के खिलाफ अधिवक्ताओं ने जमकर आक्रोश व्यक्त किया। एक के बाद एक अधिवक्ताओं पर फर्जी मुकदमे दर्ज हो रहे हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर प्रशासन सख्त, बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर मैरिज गार्डनों का औचक निरीक्षण

जागरण मंडला। जिले में संचालित हो रही बोर्ड परीक्षाओं को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशन में प्रशासनिक टीम द्वारा मैरिज गार्डनों और विवाह स्थलों का रात्रि कालीन औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों को शांत वातावरण उपलब्ध कराना और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण रखना है।नायब तहसीलदार श्री राम सिंह उलाड़ी द्वारा बीती रात किए गए निरीक्षण के दौरान कुछ मैरिज गार्डनों में निर्धारित सीमा से अधिक शोर और तेज आवाज में डीजे बजता पाया गया। नायब तहसीलदार श्री उलाड़ी ने तत्परता दिखाते हुए निषादराज भवन और वृंदावन गार्डन में तेज डीजे साउंड को तत्काल बंद कराया। उन्होंने मैरिज लोन के संचालकों को सख्त हिदायत दी कि परीक्षाओं के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग प्रतिबंधित रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधितों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों और मैरिज गार्डन संचालकों से अपील की है कि वे परीक्षाओं के इस महत्वपूर्ण समय में सहयोग करें और देर रात तक तेज संगीत या डीजे बजाने से बचें, ताकि छात्र-छात्राएं बिना किसी व्यवधान के अपनी तैयारी कर सकें।

सरकारी नौकरी के नाम पर 6 लाख की ठगी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों की ठगी, भोपाल से आरोपी गिरफ्तार

जागरण, पन्ना । फरियादी रामचन्द्र निवासी पन्ना थाना कोतवाली पन्ना द्वारा थाना उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई गई कि भोपाल निवासी गिरीश पाल नामक व्यक्ति ने सरकारी नौकरी दिलाने का झूठा आश्वासन देकर उसे विश्वास में लिया तथा अलग-अलग तिथियों में ऑनलाइन एवं नगद माध्यम से कुल लगभग ?6,00,000/- (छः लाख रुपये) प्राप्त कर लिये। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पन्ना मे अपराध 18/2026 धारा 318 (4) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया गया । पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमति निवेदिता नायडू* के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री वन्दना सिंह एवं स्ष्ठह्रक्क पन्ना एस.पी. सिहं बघेल के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी कोतवाली निरी0 रोहित मिश्रा के नेतृत्व मे पुलिस टीम गठित कर वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये । दौरान विवेचना फरियादी एवं साक्षियों के कथन व तकनीकी साक्ष्य के आधार पर टीम गठित कर आधार पर आरोपी गिरीश पाल पिता मनसाराम पाल उम्र 45 वर्ष निवासी छ्व/52 हर्षवर्धन नगर थाना टीटी नगर जिला भोपाल को भोपाल से दस्तयाब कर थाना कोतवाली पन्ना लाया गया, जहाँ दिनांक 23.02.2026 को पूछताछ उपरांत विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने फरियादी को शासकीय नौकरी दिलाने का झूठा आश्वासन देकर विश्वास में लिया तथा अलग-अलग तिथियों में फोन-पे के माध्यम से लगभग ?5,80,000/- एवं ?20,000/- नगद प्राप्त किये थे। आरोपी द्वारा बताया गया कि प्राप्त राशि में से ?1,10,000/- रुपये वापस कर दिये गये तथा शेष ?4,90,000/- रुपये अपनी पत्नी के इलाज में खर्च कर दिये हैं। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है । आरोपी के द्वारा पन्ना जिले के अलावा अन्य जगह सूचना प्रेषित की गई है, जिसमे और भी खुलासे होने की संभावना है, विवेचना जारी है । आरोपी के कब्जे से एक सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन कीमती करीब 5000 रूपए का जप्त किया गया है, आरोपी के द्वारा उक्त मोबाईल का उपयोग ठगी करने में किया गया था। नाम पता आरोपी -गिरीश पाल पिता मनसाराम पाल उम्र 45 वर्ष निवासी छ्व/52 हर्षवर्धन नगर थाना टीटी नगर जिला भोपाल उक्त कार्यवाही में नगर निरीक्षक रोहित मिश्रा, सउनि के.पी. विश्वकर्मा, प्रधान आरक्षक अईमात सेन, आरक्षक बृषकेतु रावत, संतोष तोमर, महिला आरक्षक रंजना, आरक्षक सत्यम अग्निहोत्री एवं सायबर सेल पन्ना की टीम का सराहनीय योगदान रहा।

पन्ना पुलिस द्वारा घर में घुसकर चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार

एक आरोपी गिरफ्तार, चोरी का मशरूका बरामद कर आरोपी को भेजा गया जेल

फरियादिया श्रीमती गीता गुप्ता अपने परिवार सहित शादी में बसारी (जिला छतरपुर) गई हुई थीं। घर पर उनकी सास अकेली थीं। वापस आने पर घर का सामान बिखरा मिला तथा कासे के कटोरे, स्टील के गिलास, साड़ियां, डीजे बुकिंग मशीन, बच्ची के कपड़े एवं नगदी सहित लगभग 90,000/- रुपये का मशरूका अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी किया जाना पाया गया। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पन्ना में अपराध क्रमांक 135/26 धारा 331(3), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा पन्ना जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में हो रही चोरियों पर नियंत्रण हेतु निर्देशित किया गया था। उक्त निर्देशों के पालन में पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना सिंह एवं एसडीओपी एस.पी. सिंह बघेल पन्ना के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया गया तथा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। संदेह के आधार पर आरोपी राकेश कोंदर उर्फ बंदू उर्फ रामस्वरूप आदिवासी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसने चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी से चोरी गया मशरूका जप्त कर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। एक आसमानी रंग का बड़ा ट्रॉली बैग ङ्क कीमती 1,500/- रुपये, नई-पुरानी प्रिंटेड साड़ियां ङ्क कुल 28 नग ङ्क कीमती 25,000/- रुपये, स्टील के गिलास ङ्क कुल 60 नग ङ्क कीमती 3,500/- रुपये, कुल बरामद मशरूका- 30,000/- रुपये ।

आरोपी : राकेश कोंदर उर्फ बंदू उर्फ रामस्वरूप आदिवासी, पिता श्रीपाल आदिवासी, उम्र 20 वर्ष, निवासी भटियातरे थाना अजयगढ़, हाल निवासी दहलान चौकी पन्ना, थाना कोतवाली पन्ना। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा, सउनि. सुभाषचन्द्र, बृषकेतु रावत, आरक्षक अभिषेक यादव, सुजीत यादव एवं शैलेन्द्र बागरी की सराहनीय भूमिका रही।

पश्चिम क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन स्तर की प्रतियोगिता में छात्राओं ने किया शानदार प्रदर्शन

जागरण, पन्ना । पन्ना दिनांक 23/02/2026 से आरम्भ महात्मा ज्योतिराव फुले विश्वविद्यालय जयपुर राजस्थान द्वारा आयोजित पश्चिम क्षेत्रीय अंतर्विश्वविद्यालय शतरंज महिला प्रतियोगिता में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना की दो छात्राओं ऋतु उपाध्याय बी.एस.सी. तृतीय वर्ष एंव किमि जैन एम.ए चतुर्थ सेमेस्टर का चयन महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के शतरंज महिला दल में किया गया है। महाविद्यालय की दोनों छात्राएं इससे पूर्व दिसंबर माह में आयोजित राज्य स्तर एवं अक्तूबर माह मे आयोजित संभाग स्तर की शतरंज प्रतियोगिताओं में भी महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर चुकी है, उपरोक्त प्रतियोगिताओं में इनके शानदार खेल प्रदर्शन के आधार पर ही दोनों छात्राओं ने विश्वविद्यालय दल में अपनी जगह बनाई है। महाविद्यालय की छात्राओं की इस शानदार खेल उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया है एवं छात्राओं की इस सफलता पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ ?एस ?डी चतुर्वेदी द्वारा शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रेषित किया है, साथ ही आगामी माह में आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह में दोनों छात्राओं को सम्मानित करने की बात कही है, छात्राओं ने अपना नियमित खेल अभ्यास का कार्य महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी धर्मेंद्र यादव के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है !

अवैध रूप से पशु परिवहन करने वाले 07 आरोपियों के विरूद्ध पुलिस ने की वैधानिक कार्यवाही

आरोपियों के कब्जे से 105 नग पशु एवं परिवहन में प्रयुक्त 01 डीसीएम तथा 03 पिकअप वाहन सहित करीब 31 लाख रूपये का मशरूका जब्त

जागरण, पन्ना । पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पन्ना पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों, पशु क्रूरता एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध सतत अभियान चलाया जा रहा है। इसी अनुक्रम में अजयगढ़ पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुये 105 पशुओं को क्रूरता पूर्वक परिवहन करने वाले 04 वाहनो को जप्त किया जाकर 07 आरोपियों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई है ।

वर्तमान में पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान व जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना/ चौकियों में थाना/चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में थाना/चौकी स्तर पर अवैध गतिविधियों को रोकने, पशु क्रूरता एवं अवैध परिवहन की रोकथाम हेतु एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है । वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशानुसार समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने- अपने थाना क्षेत्र में मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया है । इसी तारतम्य में दिनांक 24/02/2026 की रात्रि में थाना प्रभारी अजयगढ़ निरीक्षक हरि सिंह ठाकुर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि पन्ना की ओर से एक डीसीएम एवं 03 बुलेरो पिकअप वाहनों में मवेशियों को क्रूरतापूर्वक ठूँस-ठूँसकर अवैध रूप से अजयगढ़ की ओर ले जाया जा रहा है,जिन्हें बूचड़खाना उत्तरप्रदेश ले जाने की तैयारी है। थाना प्रभारी अजयगढ़ द्वारा तत्परता पूर्वक सूचना की तस्दीक हेतु अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर ग्राम सिंहपुर से कस्बा अजयगढ़ तक सघन वाहन चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान निम्न वाहन रोके गए—पिकअप क्रमांक 71 8812 16 नग मवेशी, डीसीएम क्रमांक 71 1253 57 नग मवेशी, पिकअप क्रमांक 71, 1702 ,18 नग मवेशी, पिकअप क्रमांक 71 8141 , 14 नग मवेशी वाहनों की तलाशी लिये जाने पर वाहनो में कुल 105 नग भैंस, पड़ा अत्यंत संकीर्ण स्थान में मुँह एवं पैरो में रस्सियों से बाँधकर अमानवीय तरीके से भरे हुए पाए गए । पुलिस टीम द्वारा विधिवत कार्यवाही करते हुए कुल 105 नग मवेशी (कीमती लगभग 10 लाख 50 हजार रूपये) सुरक्षित बरामद किए गए तथा परिवहन में प्रयुक्त 01 डीसीएम एवं 03 पिकअप वाहन (कीमती लगभग 20 लाख 50 हजार रूपये) सहित कुल मशरूका कीमती करीब 31 लाख रूपये का मशरूका जप्त किया किया जाकर जप्तशुदा मवेशियों को सुरक्षार्थ गौशाला भानपुर में रखा गया है। मामले में पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के अंतर्गत पृथक-पृथक कुल 04 प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए हैं।

पुलिस टीम द्वारा मामले में निम्न आरोपियों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई है : अमीर हसन पिता छिद्दू हसन, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम सिचोली थाना थरियांव जिला फतेहपुर (उ.प्र.), असलम खान पिता मुनीम खान, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम हनुमानपुर थाना थरियांव जिला फतेहपुर (उ.प्र.) . सलीम पिता नजीर, उम्र 36 वर्ष, निवासी रामपुर थाना थरियांव जिला फतेहपुर (उ.प्र.), सोहेल पिता मोहब्बत अली, उम्र 25 वर्ष, निवासी रामपुर थाना थरियांव जिला फतेहपुर (उ.प्र.), मोहम्मद आलम पिता लियाकत, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम हनुमानपुर थाना थरियांव जिला फतेहपुर (उ.प्र.), सुलेमान पिता अंसार, उम्र 26 वर्ष, निवासी खेसहन थाना गाजीपुर जिला फतेहपुर (उ.प्र.), चांद मियां पिता असफाक, उम्र 38 वर्ष, निवासी गोसपुर थाना हथगांव जिला फतेहपुर (उ.प्र.) पन्ना पुलिस द्वारा मामले में कुल 105 नग मवेशी (कीमती लगभग 10 लाख 50 हजार रूपये) सुरक्षित बरामद किए गए तथा परिवहन में प्रयुक्त 01 डीसीएम एवं 03 पिकअप वाहन (कीमती लगभग 20 लाख 50 हजार रूपये) सहित कुल मशरूका कीमती करीब 31 लाख रूपये का जप्त किया गया है । उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी अजयगढ़ निरीक्षक हरि सिंह ठाकुर, सउनि कमल सिंह चंदेल, अशोक गौतम, प्र.आर. जयेन्द्र पाल, अशोक कुमार, राजकुमार अहिरवार, आरक्षक मनोज पटेल, रामनरेश गुप्ता, भूरीसिंह गुर्जर, कपिल अहिरवार, अरुण प्रताप, रोहित मिश्रा, अश्वनी कुमार, प्रदीप सिंह, शुभम शुक्ला एवं अमित द्विवेदी का सराहनीय योगदान रहा।

दक्षिण पन्ना वनमण्डल में दुर्लभ प्रजातियों के रोपण, कृषि वानिकी विस्तार व प्रसंस्करण पर किसानों से हुई विस्तृत चर्चा

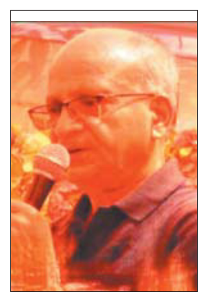

जागरण, पन्ना । दक्षिण वनमण्डल द्वारा 24 फरवरी 2026 को शाहनगर स्थित वन विश्राम गृह परिसर में ऋश्वञ्ज एवं एग्रो फॉरेस्ट्री कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा भारतीय वन सेवा 1986 बैच के अधिकारी प्रवीण चंद्र दूबे रहे, जबकि कर्नल सुरेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उद्यानिकी विभाग की योजनाओं की जानकारी देने हेतु वरिष्ठ उद्यानिकी विकास अधिकारी हरिकांत सायलवार को आमंत्रित किया गया। कार्यशाला में वनमण्डल अधिकारी अनुपम शर्मा, प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा अधिकारी पंकज चौधरी, प्रशिक्षु राज्य वन सेवा अधिकारी अंकुर गुप्ता, शाहनगर रेंज ऑफिसर राजुल कटारे सहित सभी परिक्षेत्रों के रेंज अधिकारी, लगभग 70 वनकर्मी, 60 प्रगतिशील कृषक, 10 पारंपरिक वैद्य एवं अन्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य ऋश्वञ्ज प्रजातियों के संरक्षण एवं कृषि वानिकी को बढ़ावा देना रहा। ऋश्वञ्ज का अर्थ ऋड्डह्म्द्ग, श्वठ्ठस्रड्डठ्ठद्दद्गह्म्द्गस्र एवं ञ्जद्धह्म्द्गड्डह्लद्गठ्ठद्गस्र प्रजातियां है, अर्थात ऐसी वनस्पतियां जो दुर्लभ हैं, संकटग्रस्त हैं या जिनकी संख्या तेजी से घट रही है और जिन्हें संरक्षण की विशेष आवश्यकता है। इन प्रजातियों का संरक्षण पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए जैव विविधता सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में उद्यानिकी विभाग के अधिकारी द्वारा कृषि वानिकी प्रोत्साहन एवं खाद्य प्रसंस्करण संबंधी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। वनमण्डल अधिकारी द्वारा किसानों के साथ संवाद कर कृषि वानिकी के विस्तार में आने वाली संभावित समस्याओं और चुनौतियों पर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान अचार, चिरौंजी, आंवला, बेल, सीताफल, जामुन, बेर, बहेरा, हर्रा तथा करोंदा जैसी प्रजातियों की संभावनाओं पर विचार किया गया। किसानों ने आंवला में कीट समस्या, गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री की उपलब्धता, बंदरों एवं पक्षियों से फसल हानि तथा सिंचाई जल की कमी जैसी प्रमुख समस्याएं सामने रखीं। वन अधिकारी ने किसानों को आश्वस्त किया कि इन समस्याओं के समाधान तथा उपयुक्त फसलों के चयन पर अगली कार्यशाला में विशेष चर्चा की जाएगी। कई किसानों ने वन विभाग से फेंसिंग हेतु सहयोग की मांग भी रखी। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि कुछ सक्रिय एवं इच्छुक कृषकों को प्रतापगढ़, उद्यानिकी संस्थान लखनऊ, वाराणसी तथा रीवा के अध्ययन भ्रमण पर भेजा जाएगा, ताकि वे सफल मॉडल देख सकें। कई किसानों ने आंवला सहित अन्य वानिकी फलदार प्रजातियों के प्रसंस्करण इकाइयों में रुचि भी व्यक्त की। मुख्य अतिथि प्रवीण चंद्र दूबे ने अपने उद्बोधन में ऋश्वञ्ज प्रजातियों के वन एवं गैर वन क्षेत्रों में रोपण को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने बीजा / विजयसार का उदाहरण देते हुए बताया कि विगत दशकों में कई उपयोगी प्रजातियां अत्यधिक दोहन के कारण विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई हैं। उन्होंने वन कर्मियों को उत्कृष्ट पौधों एवं वृक्षों से बीज संग्रहण करने तथा कृषि वानिकी में मुनगा जैसी उपयोगी प्रजातियों को बढ़ावा देने का सुझाव दिया।

44 कंपनियां युवाओं को देंगी रोजगार

रीवा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत टी.आर.एस. कॉलेज रीवा में 25 फरवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मेला के आयोजन के लिये विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। रोजगार मेले में 44 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 7000 रुपए से 35 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

यह कंपनियां आएंगी

उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में ईगल हाईटेक इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेट प्रा. लि. औरंगाबाद, सिटी कार प्रा.लि. सतना, विन्ध्या टेलीलिंक लिमिटेड चोरहटा रीवा, आमधनी आपोलो टायर्स लि. बड़ोदरा गुजरात, आमधनी बजाज आटो लिमि. चाकन/औरंगाबाद, डी एण्ड एच सेचरान, बिरला केबिल प्रा. लि. रीवा, डार्लिंग पम्प प्रा. लि. रीवा, आयसर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर धार, श्रीराम पिस्टन एण्ड रिंग लि. पथरेडी राजस्थान, एमआरएफ लिमिटेड दहज, आपोलो टायर्स लि. बड़ोदा गुजरात, भारतीय जीवन बीमा निगम रीवा, लेन्सकार्ट इंडिया बिलहरी राजस्थान, याजाकी इंडिया लि. हरियाणा, विनप्रेज इन्फो मीडिया प्रा. लि. लखनऊ, एनईसीओ कंपनी नागपुर, अग्रोफैब मशीनरीज नागपुर, मर्दसन ऑटोमोटिव लाईटिंग इंडिया प्रा. लि. अहमदाबाद गुजरात, भगवती प्रोडक्टस लि. पुणे महाराष्ट्र, जिंदल पाइप्स गाजियाबाद, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा.लि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, बजाज लाइफ इंश्योरेन्स प्रा. लि. रीवा, सीआईआई एमसीसी इंदौर, गोकलदास एक्सपोर्टस लि. बेंगलुरू, खन्ना पॉलीविअर प्रा. लि. रीवा, ओएसआरएम टेक पैक प्रा.लि. चोरहटा रीवा, केन्द्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान (सिपेट) भोपाल, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड रीवा, जय भारत मारुती अहमदाबाद गुजरात, ऑटोलाइन प्रा. लि. अहमदाबाद गुजरात, रायकैम आटो प्रा.लि. अहमदाबाद गुजरात, टाटा मोटर ऑटो मोबाइल कंपनी अहमदाबाद गुजरात, फिएट इंडिया ऑटो मोबाइल्स प्रा. लि. रंजनगांव पुणे, पीजी इलेक्ट्रो प्लांट इंडिया लि. पुणे, एनआरबी बायरिंग लि. महाराष्ट्र, हायर अप्लीएन्सेस पुणे, जेके टायर्स हरियाणा, प्राकृतशील बॉयोटेक प्रा.लि. सवेरा होटल के पास सतना, उन्नति एग्रोटेक रामवन सज्जनपुर सतना तथा जेएबीआईएल सर्किट इंडिया प्रा. लि. रंजनगांव, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा तथा अलर्ट एसजीएस प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़ की कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

सोशल मीडिया (फेसबुक) पर सस्ती कार बेचने का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी करने वाले 01 आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से नगद 44585 रूपये एक उपयोग किया जा रहा 01 मोबाइल जब्त

जागरण, पन्ना । पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पन्ना पुलिस द्वारा थाना अमानगंज के अप.क्र. 728/21 धारा 420 भादवि, 66 (ष्ट) आई टी एक्ट में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नड्डष्द्गड्ढशशद्म पर सस्ते दाम में कार बेचने का विज्ञापन डालकर ऑनलाइन ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है । प्रकरण में फरियादी जगदीश अहिरवार निवासी ग्राम जसवंतपुरा थाना अमानगंज द्वारा दिनांक 04.09.2021 को थाना अमानगंज में रिपोर्ट की गई थी कि मैनें फेसबुक मार्केटप्लेस पर मारुति सुजुकी अल्टो 800 कार बिक्री का विज्ञापन देखकर विज्ञापन में बताये गये मोबाइल नंबर पर संपर्क किया था । संपर्क करने पर अज्ञात मोबाइल उपयोगकर्ता द्वारा स्वयं को जबलपुर में आर्मी में कार्यरत होना बताया गया । कार बिक्री के संबंध में बातचीत किये जाने पर उक्त व्यक्ति द्वारा होम डिलीवरी शुल्क एवं अन्य शुल्क बताकर अलग-अलग किस्तों में कुल 44,599 रुपये ऑनलाइन माध्यम से जमा करवा लिए गये हैं परंतु अज्ञात व्यक्ति द्वारा आज दिनांक तक वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया है । फरियादी की रिपोर्ट पर थाना अमानगंज में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अप.क्र. 728/21 धारा 420 भादवि, 66 (ष्ट) आई टी एक्ट का कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया । पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा मामले की विवेचना हेतु थाना प्रभारी गुनौर निरीक्षक माधवी अग्निहोत्री को आदेशित किया गया । पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी गुनौर निरीक्षक माधवी अग्निहोत्री के नेतृत्व में थाना स्तर पर एक पुलिस टीम का गठन किया गया । गठित पुलिस टीम द्वारा मामले में फरियादी के साथ हुई धोखाधड़ी से संबंधित बैंक खातों की जानकारी एकत्रित की जाकर एक संदेही व्यक्ति को चिन्हित किया गया । उक्त संदेही व्यक्ति के संबंध में अन्य जानकारियों हेतु पुलिस सायबर सेल पन्ना से सहयोग लिया जाकर थाना प्रभारी गुनौर द्वारा अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया । जिसके फलस्वरूप थाना प्रभारी गुनौर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि संदेही व्यक्ति अलवर राजस्थान तरफ जा रहा है । मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा संबंधित संदेही व्यक्ति को पुलिस अभिरक्षा में लिया जाकर पूँछताछ की गई । उक्त व्यक्ति द्वारा पुलिस टीम को अपना नाम पता बताया गया । घटना के संबंध में कड़ाई से पूँछताछ किये जाने पर उक्त व्यक्ति द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया । पुलिस टीम द्वारा आरोपी के बताये अनुसार आरोपी के कब्जे से नगद 44,585 रूपये एवं उपयोग किया जा रहा वीवो कंपनी का फोन जप्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है ।

नहर में गिरे नीलगाय शावक का वन विभाग व ग्रामीणों ने किया रेस्क्यू, बचाई जान

पन्ना । दक्षिण वनमण्डल अंतर्गत वनपरिक्षेत्र पवई के बीट सुरू में आज नहर में गिरकर फंसे एक नीलगाय के बच्चे की सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से सावधानीपूर्वक नहर से शावक का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया तथा प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे सुरक्षित रूप से समीपस्थ वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। इस रेस्क्यू कार्यवाही में परिक्षेत्र सहायक भारती कुमार, वन रक्षक शिवम पांडे, सुरक्षा श्रमिकों सहित ग्राम वन समिति सुरू के सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहे। वन विभाग ने इस त्वरित सहयोग के लिए ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु ऐसी किसी भी घटना की सूचना तुरंत देने की अपील की है।

डिजिटल साक्षरता आज की अनिवार्य आवश्यकता

जागरण, रीवा। पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में गोद ग्राम हरदी में आयोजित सप्त दिवसीय आवासीय शिविर का सफल समापन हुआ। शिविर की थीम 'समर्थ भारत एवं डिजिटल साक्षरता' रही, जिसके अंतर्गत ग्रामीणों को डिजिटल तकनीक, आत्मनिर्भरता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण के विभिन्न आयामों से जागरूक किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अभिमन्यु प्रसाद रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पेंटियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के मुख्य प्रबंध संचालक बी. एन. त्रिपाठी ने की। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. श्रवण त्रिपाठी (शैक्षणिक संचालक), डॉ. सीमा शुक्ला (प्राचार्य), डॉ. रोहित सिंह (प्राचार्य, फार्मेसी), डॉ. के. डी. द्विवेदी (प्राचार्य, लॉ), डॉ. जी. डी. प्रजापति एवं डॉ. शिव गोपाल सिंह (प्राध्यापक, मॉडल साइंस),

राजीव त्रिपाठी (लीड ट्रेनर, दक्ष परियोजना) तथा डॉ. मुकेश येंगल (सहायक अध्यापक) उपस्थित रहे। शिविर के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राकेश तिवारी, डॉ. सपना त्रिवेदी पटेल, डॉ. अर्चना पटेल एवं गिरीश भाई पटेल रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सात दिनों तक चले व्यापक अभियान के दौरान प्रतिदिन प्रार्थना, योगाभ्यास एवं राष्ट्रगीत से कार्यक्रम की शुरुआत की जाती थी। इसके पश्चात श्रमदान, स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैली, डिजिटल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य शिविर एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। डिजिटल साक्षरता पर विशेष जोर ग्रामीणों को ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान (यूपीआई), साइबर सुरक्षा एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी गई। महिलाओं एवं युवाओं को स्मार्टफोन संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण स्वयंसेवकों ने सार्वजनिक स्थलों एवं पंचायत परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया तथा प्लास्टिक मुक्त गांव का संकल्प दिलाया। साथ ही 100 से अधिक पौधों का रोपण किया गया।

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन: क्रियान्वयन समिति की बैठक संपन्न

जागरण, रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में पशुधन के डिजिटल डाटा प्रबंधन अंतर्गत गठित जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में पशु पहचान, नस्ल सुधार, टीकाकरण, पशु स्वास्थ्य एवं पशु प्रजनन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने व इसकी सतत निगरानी के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्रियान्वयन के सुधारात्मक प्रावधान अन्तर्गत प्रशिक्षण दिलाएं ताकि पशुओं के टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं को बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि पशुपालकों से पशुओं के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं जिससे पशुओं को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिलाया जा सके। बैठक में पशुपालन विभाग द्वारा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में डिजिटल डाटा प्रबंधन के क्रियान्वयन हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों के संबंध में जानकारी दी गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नोडल अधिकारियों से समन्वय कर जिले के पशुधन डेटा की सटीकता व पूर्णता सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला रोजगार मेले में अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से 211 हुनरमंद युवाओं का चयन

नगवा एवं खनुआ स्किल डेवलपमेंट सेंटर ने 18 निजी संस्थाओं के साथ मिलकर दिलाया रोजगार

जागरण, सिंगरौली

जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को सरई में आयोजित रोजगार मेले में अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से 18 निजी संस्थाओं द्वारा नौकरी के लिए 211 युवाओं का चयन किया गया। बंधौरा स्थित पावर प्लांट, धिरौली एवं सुलियारी कोल प्रोजेक्ट के आसपास के गांवों में रहने वाले युवाओं के लिए अदाणी फाउंडेशन द्वारा ग्राम नगवा एवं खनुआ में संचालित स्किल डेवलपमेंट सेंटर से प्रशिक्षित युवाओं एवं महिलाओं के लिए यह एक सुनहरा अवसर था इस रोजगार मेले में आसपास के क्षेत्रों से आए लगभग 5,000 युवाओं ने चयन प्रक्रिया में हिस्सा लिया, जबकि अदाणी समूह के अलावा कई बड़ी कंपनियों एवं अन्य 15 संस्थाओं की मौजूदगी रही। अदाणी फाउंडेशन द्वारा चयनित सहयोगी संस्थाओं ने उम्मीदवारों का चयन उनकी योग्यता एवं कौशल के आधार पर किया। चयनित अभ्यर्थियों के लिए प्रारंभिक रूप से 15,000 से 21,000 प्रतिमाह वेतन निर्धारित किया गया है। अनुभव एवं प्रदर्शन के आधार पर उन्हें आगे और भी बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। जिला प्रशासन का मानना है कि, रोजगार मेला युवाओं को स्थानीय स्तर पर अवसर प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। सरकार एवं निजी संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से क्षेत्र में रोजगार सृजन की दिशा में ठोस परिणाम सामने आ रहे हैं। करसुआलाल गांव की रहने वाली शांतिबाई सिंह ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि, यह अवसर हमारे लिए आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ा कदम है। अब हम अपने परिवार का सहारा बन सकेंगे और आगे बेहतर करियर बनाने का सपना पूरा करेंगे। उल्लेखनीय है कि अदाणी फाउंडेशन द्वारा खनुआ में संचालित स्किल डेवलपमेंट सेंटर में डेटा एंट्री ऑपरेटर, सिलाई एवं ब्यूटीशियन कोर्स, तथा नगवा स्थित स्किल डेवलपमेंट सेंटर में सिलाई, सिक्की आर्ट, जूट बैग एवं इलेक्ट्रीशियन का निःशुल्क प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिया जाता है। पिछले तीन वर्षों में इन संस्थानों से करीब 600 स्थानीय युवाओं एवं महिलाओं को हुनरमंद बनाया जा चुका है। निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण एवं अन्य कौशल विकास कार्यक्रमों ने स्थानीय ग्रामीणों के जीवन में नई उम्मीद जगाई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशिक्षण प्राप्त महिलाएं अब किसी सिलाई उद्योग में नौकरी कर रही हैं या फिर घर पर सिलाई मशीन लगाकर परिवार की आय बढ़ा रही हैं। अदाणी फाउंडेशन न केवल कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है, बल्कि रोजगार उपलब्ध कराने हेतु भी निरंतर प्रयासरत है। अदाणी फाउंडेशन का मानना है कि जब तक प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं एवं युवाओं की नियमित आय सुनिश्चित नहीं होती, तब तक किसी भी रोजगार प्रशिक्षण को सफल नहीं माना जा सकता। इसलिए प्रशिक्षित महिलाओं को उत्पादों की उचित कीमत पर बिक्री एवं बाज़ार से जोड़ने हेतु मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। गौरतलब है कि अदाणी फाउंडेशन द्वारा बंधौरा स्थित पावर प्लांट, धिरौली और सुलियारी खदानों के आसपास के गांवों में स्वरोजगार के कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। सैकड़ों महिलाएं अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत मशरूम की खेती, सिलाई, सिक्की आर्ट, जैविक खेती, बायोगैस प्लांट, शहद उत्पादन एवं वॉशिंग पाउडर उत्पादन इकाइयों को सफलतापूर्वक संचालित कर रही हैं।

असंगठित श्रमिकों को मिलेगा सुरक्षित भविष्य

सिंगरौली में पीएम-एसवाईएम योजना के पंजीकरण में तेज़ी

सिंगरौली। भारत सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए संचालित प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में सामाजिक सुरक्षा का एक सशक्त माध्यम बन रही है। इस योजना का उद्देश्य उन श्रमिकों को वृद्धावस्था में आर्थिक संबल प्रदान करना है जो किसी भी अन्य पेंशन योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं।सहायक श्रमायुक्त सिंगरौली ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत पात्र श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 3,000 रुपये प्रतिमाह की सुनिश्चित पेंशन दी जाती है। योजना के तहत 18 से 40 आयु वर्ग के हितग्राही पात्र होगे, मासिक आय 15,000 रुपये या उससे कम होनी चाहिए। योजना में रिक्शा चालक, रेहड़ी-पटरी विक्रेता, घरेलू कामगार, निर्माण श्रमिक, कृषि श्रमिक, कूड़ा बीनने वाले, मोची, दर्जी, धोबी, नाई सहित अन्य असंगठित श्रमिक पंजीयन करा सकते है। आवेदक ईपीएफओ, ईएसआईसी या एनपीएस का सदस्य नहीं होना चाहिए और न ही आयकर दाता हो।

योजना की विशेषताएँ : यह एक स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजना है। इसमें श्रमिक द्वारा जितनी राशि का अंशदान किया जाता है, उतनी ही समान राशि केंद्र सरकार द्वारा भी लाभार्थी के पेंशन खाते में जमा की जाती है। यदि पेंशन प्राप्ति के दौरान लाभार्थी की मृत्यु हो जाती है, तो उनके जीवनसाथी को 50 प्रतिशत 1,500 रुपये पारिवारिक पेंशन के रूप में दी जाएगी। इच्छुक श्रमिक अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के लिए निम्नलिखित दस्तावेज अनिवार्य हैं, आधार कार्ड, बचत बैंक खाता, जन-धन खाता विवरण (IFSC कोड के साथ) मोबाइल नंबर अनिवार्य है। जिला प्रशासन एवं श्रम विभाग ने सभी पात्र श्रमिकों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपना पंजीकरण कराएं ताकि वृद्धावस्था में उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सके। अधिक जानकारी के लिए श्रमिक कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर होगी कड़ी निगरानी

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में खनिज विभाग की जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर कड़ी निगरानी रखें तथा अवैध कार्य करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाय। उन्होंने खनिज अधिकारी को निर्देशित किया कि जवा अन्तर्गत टमस नदी से अवैध उत्खनन की शिकायतों प्राप्त होती हैं उस पर सख्ती से अंकुश लगायें। कलेक्टर ने निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिशा निर्देशानुसार रायल्टी जमा करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने वन विभाग के अधिकारी को चूना, पत्थर के उत्खनन के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश बैठक में दिये। इस दौरान विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संयुक्त कलेक्टर ने जन सुनवाई में 280 आम जन मानस की समस्याओं को सुना

प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभाग के अधिकारियों से समय सीमा के अंदर निराकरण हेतु दिए गयें निर्देश

सिंगरौली। जिले के विभिन्न अंचलो से आये हुयें 280 आम नागरिको ने अपनी समस्याओ से संबंधित आवेदन पत्रो को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जन सुनवाई में संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय को दिया। संयुक्त कलेक्टर श्री पाण्डेय के द्वारा हर एक आवेदन कर्ता की शिकायतो का सुनने के पश्चात जन सुनवाई में उपस्थित कई आवेदन का विभागीय अधिकारियो से समय सीमा के अंदर निराकरण हेतु भेजा गया। जन सुनवाई में पहुचे आवेदक सरपंच ग्राम पंचायत बैरिहवा ने ग्राम पंचायत बैरिहवा में शामिल ग्राम घोरहवा में विद्युतीकरण कराये जाने हेतु आवेदन दिया। वही ग्राम पंचायत बरहपान के ग्रामीणो ने गाव के बरंगा टोला हरिजन बस्ती, बसोर मोहल्ला, आदिवासी बस्ती बेलखड़िया टोला के रहवासियों के नाम बिजली कनेक्शन करा दिया गया है जबकि गाव में अभी तक विद्युत व्यवस्था नही कराई गई है शीघ्र ही गाव में विद्युत व्यवस्था कराई जायें। दिव्यांग आवेदक सीता राम बैस ग्राम खटखरिया ने अपने घर में शौचालय निर्माण कराये जाने हेतु आवेदन दिया। वही ग्राम खटखरी के सीता राम प्रजापति एवं अन्य ग्रामीणो के द्वारा सामूहिक रूप से शासकीय हैन्ड पम्प पर किए गए अतिक्रमण का हटाये जाने से संबंधित आवेदन दिया। इसी तरह से बंब्बे बसोर ग्राम छतौली के द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत प्रशिक्षण उपरांत स्टाईपेंड उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसी तरह से जिले के अंन्य अंचलो से आये आवेदको द्वारा अपनी समस्याओ का आवेदन पत्र दिया गया। कई आवेदनो का जन सुनवाई में निराकरण कराया गया। वही शेष आवेदनो को समय पर निराकरण किए जाने का जिलाधिकारियो को संयुक्त कलेक्टर द्वारा निर्देश दिया गया। जन सुनवाई के दौरान एसडीएम सिंगरौली सुरेश जाधव, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, तहसीलदार सविता यादव, जान्हवी शुक्ला, प्रीति सिकरवार, राजेन्द्र बंसल सहित जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर ने तुलसी वार्ड 38 में चल रहे निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

निर्माण कार्यो को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय पर करे पूर्णः-रानी अग्रवाल

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली की महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल ने वार्ड क्रमांक 38 तुलसी वार्ड बलियरी में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने अमृत नल-जल योजना 2.0 के अंतर्गत निर्माणाधीन पानी टंकी एवं पार्षद कार्यालय के कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड 38 के पार्षद अनिल वैश्य, वार्ड 43 के पार्षद मोहम्मद खुर्शीद आलम सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। महापौर ने निर्माण कार्य कर रहे संविदाकार को निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ कार्यो को पूरा किया जाए। महापौर ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया और कहा कि नगर निगम के सभी 45 वार्ड उनके लिए समान हैं तथा प्रत्येक वार्ड में चल रहे विकास कार्यों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वे स्वयं, संबंधित वार्ड पार्षद एवं निगम के सहायक यंत्री एवं उपयंत्री समय-समय पर निर्माण कार्यो का निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने वार्ड में बिजली, पानी, सड़क एवं नाली जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए प्राथमिकता से कार्य करने की बात कही। साथ ही वार्ड पार्षद अनिल वैश्य द्वारा क्षेत्र की समस्याओं को चिन्हित कर उनके निराकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए आश्वस्त किया और कहा की नगर निगम जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर है।

रोजगार और आजीविका गारंटी के लिए चलेगा जन-संवाद अभियान

रीवा। केंद्र सरकार की विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका की गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 के प्रावधानों को आम जन तक पहुँचाने के लिए जिले में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने रीवा और मऊगंज जिले के सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इस विशेष आई.ई.सी. (सूचना, शिक्षा एवं संचार) कार्यक्रम का लक्ष्य ग्रामीण स्तर पर रोजगार अधिकारों को सुदृढ़ करना और मजदूरी भुगतान प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। सरकार का उद्देश्य है कि पंचायत आधारित योजनाओं के क्रियान्वयन को सशक्त बनाया जाए और ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए। जिला पंचायत सीईओ ने कहा है कि विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर सार्वजनिक संवाद आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

सरस्वती विन्ध्यनगर के बच्चों ने समझा पुलिसिया कार्यशैली

जागरण, सिंगरौली। एन.टी.पी.सी. विन्ध्यनगर क्षेत्रान्तर्गत सरस्वती शिशु मंदिर के कक्षा छठवीं के छात्रों ने प्राचार्य श्री मुद्रिका प्रसाद दुबे के नेतृत्व में थाना विन्ध्यनगर क्षेत्र का भ्रमण किया। जहॉ थाना टी.आई श्रीमती अर्चना द्विवेदी एवं उनकी टीम ने बच्चों को पुलिस की कार्यपद्धति से परिचित कराया। बच्चों को सम्बोधित करती हुई पुलिस निरीक्षक श्रीमती प्रियंका मिश्रा ने पुलिस को बच्चों का मित्र बताया। इस अवसर पर श्रीमती मिश्रा ने बच्चों को गुड टच एवं बैड टच का ज्ञान कराया एवं कहा कि पुलिस से आप डरें नहीं बल्कि आवश्यकता पड़ने पर तुरन्त पुलिस हेल्प लाइन नम्बर पर कॉल करें। इस दौरान थाना में पदस्थ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बच्चों को कैदखाना, मालखाना का अवलोकन कराते हुये बताया कि पुलिस का कार्य जनसेवा और देश सेवा का है। अतः आप भी इससे जुड़कर देशहित के कार्य कर सकते हैं। बच्चों में खुशी और उत्साह का माहौल देखा गया।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित फरियादियों की समस्याएँ सुनी गई

जागरण सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सिंगरौली में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए आवेदकों ने अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक फरियादी से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएँ गंभीरता से सुनीं। कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया तथा शेष आवेदनों पर त्वरित एवं वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु संबंधित राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में एस.डी.ओ.पी. चितरंगी राहुल सैयाम, थाना प्रभारी कोतवाली श्री अशोक सिंह परिहार, थाना प्रभारी विध्यनगर श्रीमती अर्चना दिवेदी, उप निरीक्षक श्रीमती प्रियंका शर्मा महिला थाना, उप निरीक्षक स्वतंत्र रावत सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। महिला फरियादियों की शिकायतों पर विशेष ध्यान देते हुए महिला अधिकारियों द्वारा उनकी काउंसलिंग कराई गई तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। सिंगरौली पुलिस आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है तथा जनहित में ऐसी जनसुनवाई कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय पुरुष वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित

पारंम्परिक खेलों को बढ़ावा देने हेतु 27 फरवरी को राज माता चूनकुमारी स्टेडियम में प्रतियोगिता का होगा आयोजन

सिंगरौली। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत जिले में मलखंब, कुश्ती, पिट्ठू, सिटोलीया सेवन स्टोन्स,गिल्ली-डंडा, लंगडी, कंचा, धनुष बाण, घुड़सवारी, खो-खो, कबड्डी एवं बैलगाडी दौड़ या अन्य कोई स्थानीय पारम्परिक खेल को प्रोत्साहित करने हेतु जिला स्तरीय प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जाना है। इसी तारतम्य में 27 फरवरी को राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम बैढ़न में स्तरीय पुरूष वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। इन खेलो में क्षेत्रिय प्रतिभाओ को अपना हुनर दिखाने का अवसर मिलेगा।जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश गोमे ने बताया कि जिला स्तरीय विजेता को प्रथम पुरस्कार के रूप में राशि रूपये 21 हजार, द्वितीय पुरस्कार में 11 हजार रूपयें, एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में रूपये 5,100 दिया जायेगा तथा सांत्वना पुरस्कार के रूप में राशि रूपये 1,100 प्रदान किए जायेंगे। उन्होने बताया कि 25 फरवरी को ब्लाक स्तरीय चयन कबड्डी पुरूष खेल प्रतियोगिता का ट्रायल तीनो विकास खण्डो में आयोजित किया जायेगा। जिसके तहत देवसर ब्लाक मे शासकीय उतकृष्ट विद्यालय खेल मैदान में ट्रायल आयोजित होगा। वही चितरंगी ब्लाक अंतर्गत उतकृष्ट विद्यालय चितरंगी में तथा ब्लाक बैढ़न में नगर निगम क्षेत्रांतर्गत नवानगर सामुदायिक भवन, वा ग्राम पंचायत तियरा में ट्रायल आयोजित किए जायेगें।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में नारी सशक्तिकरण की दी प्रेरणा

रीवा। यमुना प्रसाद शास्त्री महाविद्यालय सिरमौर में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन शासकीय पूव माध्यमिक विघालय सदहना मे हुआ। जिसमें एडवोकेट अंकिता पाण्डेय सह बौद्धिक प्रमुख राष्ट्र सेविका समिति महाकौशल प्रांत के मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता यमुना प्रसाद शास्त्री महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.ओपी द्विवेदी द्वारा किया गया, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ प्राध्यापक सेवानिवृत्ति डॉ.रामगोपाल पांडे, डॉ.एसके दुबे, अशोक द्विवेदी, डॉ.कीर्ति कुमार त्रिपाठी मौजूद रहे। कार्यक्रम प्रभारी डॉ.प्रवीरचंद दुबे ने बताया कि सात दिवसीय शिविर सम्वयक अधिकारी अभिमन्यु सिंह के दिशा निर्देश और मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। दिवसीय शिविर में जागरुकता रैली मतदाता जागरुकता स्वास्थ्य शिक्षा नारी सशक्तिकरण भाषण प्रतियोगिता रंगोली प्रतियोगिता सांस्कृतिक गतिविधियों पर शिविर में उपस्थित छात्राओं ने कार्य किया।

नगर निगमायुक्त ने किया जुड़ावा तालाब पार्क का निरीक्षण

जुड़ावा तालाब पार्क के चारों ओर डेकोरेटव लाइट लगाने के निगमायुक्त ने दिए निर्देश

जनभागीदारी से ही साकार होगा स्वच्छ एवं सुन्दर शहर का सपना : सविता प्रधान

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली आयुक्त श्रीमती सविता प्रधान के द्वारा आज कलेक्ट्रेट एवं नगर निगम कार्यालय के मध्य निर्मित जुड़ावा तालाब पार्क का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि पार्क के चारो ओर रेलिंग के समीप डेकोरिटव लाईट लगाया जाये साथ ही पार्क की साफ सफाई व्यवस्था का उचित प्रबंध करने के साथ ही बैठक व्यवस्था हेतु चेयर तथा पार्क में आने वाले आम जनो को शुद्ध पेयजल मिल सके इसके लिए आरओ वाटर भी लगाये जाने के निर्देश दिए गए। आयुक्त श्रीमती प्रधान ने पार्क की सुन्दता बढ़ाने हेतु फाउटेन फव्वारा लागने के साथ ही पार्क में गंदगी न फैले इस हेतु डस्टबीन भी लगाने के निर्देश दिए। आयुक्त श्रीमती प्रधान ने कहा कि पार्क में कूड़ा-कचरा कहीं भी बिखरा नहीं होना चाहिए। सफाई कर्मचारियों को नियमित रूप से पार्क की देखभाल करनी चाहिए, जिससे आने वाले नागरिकों को स्वच्छ और सुंदर वातावरण मिल सके। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि पार्क में अतिरिक्त हरियाली बढ़ाई जाए और अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाए जा ताकि पर्यावरणीय संतुलन बना रहे और लोगों को प्राकृतिक सुंदरता का लाभ मिले। तत्पश्चात निगमायुक्त के द्वारा कालेज मोड़ मे पूर्व में निर्मित की गई नाली का अवलोकन किया एवं वार्ड क्रमांक 39 में नव निर्मित हो रहे तालाब के निर्माण कार्यो का अवलोकन कर स्टोन पिचिंग कार्य में सुधार करने के निर्देश दिए गए। निगमायुक्त श्रीमती प्रधान ने रहवासी समितियो के सदस्यो के साथ बैठक आयोजित कर शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने हेतु उनसे सुझाव भी मागे गये। निगमायुक्त ने कहा कि आप सब के सहयोग से ही स्वच्छ एवं सुन्दर शहर के सपने को साकार किया जा सकता है। उन्होने कहा कि स्वच्छता गतिविधियो में आप सब नगर निगम का सहयोग करे जन भागीदारी के माध्यम से आम जन मानस में स्वच्छता की अलख जागाई जा सकती है। जब नगर का हर एक व्यक्ति अपने आम जीवन में स्वच्छता को आत्मसात करेगा तभी शहर स्वच्छ एवं सुन्दर दिखेगा। इस दौरान नगर निगम के कार्यपालन यंत्री संतोष पाण्डेय, स्वास्थ्य अधिकारी बी.जी चतुर्वेदी, सहायक यंत्री अभय राज सिंह, उपयंत्री विपिन तिवारी उपस्थित रहे।

सुपर-8 में भारत का जिम्बाब्वे के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला कल

अक्षर पटेल ने नेट सत्र में जमकर पसीना बहाया, पारिवारिक कारणों से घर लौटे रिंकू

जेएनएन, चेन्नई

अक्षर पटेल ने नेट सत्र के दौरान लगभग 30 मिनट तक अपनी बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी को निखारा जिससे जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत के करो या मरो के मैच की एकादश में उनकी संभावित वापसी का संकेत मिलता है। अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में वाशिंगटन सुंदर को अक्षर पर तरजीह दी गई थी। क्रिकेट के नजरिए से यह कोई गलत विचार नहीं था, क्योंकि टीम प्रबंधन पावरप्ले में दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के दो आक्रामक बल्लेबाजों क्विंटन डिकॉक और रेयान रिकेल्टन के खिलाफ वाशिंगटन की ऑफ स्पिन का इस्तेमाल करना चाहता था। लेकिन भारत की यह रणनीति कामयाब नहीं हो पाई, क्योंकि जसप्रीत बुमराह ने डिकॉक और रिकेल्टन को जल्दी आउट कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की हार ने भारत के लिए बचे हुए दो सुपर आठ मैच को जीतना अनिवार्य बना दिया है और इसमें से पहला मैच गुरुवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ होगा। मैच से पहले मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह परिवार में आपात स्थिति के कारण घर लौट आए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। रिंकू के अचानक चले जाने से इस बाएं हाथ के खिलाड़ी का जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलने को लेकर संदेह है। जिम्बाब्वे के भी शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के दो बल्लेबाज सलामी बल्लेबाज ताडी मारुमानी और चौथे नंबर पर रेयान बर्ल हैं। तो क्या वाशिंगटन एकादश में अपनी जगह बरकरार रख पाएंगे या अक्षर की वापसी होगी। रिंकू सिंह के उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में वाशिंगटन को हटाए बिना अक्षर को खिलाया जा सकता है। भारत में पास हालांकि कुलदीप यादव को भी टीम में शामिल करने का विकल्प है। अक्षर सुपर आठ और उसके बाद के मुकाबलों के लिए चुने जाने के दावेदार हैं, क्योंकि वह स्टंप्स को निशाना बनाने की अपनी काबिलियत के लिए जाने जाते हैं। उन्हें अब तक तीन मैच में 12.16 के औसत और 6.63 की इकोनॉमी से छह विकेट लिए हैं।

लाल और काले रंग के मिश्रण वाली चेपक की पिच

जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के लिए चेपक की पिच लाल और काले रंग के मिश्रण वाली होने की उम्मीद है, जिसमें काले रंग की मिट्टी अधिक होगी, जो बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने की आजादी देगी। ऐसी स्थिति में अक्षर की अहमियत बढ़ जाती है। यहां तक कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी कहा था कि टीम का चयन पूरी तरह से आंकड़ों पर नहीं बल्कि खिलाड़ी की अहमियत पर आधारित होता है। उन्होंने कहा था कि हम औसत और आंकड़े नहीं देखते। हम देखते हैं कि उस स्थान पर कौन अधिक अच्छा कर सकता है। और अक्षर ने बहुत अच्छा किया है। लोग हमेशा इसके बारे में बात करते रहेंगे लेकिन मुझे लगता है कि हम भविष्य में भी इसी तरह आगे बढ़ना चाहते हैं।

रिंकू के पिता बीमार

रिंकू एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारत के ट्रेनिंग सत्र में शामिल नहीं हुए, जबकि उनके बाकी साथी खिलाड़ियों ने नेट सत्र के दौरान मौजूद थे। सूत्र ने बताया कि रिंकू सिंह परिवार में आपात स्थिति की वजह से चेन्नई से घर वापस लौट गए हैं। वह चेपक में भारत के अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए। सूत्रों के मुताबिक रिंकू के पिता खानचंद सिंह को गंभीर हालत में ग्रेटर नोएडा के एक हॉस्पिटल में भर्ती हैं और इसलिए खिलाड़ी को वापस जाना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 76 रन की हार के दौरान रिंकू खाता खोलने में नाकाम रहे थे, जबकि नीदरलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में उन्होंने छह रन बनाए थे। इससे पहले उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 11, नामीबिया के खिलाफ एक और अमेरिका के खिलाफ छह रन बनाए थे।

सेमीफाइनल में पहुंचने पर कोलंबो में मुकाबला खेल सकता है श्रीलंका

नई दिल्ली, जेएनएन। अगर श्रीलंका टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचता है, तो वह घर पर सेमीफाइनल मुकाबला खेल सकता है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उनका मुकाबला किस टीम के खिलाफ होता है और कौन सी अन्य टीमें अंतिम चार में पहुंचती हैं। आईसीसी की वास्तविक कार्यक्रम की घोषणा और टूर्नामेंट की प्लेइंग कंडीशन में बदलाव के परिणास्वरूप अगर सेमीफाइनल में श्रीलंका का सामना भारत के अलावा किसी और टीम से होता है और पाकिस्तान सेमीफाइनल में नहीं पहुंचता है, तब ऐसी स्थिति में आर प्रेमदासा स्टेडियम श्रीलंका के सेमीफाइनल मुकाबले की मेजबानी करेगा। सुपर-8 की तस्वीर साफ होने के बाद आईसीसी द्वारा सभी हितधारकों को भेजे गए संवाद में आईसीसी ने सेमीफाइनल के लिए लॉजिस्टिक की पुष्टि इस प्रकार की है:-

- अगर पाकिस्तान सेमीफाइनल में प्रवेश नहीं करता है, लेकिन श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंचता है और उनका मुकाबला भारत के अलावा किसी और टीम से होता है, तो पहला सेमीफाइनल कोलंबो में होगा।
- सेमीफाइनल-1 एक फ्लोटिंग अरेजमेंट है, जिसका आयोजन कोलकाता या कोलंबो में से किसी एक जगह होना है।
- अगर पाकिस्तान सेमीफाइनल में प्रवेश करता है, तो वह 4 मार्च को कोलंबो में पहला सेमीफाइनल खेलेंगे।

पाक-श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंचे तो दोनों मैच भारत में

आईसीसी ने यह भी दोबारा स्पष्ट किया कि अगर पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों ही सेमीफाइनल में प्रवेश नहीं करते हैं, तो पहला सेमीफाइनल कोलकाता और दूसरा सेमीफाइनल मुंबई में खेला जाएगा। अगर भारत सेमीफाइनल में पहुंचता है और उसका मुकाबला पाकिस्तान से नहीं होता है, तो वह मुंबई में दूसरा सेमीफाइनल खेलेगा। क्योंकि अगर सेमीफाइनल में भारत का सामना पाकिस्तान से होता है, तो उन्हें यह मुकाबला खेलने के लिए कोलंबो जाना होगा। अगर भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका में से कोई भी टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंचती है, तब ऐसी स्थिति में सुपर-8 की ग्रुप 1 में शीर्ष पर रहने वाली टीम ग्रुप 2 की दूसरे स्थान की टीम से कोलकाता में सेमीफाइनल में खेलेगी और ग्रुप-2 की शीर्ष पर रहने वाली टीम ग्रुप-1 के दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम मुंबई में सेमीफाइनल मुकाबला खेलेगी। श्रीलंका और पाकिस्तान दोनों सुपर-8 के एक ही ग्रुप में हैं, इसलिए दोनों टीमों के सेमीफाइनल में भिड़ने की संभावना नहीं है।

कार्यक्रम में किया बदलाव

यह पिछले साल नवंबर में घोषित किए गए कार्यक्रम में बदलाव है या एक प्रकार से स्पष्टीकरण है, जिसमें बताया गया है कि श्रीलंका के सेमीफाइनल में पहुंचने पर क्या होगा, क्योंकि पहले घोषित कार्यक्रम में पाकिस्तान के सेमीफाइनल और फाइनल में पहुंचने की स्थिति का प्रावधान था, लेकिन उसमें यह नहीं बताया गया था कि श्रीलंका अगर नॉकआउट स्टेज में पहुंचता है तब क्या होगा।

खेल एक नजर

एफआईएच प्रो लीग: स्पेन से शूटआउट में 3-4 से हारा भारत

होबार्ट, जेएनएन। भारत का एफआईएच पुरुष प्रो लीग में निराशाजनक प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रहा जब यहां स्पेन के खिलाफ निर्धारित समय में 1-1 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में उसे 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। मनिंदर सिंह के गोल से 59वें मिनट तक 1-0 की बढ़त बनाए रखने के बावजूद भारत ने अंतिम लम्हों में स्पेन को बराबरी का मौका दिया, जब ब्रूनो फॉन्ट ने गोल दागकर मैच को शूटआउट में खींच दिया। स्पेन को अंतिम 13 सेकंड में लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम गोल नहीं कर सकी, जिससे मुकाबला निर्धारित समय में 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। शूटआउट में अभिषेक और हार्दिक सिंह गोल करने से चूक गए, जिससे भारत को 3-4 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। भारत को इस मुकाबले से सिर्फ एक अंक मिला। भारत का अगला मुकाबला बुधवार को होबार्ट चरण के चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारत इस समय सात मैच में केवल दो अंक के साथ नौ टीम की प्रतियोगिता में आठवें स्थान पर है।

भारत की आकर्षि कश्यप जर्मन ओपन बैडमिंटन के मुख्य ड्रॉ में

मुलहेम एन डेर रूर, जेएनएन। भारतीय शटलर आकर्षि कश्यप ने मंगलवार को जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में चीनी ताइपे की ली यू-हसुआन को हराकर महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया। विश्व रैंकिंग में 62वें स्थान पर काबिज कश्यप ने क्वालिफायर मुकाबले में ली को एकतरफा अंदाज में 21-10, 21-15 से पराजित किया। अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा इस 2,50,000 डॉलर की इनामी राशि वाले टूर्नामेंट में अन्य भारतीय प्रतिभागियों में शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर तीन टेस्ट और तीन वनडे खेलेगा ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया तीन टेस्ट मैच और इतने ही वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए इस साल सितंबर-अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। पिछले साल जून में लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जीत के बाद दोनों टीम पहली बार टेस्ट मैच खेलेंगी। दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतकर 37 वर्षों में पहली बार कोई बड़ी ट्रॉफी जीती थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को बताया कि वनडे मैच 24 सितंबर को डरबन में, 27 सितंबर को जोहानिसबर्ग में और 30 सितंबर को पोटचेफस्ट्रूम में खेले जाएंगे। इसके बाद 3-4 अक्टूबर को पोटचेफस्ट्रूम में दो दिवसीय अभ्यास मैच खेला जाएगा। पहला टेस्ट मैच नौ अक्टूबर को डरबन में शुरू होगा। दूसरा टेस्ट मैच 18 अक्टूबर से गकेबरहा (पूर्व में पोर्ट एलिजाबेथ) में तथा तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच 27 अक्टूबर से केपटाउन के न्यूलैंड्स में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड पर जीत दर्ज करने के लिए श्रीलंका को करना होगा काफी सुधार

कोलंबो, जेएनएन। श्रीलंका को अगर टी-20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है, तो उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को होने वाले सुपर आठ के करो या मरो के मुकाबले में स्पिन गेंदबाजों के सामने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। पाल्लेकल की धीमी पिच पर इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका के बल्लेबाज स्पिनरों के सामने बुरी तरह से फ्लॉप रहे और 147 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए। श्रीलंका की पिचें सह-मेजबान भारत की पिचों की तुलना में बल्लेबाजी के लिए ज्यादा मुश्किल रही हैं और प्रेमदासा पिच पर भी यही सिलसिला जारी रहने की संभावना है, जहां बड़ी बाउंड्री के कारण छक्के लगाना आसान नहीं है। सुपर आठ के पहले मैच में मिली करारी हार के बाद श्रीलंका के बल्लेबाजों के शॉट चयन पर सवाल उठाए गए थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। न्यूजीलैंड को प्रेमदासा स्टेडियम में बारिश के कारण मैच रद्द होने के बाद पाकिस्तान के साथ एक अंक साझा करना पड़ा। उसके पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं, जो श्रीलंका के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। इस मैच में बारिश की संभावना नहीं है और इसलिए दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत हासिल करने की कोशिश करेंगी।

सुपर-8 में दोनों टीमों को पहली जीत की तलाश

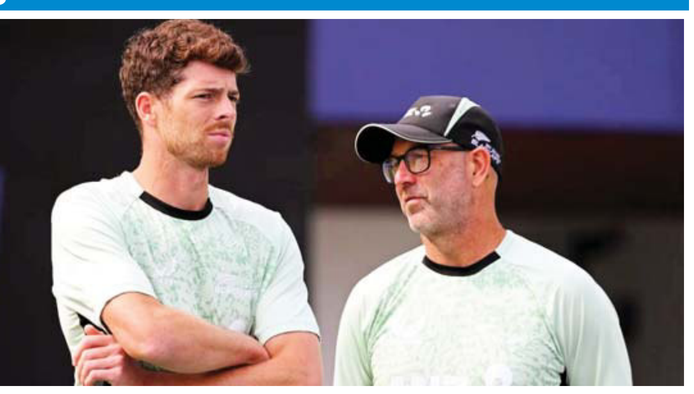

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, ईशान मलिंगा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डैरिल मिशेल, जेम्स नीशम, फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

शुभम के शतक की बदौलत जम्मू कश्मीर बड़े स्कोर की तरफ अग्रसर

कर्नाटक के खिलाफ पहले दिन जम्मू-कश्मीर का स्कोर 284/2

जेएनएन, हुबली

शुभम पुंडीर के नाबाद शतक और युवा यावर हसन की 88 रन की जुझारू पारी की बदौलत जम्मू-कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन मंगलवार को कर्नाटक के खिलाफ दो विकेट पर 284 रन बना कर मजबूत शुरुआत की। खब्बू बल्लेबाज शुभम दिन का खेल खत्म होने पर 117 रन पर नाबाद हैं, जबकि अब्दुल समद (नाबाद 52) अर्धशतकीय पारी के साथ उनका साथ निभा रहे हैं।

कप्तान पारस डोगरा के चोट के कारण रिटायर हर्ट होने के बाद दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 105 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। इससे पहले 27 साल के शुभम और यावर ने दूसरे विकेट के लिए 139 रन जोड़कर आठ बार की चैंपियन टीम के खिलाफ बड़े स्कोर की नींव रखी। दो शतकीय साझेदारियों में शामिल शुभम ने शिखर शेट्टी के खिलाफ डीप मिड-विकेट के ऊपर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। इस

रणजी ट्रॉफी फाइनल

उपलब्धि का जश्न उन्होंने हेलमेट उतारकर और ड्रेसिंग रूम की ओर हाथ उठाकर मनाया।

मैच के आगे बढ़ने के साथ पिच से स्पिनरों को अधिक मदद मिलने की संभावना को देखते हुए जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जो अब तक सही साबित हुआ है।

ब्रिस्बेन, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया ने पहले महिला वनडे में भारत को 70 गेंद शेष रहते हुए छह विकेट से हराकर तीन मैच की सीरीज में शुरुआती बढ़त हासिल की। मौजूदा विश्व चैंपियन भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर (84 गेंदों में 53 रन) और उप कप्तान स्मृति मंधाना (68 गेंदों में 58 रन) के अर्धशतकों के बावजूद उसकी टीम 48.3 ओवर में 214 रन पर आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्पिनर एशली गार्डनर (33 रन देकर तीन विकेट) और मेगन शूट (42 रन देकर दो विकेट) सफल गेंदबाज रहीं। ऑस्ट्रेलिया को लक्ष्य तक पहुंचने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई और उसने केवल 38.2 ओवर में चार विकेट पर 217 रन बनाए। कप्तान एलिसा हीली (70 गेंद पर 50 रन) के अर्धशतक की मदद से उसने अच्छी शुरुआत की। इसके बाद बेथ मूनी (79 गेंद पर 76 रन) और एनाबेल सदरलैंड (44 गेंद पर नाबाद 48 रन) ने चौथे विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की बड़ी जीत सुनिश्चित की। हीली और फोबे लिचफील्ड (32 गेंद पर 32 रन) ने सहजता से रन बटोरते हुए पहले विकेट के लिए 55 रन की

प्लेयर ऑफ द मैच: बेथ मूनी

महिला टी-20 विश्व कप: भारत-पाक एक ग्रुप में, 14 जून को एजबेस्टन में मुकाबला

आईसीसी ने जारी किया शेड्यूल, 12 को ओपनिंग मैच इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच

दुबई, जेएनएन। आईसीसी ने इंग्लैंड में 12 जून से शुरू होने वाले महिला टी-20 विश्व कप 2026 का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह टूर्नामेंट 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स के विभिन्न मैदानों पर खेला जाएगा। विश्व कप का ओपनिंग मैच एजबेस्ट में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच होगा। पिछले संस्करण के सेमीफाइनल की रीमैच में न्यूजीलैंड 13 जून को साउथैम्प्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने खिताब बचाव की शुरुआत करेगा, जबकि उसी दिन मैनचेस्टर में ऑस्ट्रेलिया का सामना 2024 के फाइनलिस्ट दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारत 14 जून को एजबेस्टन में पाकिस्तान से भिड़ेगा। शुरुआती आकर्षणों में 20 जून को हेडिंग्ले में इंग्लैंड और स्कॉटलैंड की भिड़ंत शामिल है। यह पहली बार होगा जब दोनों टीमें किसी विश्व कप (पुरुष या महिला) में इंग्लिश सरजमीं पर आमने-सामने होंगी। आयरलैंड और स्कॉटलैंड 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में ऑल-सेल्टिक मुकाबले में भी आमने-सामने होंगे। लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत मुकाबला प्रतियोगिता का अंतिम ग्रुप-स्टेज मैच होगा।

12 टीमें दो ग्रुप में

टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जो 30 जून और 2 जुलाई को खेले जाएंगे। विजेता 5 जुलाई को लॉर्ड्स में होने वाले खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगे। मेजबान इंग्लैंड और 2024 संस्करण की शीर्ष पांच टीमें ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज ने इस संस्करण के लिए स्वतः क्वालिफाई किया था।

22 साल बाद तेंदुलकर के खिलाफ गलत फैसले पर बकनर को पछतावा, कहा-आज भी लोग पूछते हैं आउट क्यों दिया?

दिग्गज अंपायर ने कहा-मैंने मान लिया है कि यह एक गलती थी और जिंदगी चलती रहती है

■ बकनर (79 बरस) ने 1989 और 2009 के बीच 128 टेस्ट मैच में अंपायरिंग की और 1992 से 2007 तक लगातार पांच विश्व कप फाइनल में अंपायरिंग करने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

जेएनएन, नई दिल्ली

महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के खिलाफ बेहद खराब फैसला देने के दो दशक से अधिक समय बाद दिग्गज अंपायर स्टीव बकनर को आखिरकार पछतावा है और उन्होंने माना है कि यह एक गलती थी। वर्ष 2009 में संन्यास लेने वाले बकनर दो दशक से अधिक समय तक दुनिया के सबसे सम्मानित अंपायरों में से एक थे। हालांकि उन्होंने तेंदुलकर से जुड़े कुछ विवादित फैसले दिए, जिनमें सबसे चौंकाने वाला फैसला 22 साल पहले ब्रिसबेन के गाबा में भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच के दौरान पगबाधा आउट देना था। वेस्टइंडीज क्रिकेट अंपायर संघ के साथ साक्षात्कार में जब बकनर से एक अंपायर के तौर पर उनके सबसे मुश्किल फैसलों में से एक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, सचिन तेंदुलकर को पगबाधा आउट देना। यह एक गलती थी, लेकिन आज भी हर दिन लोग इसके बारे में बात करते हैं। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें आउट क्यों दिया? क्या वह आउट था, वगैरह-वगैरह? लेकिन जिंदगी में गलतियां होती रहती हैं। मैंने मान लिया है कि यह एक गलती थी और जिंदगी चलती रहती है।

तेंदुलकर से 2024 में प्रशंसकों के साथ बातचीत के दौरान जब बकनर के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया था तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था, जब मैं बल्लेबाजी कर रहा होता हूं, तो उसे मुक्केबाजी ग्लव पहनने के लिए दीजिए (जिससे कि वह अपनी अंगुली नहीं उठा सकें)। इसके अलावा सचिन ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें वह तीन बड़े पेड़ों के सामने बल्लेबाजी करते हुए दिख रहे थे। तीनों पेड़ इस तरह से थे कि वह विकेट जैसे दिख रहे थे। इसके कैप्शन में सचिन ने अपने फैंस से पूछा कि किस अंपायर ने स्टंप को इतना बड़ा महसूस कराया? हालांति उन्होंने किसी का जिक्र नहीं किया था, लेकिन फैंस ने अंदाजा लगा लिया था कि वह किसकी बात कर रहे हैं।

■ गाबा में हुए 2003-04 की सीरीज के उस टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी और उनके साथियों की जोरदार अपील के बाद बकनर ने तेंदुलकर को पगबाधा आउट दे दिया था। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए तेंदुलकर ने गेंद को छोड़ने की कोशिश की, जो उनके पैड के ऊपरी हिस्से में लगी, लेकिन बकनर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की अपील से सहमत थे। बाद में टेलीविजन रीप्ले में पुष्टि हुई कि गेंद साफ तौर पर स्टंप के ऊपर से जा रही थी। कमेंट्री बॉक्स में मौजूद दिवंगत टोनी ग्रेग ने इसे एक भयानक फैसला कहा था और उस समय ऐसा सोचने वाले वे अकेले नहीं थे। यह चार मैच की सीरीज का पहला मैच था और भारत के कप्तान सौरव गांगुली ने शानदार 144 रन बनाए थे, जिसके बाद यह मैच ड्रॉ हुआ था। यह अकेला मामला नहीं था जब बकनर ने तेंदुलकर को गलत आउट दिया हो।

■ ईडन गार्डन्स में 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ एक मैच में जमैका के बकनर ने आधे-अधूरे मन से की गई अपील के बावजूद अब्दुल रज्जाक की गेंद पर तेंदुलकर को कैच आउट दिया था। हालांकि रीप्ले में बल्ले और गेंद के बीच काफी अंतर दिखा।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 87 आवेदकों की समस्यायें

सतना। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सतना जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 87 आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भूमि विवाद, राजस्व रिकॉर्ड सुधार तथा अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत कीं।

27 किलो गांजा व 221 शीशी प्रतिबंधित कफ सिरप सहित 3 आरोपी गिरफ्तार

तस्करी में प्रयुक्त वाहन सहित 12 लाख 75 हजार का मशरुका जब्त

जागरण सतना

पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत पुलिस अधीक्षक मैहर अवधेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन एएसपी डॉ चंचल नागर एव नगर पुलिस अधीक्षक महेन्द्र सिंह चौहान के नेतृत्व में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अनिमेष द्विवेदी और उनकी टीम के द्वारा की बड़ी कार्यवाही की गई है।

ये है मामला

23 फरवरी को थाना कोतवाली मैहर पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर प्रभावी रेड कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ की बड़ी खेप जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम द्वारा रामवन पथ गमन रोड जीतनगर मोड़ की पुल के नीचे सर्विस रोड पर घेराबंदी कर काले रंग की डस्टर कार क्रमांक एमपी 19 सीसी 3342 को रोका गया। वाहन में सवार तीन व्यक्तियों की तलाशी लेने पर वाहन की डिग्गी से कुल 27 किलो दो सौ ग्राम अवैध गांजा कीमत लगभग 4 लाख 10 हजार एवं 221 शीशी कोडीन फास्फेटयुक्त प्रतिबंधित ऑनरेक्स कफ सिरप कीमत लगभग 65 हजार बरामद की गई। मौके पर विधिवत पंचनामा कार्यवाही कर मादक पदार्थ, कफ सिरप एवं प्रयुक्त डस्टर कार कीमत लगभग 8 लाख रुपये जब्त की गई। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट एवं मप्र ड्रग कंट्रोल अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही जारी है।

ये आरोपी गिरफ्तार

सुरेन्द्र पटेल, निवासी ग्राम खैरा थाना कोतवाली मैहर अंकुश जायसवाल, निवासी पोडी थाना नागौद जिला सतना अमन कुशवाहा उर्फअंकुश, निवासी ग्राम पोडी थाना कोतवाली मैहर का नाम शामिल है। गौरतलब है कि प्रकरण का मुख्य आरोपी सुरेन्द्र उर्फ रामनरेश पटेल के विरुद्ध पूर्व में थाना मैहर एवं सिविल लाइन सतना में विभिन्न प्रकरण पंजीबद्ध हैं जिनमें जुआ एक्ट आबकारी एक्ट आर्म्स एक्ट तथा एनडीपीएस एक्ट से संबंधित अपराध शामिल हैं। आरोपी पूर्व से कई अवैध गतिविधियों में संलिप्त रहा है। मैहर जिले में नशे के सौदागरों एवम अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार कड़ी एवं प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। आमजन से अपील है कि नशे से संबंधित किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

वकील व तहसीलदार के बीच तीखी नोकझोंक

न्यायालयीन कार्यवाही के दौरान मचा हंगामा

जागरण सतना। रघुराजनगर तहसील कार्यालय के अंदर मंगलवार की दोपहर उस समय स्थिति हंगामाई हो गई जब अधिवक्ता हरीश द्विवेदी और तहसीलदार सौरभ मिश्रा के बीच न्यायालयीन कार्यवाही के दौरान तीखी बहस हुई। बताया जाता है कि अधिवक्ता हरीश द्विवेदी कौशल प्रसाद बनाम राजकुमार व अन्य प्रकरण में आवेदन प्रस्तुत करने तहसील न्यायालय पहुंचे थे। उसी समय प्रकरण की सुनवाई चल रही थी। अधिवक्ता का आरोप है कि तहसीलदार ने मामले में सहखातेदार होने का हवाला देते हुए स्थगन आदेश देने से इनकार कर दिया। इस पर अधिवक्ता ने कानून का उल्लेख करते हुए आपत्ति दर्ज कराई।

तहसील के गेट बंद कर पहुंच गए कोतवाली

बताया जाता है कि वकील द्वारा किये जा रहे वार्तालाप के बाद तहसीलदार सौरभ मिश्रा ने तहसील कार्यालय गेट का ताला बंद कराकर सिटी कोतवाली पहुच गए। उधर पता लगते ही अधिवक्ता के समर्थन में कई वकील भी सिटी कोतवाली पहुंच गए और धरने पर बैठ गए। इधर राजस्व विभाग के लिपिक एवं पटवारी भी तहसीलदार के पक्ष में कोतवाली परिसर में पहुंच गए। कुछ समय तक कोतवाली परिसर में गहमागहमी का माहौल बना रहा। प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई। एसडीएम सिटी राहुल सिलडिया और सीएसपी देवेंद्र सिंह चौहान की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच बंद कमरे में वार्ता कराई गई। बातचीत के बाद आपसी सहमति से विवाद का पटाक्षेप हो गया।

> वकील हरीश द्वेवेदी द्वारा स्थगन आदेश जारी करने का दबाव बनाया जा रहा था। आरोप प्रत्यारोप की स्थिति निर्मित थी। तहसील कार्यालय बंद कराकर हम लोग सिटी कोतवाली पहुच गए मगर बाद में आपसी सामंजस्य के चलते मामले का पटाक्षेप हो गया।
>
> **सौरभ मिश्रा**
> **तहसीलदार रघुराजनगर जिला सतना**

चित्रकूट में दौरी सागर बांध का निर्माण कार्य प्रारंभ

सांसद ने अधिकारियों व ठेकेदार से कहा पूरी गुणवत्ता के साथ बेहतर जलभराव वाला बने डैम

सतना। चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और संसाधनों की भरमार के बावजूद पानी की कमी हमेशा से किसानों के लिए चिंता का विषय रही है। अब पैयसुनी नदी पर दौरी सागर बांध के निर्माण से इस समस्या का समाधान होने की उम्मीद जगी है। सांसद गणेश सिंह के प्रयासों से इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी मिली हैए जिससे न केवल सिंचाई सुविधा बढ़ेगी बल्कि नदी भी सदानीरा बनी रहेगी। मंगलवार को सांसद ने परियोजना का निरीक्षण कर कहा कि गुणवत्ता से कोई समझौता न हो एये क्षेत्र के किसानों के लिए बड़ा वरदान होने वाला डैम है।

आध्यात्मिक महत्व वाली पैयसुनी नदी को मिलेगा नया जीवन : पैयसुनी नदी का अपना आध्यात्मिक महत्व हैए जो चित्रकूट की धार्मिक विरासत से जुड़ी हुई है। पिंडरा के समीप ब्रम्हकुंड से निकलने वाली इस नदी में आगे एक बांध का निर्माण हो रहा है। सांसद गणेश सिंह ने नदी की धारा को अक्षुण्ण रखने के लिए लंबे समय से प्रयास किए थे। उनके प्रयासों के फलस्वरूप सरकार ने बांध निर्माण की मंजूरी दी और बजट आवंटित किया। दावा किया जा रहा है कि बांध बनने के बाद मझगंवा क्षेत्र पानीदार हो जाएगा और पैयसुनी नदी साल भर बहती रहेगीए जो वर्तमान में सूखने की कगार पर है या फिर यूं कहे कि सूख ही जाती है।

226 करोड़ की लागत से बनेगा दौरी सागर बांधए चित्रकूट विस के लिए वरदान

दौरी सागर बांध के लिए लंबे समय से कवायद चल रही थी। सरकार ने इस परियोजना के लिए 226 करोड़ रुपये का बड़ा बजट मंजूर किया है। यह बांध मझगंवा क्षेत्र और चित्रकूट विधानसभा के आधे हिस्से के लिए वरदान साबित होगा। बीते दिनों सांसद गणेश सिंह ने इसका भूमिपूजन किया था। निर्माण एजेंसी जल संसाधन विभाग हैए जो परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करने में जुटा है। बांध से सिंचाई की सुविधा बढ़ने से किसानों की फसलों को पर्याप्त पानी मिल सकेगाए जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है।

बोले सांसद.मशीनरी बढ़ाओं और मजबूत बांध बनाओं : मंगलवार की दोपहर सांसद गणेश सिंह निर्माणाधीन दौरीसागर बांध स्थल पर पहुंचे और कार्य का निरीक्षण किया। मौके पर मशीनरी लगी हुई थी और निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा था। सांसद ने ठेकेदारए विभागीय अधिकारियों और अभियंताओं को सख्त निर्देश दिए कि यह परियोजना क्षेत्र के लिए अति महत्वपूर्ण के साथ अतिमहत्वाकांक्षी है। निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाए।

नशे में ड्यूटी करता मिला अस्पताल का कंपाउंडर

मरीजों से बदसलूकी का भी आरोप वार्ड से बाहर निकाला

सतना। जिला अस्पताल में सोमवार रात वार्ड नंबर 6 में ड्यूटी पर तैनात एक कंपाउंडर को नशे की हालत में पाया गया। आरोप है कि उसने मरीजों के परिजनों से बदसलूकी कीए जिसके बाद वार्ड में हंगामा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों और मरीजों के परिजनों के अनुसार नशे में धुत कंपाउंडर न केवल अभद्र व्यवहार कर रहा था बल्कि उनसे पैसों की मांग भी कर रहा था। उसकी इस हरकत से मरीजों और उनके परिजनों में भारी आक्रोश फैल गया। गार्ड और परिजनों ने मिलकर बाहर निकाला। मामले की शिकायत तुरंत अस्पताल के गार्डों से की गई। जब गार्ड वार्ड में पहुंचे तो नशे में धुत कंपाउंडर उनसे भी उलझ गया। स्थिति बिगड़ती देख मरीज के परिजनों और गार्डों को उसे जबरन वार्ड से बाहर निकालना पड़ा। उसे एक अलग कमरे में बैठाया गया ताकि उसका नशा उतर सके। बताया जा रहा है कि नशे में पकड़े गए कंपाउंडर का नाम शोभा है और वह नाइट ड्यूटी में तैनात था। लोगों का यह भी आरोप है कि वह अक्सर शराब के नशे में ड्यूटी पर आता रहा है। इस घटना की शिकायत अस्पताल प्रबंधन से कर दी गई है। अब देखना होगा कि मरीजों की सुरक्षा से जुड़े इस गंभीर मामले में प्रबंधन क्या कार्रवाई करता है।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433 9981287311

कैंसर OPD प्रतिदिन रीवा में
डॉ विनीत कुमार तिवारी
MBBS, MS (सर्जरी) (कैंसर सर्जन)
परामर्श समय प्रतिदिन दोपहर 1.30 से 03 बजे तक एवं शाम 06 से 07 बजे तक
DrNB सुपरस्पेशलिटी (ऑन्को सर्जरी), FALS (रोबोटिक और मिनिमल एसेस सर्जरी)
पूर्व सर्जन, मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर (MICC) दिल्ली NCR एवं AIIMS भोपाल
विशेषता
• मुख कैंसर सर्जरी
• स्तन कैंसर सर्जरी
• थायोराइड एवं इंडोक्राइन कैंसर सर्जरी
• स्त्री रोग कैंसर सर्जरी
• प्रोस्टेट एवं यूरोलॉजिक कैंसर सर्जरी
• पेट, लीवर एवं पैंक्रियाज कैंसर सर्जरी
• मेलोनेमा एवं त्वचा कैंसर सर्जरी
• सिर, चेहरा एवं गर्दन कैंसर सर्जरी
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) मो.: 9399312433, 9981287311

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
समय-प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
परामर्श क्लीनिक: शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्प्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

विद्युत से सुरक्षा के लिये ग्रामीणजन सावधानियां जरूर बरतें

जागरण सतना। विद्युत वितरण कंपनी ने ग्रामीणजनों को आगाह किया है कि वे अपने खेत-खलिहानों में विद्युत से सुरक्षा के लिये सावधानियां जरूर बरतें। अक्सर देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में असावधानीवश विद्युत से कई बार अप्रिय घटनाएं घट जाती हैं। यह दुर्घटनाएं कई बार जान-माल का नुकसान भी कर देती हैं। इनसे बचने के लिए ग्रामीणजनों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए कंपनी ने कहा है कि कभी भी विद्युत लाइनों, उपकरणों एवं खंभों से छेड़खानी न करें क्योंकि ऐसा करना विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है। कंपनी ने कहा किजरा भी असावधानी या छेड़खानी से बड़े-बड़े खतरे पैदा हो सकते हैं। इसलिए ऐसी लाइनें जिनमें विद्युत शक्ति प्रवाहित होती है उन्हें आँधी तूफान या अन्य किसी कारण से टूटने वाले तारों को अकस्मात छूने का प्रयास न करें। इस दौरान जरूरी होगा कि लाइन टूटने की सूचना तत्काल निकटस्थ बिजली कंपनी के अधिकारी को अथवा विद्युत कर्मचारी को दें। संभव हो तो किसी आदमी को उस जगह अन्य यात्रियों को चेतावनी देने के लिये भी बिठा दें। किसानों को सलाह है कि वे खेतों खलिहानों में ऊँची-ऊँची घास की गंजी, कटी फसल की ढेरियां, झोपड़ी, मकान अथवा तंबू आदि विद्युत लाइनों के नीचे अथवा अत्यंत समीप न बनायें। साथ ही विद्युत लाइनों के नीचे से अनाज, भूसे आदि की ऊँची भरी हुई गाड़ियाँ न निकालें, इससे आग लगने एवं जान जाने का खतरा है।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी 26 को तहसील रामपुर बघेलान में रहेंगे उपस्थित

जागरण सतना। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सतना कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी (सेवानिवृत्त) 26 फरवरी को दोपहर 12 बजे तहसील रामपुर बघेलान के ग्राम त्योंधरी में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर उनके साथ आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड सतना की टीम भी उपस्थित रहेगी। जो भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की स्पर्श पोर्टल से संबंधित समस्याओं का समाधान करेगी तथा जीवन प्रमाण पत्र से जुड़ी आवश्यक जानकारी देगी। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने समस्त भूतपूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं एवं वीर नारियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निराकरण कराएं और इस सुविधा का लाभ उठाएं।

मैहर जिले की जनसुनवाई में आये 29 आवेदन

सतना। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने मंगलवार को जनसुनवाई में जिले के विभिन्न अंचलों से प्राप्त 29 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए।

विंध्य के वरिष्ठ डॉक्टर
डॉ प्रदीप निगम
MD, DrNB (गैस्ट्रो)
पेट, लीवर, पित, आंत पैंक्रियाज एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
उपलब्ध सुविधा
• एंडोस्कोपी
• कोलोनोस्कोपी
• फाइब्रोस्केन
• ERCP
Call Now 8770352872,7566926696
पता -बाल भारती स्कूल के सामने, समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा रीवा

डॉ. बीरभान सिंह
एम.डी. (मेडिसिन)
DrNB (न्यूरोलॉजी) पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक
कंसल्टेन्ट न्यूरोलॉजिस्ट
उपलब्ध सुविधाएं
• कमर दर्द (साइटिका • मिर्गी (फिट), बुखारी मिर्गी, बच्चों की मिर्गी • सिर दर्द माइग्रेन/अर्ध कपारी
• मूवमेंट डिसार्डर्स (ऑखें एवं चेहरे का फड़कना, गर्दन टेढ़ी होना) • बोटॉक्स का इंजेक्शन लगाना
• पार्किंसंस (हाथ पैर में कपन होना), अनिद्रा, नींद में बडबडाना या चौक जाना। • चक्कर आना (वर्टइगो)
• यादाश्त में कमी, पेशाब का पता न चलना व कपड़ें में पेशाब निकल जाना, भूलने की बीमारी।
• आँखों में दर्द के साथ-साथ धुंधला दिखना और दो-दो दिखाई देना, रंग साफ न दिखना आचानक से आँखो की रोशनी कम होना • हाथ पैर में झनझनाहट या सुन्नपन, झुनझुनी (न्यूरोपैथी)
• अनिद्रा (स्लीप डिसाआर्डर) • मस्तिष्क एवं रीढ़ के इन्फेक्शन • चलने में परेशानी, लड़खड़ा के चलना, धीरे-धीरे चलना, चलते समय गिर जाना व गिरने का भय। • दिमागी बुखार • मांसपेशियों में कमजोरी, फड़कना या हाथ पैर का पतला होना • गर्दन दर्द (सर्वाइकल स्प,एडलाइटिस) • चेहरा का तिरछापन (बेल्स पालसी)
पता: श्रवण कुमारी स्कूल के पास,गुड़ रोड चिरहुला, रीवा (म.प्र.) मो. 7869516171

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
• IUI, IVF, ICSI
• फ्रोजन एंब्रिया ट्रांसफर साइकिल (FET)
• एग फ्रीजिंग
• एंब्रियो फ्रीजिंग
• स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

संकल्प से समाधान अभियान में सुरक्षा बीमा योजनाओं से सैचुरेट करें

जिले के बैंकों की परामर्ष दात्री एवं समीक्षा समिति की बैठक

जागरण सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना तथा अटल पेंशन योजना का बेहतर प्रचार-प्रसार कर चल रहे संकल्प से सिद्धी अभियान में पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर बीमा योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाये। कलेक्टर ने कहा कि बीमा योजनाओं के क्लेम के भुगतान का भी प्रचार-प्रसार करें ताकि योजनाओं के प्रति लोगों की जागरूकता बढे। बैंकों की परामर्श दात्री एवं समीक्षा समिति की मंगलवार को सम्पन्न तिमाही समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिये गये। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, भारतीय रिजर्व बैंक से विनय मोरे, नाबार्ड जिला प्रबंधक श्री गोपेश, एलडीएम गौतम शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बैंकों के नोडल जिला प्रबंधक उपस्थित रहे। परामर्श दात्री समिति की बैठक में बताया गया कि दिसम्बर 2025 को समाप्त त्रैमास में सतना जिले के बैंकों का औसत सीडी रेशियों 56.55 प्रतिशत रहा है। कलेक्टर ने इस त्रैमास में बढाने के निर्देश दिये। शासकीय योजनाओं में प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी बैंक योजनाओं में लक्ष्य के अनुरूप 15 मार्च तक प्रकरणों में स्वीकृत और वितरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। बताया गया कि आदिम जाति कल्याण की स्वरोजगार योजनाओं में सभी का लक्ष्य पूरा कर लिया गया है।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com